नई दिल्ली । शुक्रवार , 03 अप्रैल, 2026
चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :87 । मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल सब-जूनियर विमेंस चैंपियनशिपः दूसरे दिन ...
@ विचार कमीशन लेकर किताबें बेच रहे प्राइवेट स्कूल...
@ व्यापार सेंसेक्स निचले स्तरों से करीब 1,800 अंक ...

नासा का ऐतिहासिक कदम-आर्टिमिस II फिर रखेगा चांद पर कदम

अंतरिक्ष यात्री पहली बार अपने पर्सनल आईफोन को गहरे अंतरिक्ष में लेकर जा रहे

एजेंसी ■ फ्लोरिडा

नासा के आर्टेमिस II मिशन पर गए अंतरिक्ष यात्री पहली बार अपने पर्सनल आईफोन को गहरे अंतरिक्ष में लेकर जा रहे हैं। यह कदम इस बात का संकेत है कि अमेरिकी स्पेस एजेंसी अब पृथ्वी की कक्षा से बाहर मानव मिशनों के लिए अपने उपकरणों को आधुनिक बना रही है।

अंतरिक्ष एजेंसी के चार सदस्यीय टीम — कमांडर रीड वाइजमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच और मिशन स्पेशलिस्ट जेरेमी हैनसेन — बुधवार को फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से ओरियन स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट के जरिए रवाना हुए। यह मिशन 10 दिन का है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के चारों ओर घूमकर वापस लौटेंगे।

पर्सनल स्मार्टफोन ले जाने का निर्णय इस साल की शुरुआत में नासा के एडमिनिस्ट्रेटर जेरेड इसाकमैन ने लिया था, जिसके पीछे का उद्देश्य क्रू के उपकरणों को आधुनिक बनाना और मिशन की डॉक्यूमेंटेशन प्रक्रिया को आसान बनाना है।

इस कदम से अंतरिक्ष यात्री भारी-भरकम सरकारी कैमरों पर निर्भर हुए बिना मिशन के खास पलों को कैद कर सकेंगे।

आइजैकमैन ने फरवरी में एक्स पर लिखा था, 'हम अपने क्रू को ऐसे टूल्स दे रहे हैं, जिससे वे अपने परिवार के लिए खास पल कैद कर सकें और दुनिया के साथ प्रेरणादायक तस्वीरें और वीडियो साझा कर सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक तकनीक को तेजी से स्पेस मिशनों के लिए तैयार करना भविष्य के चंद्र और कक्षीय मिशनों में नासा के लिए फायदेमंद साबित होगा।

अंतरिक्ष यात्रा के दौरान ये आईफोन 'एयरप्लेन मोड' में ही रहेंगे, ताकि स्पेसक्राफ्ट के सिस्टम में कोई दखल न पड़े। इस दौरान ये फोन मुख्य रूप से हाई-एंड कैमरा की तरह काम करेंगे।

जब क्रू अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के पास से गुजरेगा, तब वे वहां के वाई-फाई से कनेक्ट होकर फोटो और ईमेल भेज सकेंगे, हालांकि कॉल करना संभव नहीं होगा।

आर्टेमिस मिशन पिछले कई दशकों में पहली बार ऐसा मानव मिशन है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के पास तक जाएंगे। इस दौरान वे चंद्रमा की सतह की लाइव तस्वीरें लेंगे, ऐसे हिस्सों को देखेंगे जो पहले इंसानों ने नहीं देखे, और डीप स्पेस से आंशिक सूर्य ग्रहण का भी अनुभव करेंगे।

रुपए में 13 वर्षों में सबसे बड़ी तेजी, डॉलर के मुकाबले 93.10 के स्तर पर बंद

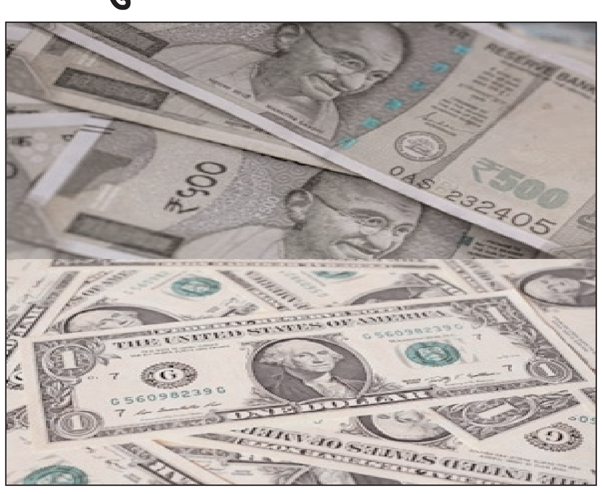

एजेंसी ■ नई दिल्ली

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए में गुरुवार को 13 वर्षों में सबसे बड़ी तेजी देखने को मिली और इसके चलते अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 93.10 के स्तर पर बंद हुआ।

डॉलर के मुकाबले रुपए में तेजी की वजह आरबीआई द्वारा भारतीय मुद्रा में सट्टेबाजी को कम करने के लिए कदम उठाना है।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपए में तेज गिरावट को रोकने के लिए घरेलू और विदेशी मार्केट्स में नियमों को सख्त किया है। एक विश्लेषक ने कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के बाद रिस्क सेंटीमेंट में सुधार के कारण रुपए में तेजी आई। उनके भाषण ने तनाव बढ़ाने के बजाय बातचीत का संकेत दिया गया, जिससे बाजार में तेजी आई। हालांकि, अनिश्चितता का स्तर अभी भी ऊंचा बना हुआ है, जिससे मुद्रा बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है।

तीन दिन की छुट्टी के बाद कारोबार फिर से शुरू होने पर रुपया दिन के दौरान 1.7 प्रतिशत तक बढ़कर 93.25 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपए की सबसे मजबूत वृद्धि है।

केंद्रीय बैंक ने हाल ही में बैंकों को निवासी और अनिवासी दोनों ग्राहकों को रुपए के नॉन-डिलीवरी वाले फॉरवर्ड जारी करने से रोक दिया है, और कंपनियों को रद्द किए गए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स को पुनः बुक करने से भी प्रतिबंधित कर दिया है।

इससे पहले उठाए गए कदमों में बैंकों की रुपए में नेट ओपन पॉजिशन को 100 मिलियन डॉलर तक सीमित करना और संबंधित पक्षों के साथ विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव सौदों पर रोक लगाना शामिल था।

इन कदमों का उद्देश्य मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी की गतिविधियों को कम करना और रुपए को स्थिर करना है। विश्लेषकों ने कहा कि भारत का मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, जो 700 अरब डॉलर से अधिक है, अस्थिरता से सुरक्षा प्रदान करता है और केंद्रीय बैंक को जरूरत पड़ने पर हस्तक्षेप करने की गुंजाइश देता है।

पेज नं -2

ममता को घर में हराना है, टीएमसी को खाड़ी में फेंक दो : शाह

15 दिन बंगाल में रहने वाला हूं

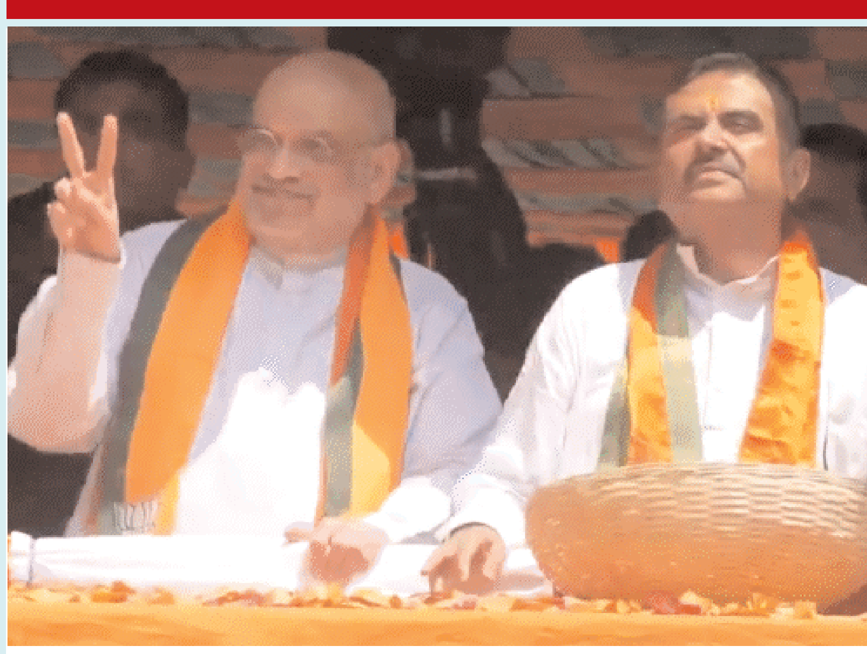

एजेंसी ■ कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में रोड शो किया। उन्होंने कहा- मैं अगले 15 दिन बंगाल में रहने वाला हूं। टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंकने और उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए हर किसी को बिना किसी डर के वोट देना चाहिए। कोई भी गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता।

शाह का काफिला जब कालीघाट पहुंचा, जहां से ममता का घर कुछ ही दूर है वहां पर टीएमसी कार्यकर्ता ने काफिले के सामने जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिंदाबाद के नारे लगाए। सिर पर काला कपड़ा बांधे लोगों ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए।

इसके बाद टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प होने लगी। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और भीड़ पर कंट्रोल किया। इससे पहले शाह ने कोलकाता में रैली में कहा- सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि सिर्फ नंदीग्राम में ही नहीं बल्कि हमें ममता को उनके घर में भी हराना होगा।

दरअसल, सीएम ममता पश्चिम बंगाल की भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ रही हैं। बीजेपी ने उनके खिलाफ सुवेंदु अधिकारी को दोनों सीट से मैदान में उतारा है।

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए भवानीपुर सीट से नामांकन दाखिल किया। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए भवानीपुर सीट से नामांकन दाखिल किया।

यूडीएफ ने जारी किया 5+1 गारंटी' वाला घोषणापत्र

केरल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले विपक्षी गठबंधन यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने एर्नाकुलम में आयोजित कार्यक्रम में यूडीएफ के नेता और विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है।

घोषणापत्र की प्रमुख गारंटियां

केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा कॉलेज छात्राओं को 1,000 मासिक सहायता , ओमन चांडी के नाम पर 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा, कल्याण पेंशन बढ़ाकर 3,000 करना, युवा उद्यमियों को ब्याज-मुक्त ऋण, वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग सरकारी विभाग (मंत्रालय) का गठन, यूडीएफ ने इन घोषणाओं के जरिए युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को साधने की कोशिश की है।

होर्मुज को लेकर ब्रिटेन ने बुलाई 35 देशों की बैठक

भारत भी शामिलः विदेश मंत्रालय

एजेंसी ■ लंदन

होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने की राह निकालने और इसे दुनिया के लिए सुरक्षित बनाने की मुहिम के तहत ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें भारत भी शामिल हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में इसकी जानकारी दी।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि यूके की ओर से भारत को भी एक खत मिला है और इसमें हमारी नुमाइंदगी भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री कर रहे हैं।

बुधवार को होर्मुज पर अहम बैठक की घोषणा ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने की थी। उन्होंने कहा था कि जल्द ही ये बैठक होगी। गुरुवार को ऑनलाइन मोड में इसका आयोजन किया गया। इस बैठक का मकसद होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने के रास्ते तलाशना है।

बैठक के दौरान कूपर ने होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच ईरान की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'वैश्विक आर्थिक सुरक्षा पर सीधा हमला' बताया।

अहम बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान की 'लापरवाही' ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को गंभीर खतरे में डाल दिया है।

उन्होंने दावा किया कि ब्रिटेन इस संकट को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने की कोशिश में आगे बढ़ रहा है। यूके का लक्ष्य होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री रास्तों को फिर से सुरक्षित और चालू करना है, जिसे ईरान ने अमेरिका-इजरायल अभियान के जवाब में निशाना बनाया है। कूपर के अनुसार, इस रणनीतिक समुद्री मार्ग में अब तक 25 से अधिक जहाजों पर हमले हो चुके हैं। इसके चलते करीब 2,000 जहाजों पर सवार लगभग 20,000 नाविक फंसे हुए हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन और ऊर्जा बाजार पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

पेज नं -2

जग्गी हत्याकांड- अमित जोगी दोषी करार

3 हफ्ते के अंदर करना होगा सरेंडर

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। सीबीआई के साक्ष्य को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया गया है।

वहीं फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पूरी सुनवाई का मौका दिए बिना उन्हें दोषी ठहरा दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है।

सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश के तहत कराई गई थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य शामिल हैं। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए अमित जोगी को सरेंडर करने का आदेश दिया। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने पहले उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था, लेकिन बाद में मामला दोबारा खोला गया। 4 जून 2003 को राजधानी रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे। अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को सजा मिली थी।

हाईकोर्ट ने पूरी सुनवाई का मौका दिए बिना मुझे दोषी ठहरा दिया, जो अप्रत्याशित है। मेरे साथ अन्याय हुआ है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलने का भरोसा है।
अमित जोगी

मेरे परिवार की 20 साल की तपस्या आज सफल हुई। मेरे पापा को न्याय मिला है। आखिरकार मुख्य आरोपी अमित जोगी जेल जाएंगे।
सतीश जग्गी
रामावतार के बेटे

हत्याकांड के दोषियों की अपील खारिज

डिवीजन बेंच ने 2 साल पहले रामावतार जग्गी हत्याकांड के दोषियों की अपील को खारिज कर दिया था, जिसमें डिवीजन बेंच ने आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए मामला फिर से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट भेजने का निर्देश दिया था, जिससे मामले पर विस्तार से सुनवाई हो सके। हत्याकांड के बाद पुलिस की शुरुआती जांच में पक्षपात और असंतोष के आरोप लगने पर राज्य सरकार ने जांच सीबीआई को सौंपी थी, तब सीबीआई ने अपनी जांच में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी समेत कई लोगों पर हत्या और साजिश के आरोप लगाए थे।

सतीश जग्गी का आरोप- तत्कालीन राज्य सरकार की प्रायोजित थी हत्या

हाईकोर्ट में अपील पर रामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी के अमित जोगी की दोषमुक्ति के खिलाफ पेश क्रिमिनल अपील पर उनके अधिवक्ता बीपी शर्मा ने तर्क दिया था। उन्होंने बताया था कि हत्याकांड की साजिश तत्कालीन राज्य सरकार की ओर से प्रायोजित थी।

पेज नं -2

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया। राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को उनकी जगह दे दी। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर जानकारी दी।

लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और आप को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं।

27 फरवरी को जब सीबीआई की अदालत से अरविंद केजरीवाल को राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में वे लोगों से जुड़े गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे मुद्दे उठा रहे थे। अशोक मित्तल भी पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद हैं। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं।

पेज नं -2

जेवर के विकास को नई रफ्तार: चोला रेलवे स्टेशन बनेगा आधुनिक ट्रांसपोर्ट हब, एयरपोर्ट से मजबूत होगी कनेक्टिविटी

नई दिल्ली । जेवर विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। क्षेत्र के विधायक धीरेंद्र सिंह ने संसद भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर चोला रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण और उसे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान विधायक ने चोला रेलवे स्टेशन को मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के सबसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक है। ऐसे में आसपास के रेलवे नेटवर्क का सशक्त होना बेहद जरूरी है।

विधायक धीरेंद्र सिंह ने रेल मंत्री के समक्ष कई अहम प्रस्ताव रखे। इनमें चोला रेलवे स्टेशन का आधुनिक स्वरूप में पुनर्विकास, यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाओं का विस्तार, एयरपोर्ट तक तेज और सुगम रेल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना, नई प्रस्तावित रेल लाइन को शीघ्र मंजूरी दिलाना और प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने स्टेशन को लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विकास के केंद्र के रूप में विकसित करने की बात भी रखी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, किसानों को बेहतर बाजार मिलेगा और उद्योगों को सीधा लाभ पहुंचेगा। यह कदम पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विधायक को आश्वस्त किया कि रेल मंत्रालय इन प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण किया जा रहा है और जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और मजबूत बनाया जा सके।

बैठक में अनूपशहर के विधायक संजय शर्मा भी मौजूद रहे। अंत में विधायक धीरेंद्र सिंह ने केंद्र और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि आने वाले समय में जेवर क्षेत्र इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा।

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में वैधानिक मान्यता, राज्यसभा में विधेयक पारित

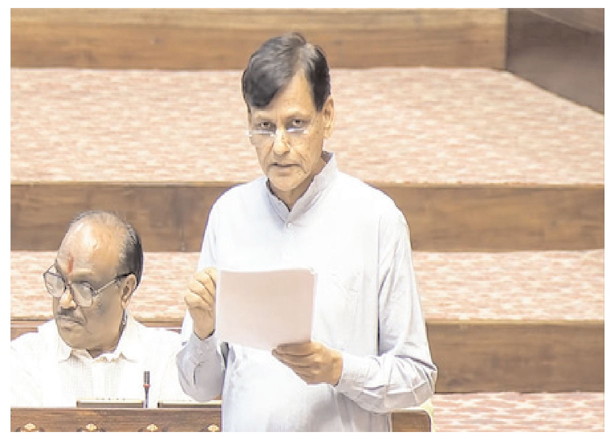

नई दिल्ली। राज्य सभा द्वारा गुरुवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया गया। यह महत्वपूर्ण विधेयक अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी के रूप में वैधानिक मान्यता प्रदान करने के लिए है। यह विधेयक इस संबंध में आंध्र प्रदेश विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव को कानूनी आधार भी प्रदान करता है। लोकसभा द्वारा इस विधेयक को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। विधेयक पारित होने से पूर्व सदन में इस पर चर्चा आयोजित की गई।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस संशोधन के माध्यम से यह प्रावधान किया जा रहा है कि निर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने के पश्चात आंध्र प्रदेश राज्य की राजधानी अमरावती होगी। साथ ही, अधिनियम में एक स्पष्ट स्पष्टीकरण जोड़ा जा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि अमरावती को ही राज्य की वैधानिक राजधानी के रूप में मान्यता प्राप्त हो। इसके अतिरिक्त, आंध्र प्रदेश विधानसभा द्वारा 28 मार्च को पारित संकल्प को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भी यह संशोधन आवश्यक है। इससे अमरावती का नाम राज्य की राजधानी के रूप में सम्मिलित किया जा सकेगा और किसी प्रकार की विधिक शंका या विवाद की स्थिति नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा कि एक स्पष्ट और स्थिर राजधानी किसी भी राज्य के प्रशासनिक ढांचे के लिए अत्यंत आवश्यक होती है। इससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता आती है, निर्णय लेने की प्रक्रिया सुदृढ़ होती है और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में गति आती है। अमरावती को वैधानिक रूप से राजधानी का दर्जा मिलने से राज्य में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, बुनियादी ढांचे का विकास तीव्र गति से होगा और समग्र आर्थिक प्रगति को बल मिलेगा।

केरल चुनाव: पीएम मोदी ने की बूथ अध्यक्ष की तारीफ; बोले- आप वायनाड सांसद से बेहतर करेंगी डिबेट

केरल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के जरिए केरल के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद किया और उन्हें चुनाव से पहले घर-घर पहुंचकर जनसंपर्क तेज करने का आह्वान किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने वायनाड जिले के मनंथवाडी की बूथ अध्यक्ष विनीता के.के. से बातचीत करते हुए उनकी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर विनीता और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच सार्वजनिक बहस कराई जाए, तो वह बेहतर प्रदर्शन करेंगी। पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि आप अपनी सांसद से भी बेहतर भाषण देंगी।

प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे चुनाव से पहले हर मतदाता से कम से कम तीन बार संपर्क करें और भाजपा-एनडीए को एक मौका देने के लिए लोगों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा, 'आपने 75 साल कांग्रेस और कम्युनिस्टों को दिए हैं, अब पांच साल भाजपा और एनडीए को दीजिए।

पीएम मोदी ने केरल की सियासत पर निशाना साधते हुए कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों ही भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे राज्य को दोहरी क्षति हो रही है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जैसे किसी खिलाड़ी का प्रदर्शन टूर्नामेंट के निर्णायक चरण में बेहतर होता जाता है, वैसे ही चुनाव नजदीक आने पर कार्यकर्ताओं को अपनी सक्रियता, आत्मविश्वास और प्रयास बढ़ाने चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान की तारीख (9 अप्रैल) नजदीक आते-आते पार्टी की पहुंच हर घर तक होनी चाहिए और कार्यकर्ताओं को पूरी मजबूती के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि केरल में भाजपा के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ रहा है और यह राज्य की राजनीति में बदलाव का संकेत है। पीएम मोदी ने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि केरल अब नई सरकार ही नहीं, बल्कि नई व्यवस्था भी चाहता है।

मणिपुर के राज्यपाल ने बिष्णुपुर में नई प्रसूति सुविधा का किया उद्घाटन

इंफाल । मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने गुरुवार को 'इमा समुदाय' की मजबूत परंपरा, हिम्मत और नैतिक नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस समुदाय ने इतिहास में समाज को आकार देने और न्याय व शांति के लिए आवाज उठाने में अहम भूमिका निभाई है। मणिपुरी भाषा मैतेइलोन में 'इमा' का मतलब 'मां' होता है।

बिष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग में ख्वैराकपाम कृष्णगोपाल मेमोरियल बिल्डिंग का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह पहल मिलकर काम करने से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की एक बड़ी सोच को दर्शाती है।

इस मौके पर इस भवन को औपचारिक रूप से निंगथौखोंग के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को समर्पित किया गया।

गोजेंद्र फाउंडेशन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बनाए गए इस भवन को मणिपुर सरकार को सौंप दिया गया है, ताकि केंद्र का विस्तार और उन्नयन किया जा सके। खासतौर पर इसमें माताओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए एक विशेष प्रसूति वार्ड बनाया गया है।

राज्यपाल भल्ला ने कहा कि यह सिर्फ एक इमारत का उद्घाटन नहीं है, बल्कि लोगों के लिए उम्मीद, सम्मान और बेहतर देखभाल को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने 'इमा समुदाय' की ताकत, धैर्य और नैतिक नेतृत्व की फिर से सराहना की और बताया कि इस समुदाय ने मणिपुरी समाज को दिशा देने और न्याय, शांति व अधिकारों के लिए हमेशा अहम भूमिका निभाई है।

राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि यह पहल अन्य संस्थाओं और लोगों को भी देश निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि यह भवन दया, एकता और साझा जिम्मेदारी का प्रतीक बनेगा।

उन्होंने गोजेंद्र फाउंडेशन की भी सराहना की, जो लगातार कमजोर वर्गों की सेवा कर रही है और इस भवन को बनाकर सरकार को सौंपा है। उन्होंने इसे जनसेवा और परोपकार के अच्छे मेल का उदाहरण बताया और कहा कि नया बना प्रसूति वार्ड बहुत महत्वपूर्ण है। इससे माताओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी, जिससे सुरक्षित मातृत्व और आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य बेहतर होगा।

जनता ने तय किया बंगाल में भाजपा की सरकार लाना अनिवार्य : स्मृति ईरानी

मालदा । पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता स्मृति ईरानी ने प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी के शासन में भ्रष्टाचार और टीएमसी, हिंसा और टीएमसी ये दोनों एक-दूसरे के पर्याय बन गए हैं।

उन्होंने दावा किया कि बंगाल की जनता ने तय कर लिया है कि टीएमसी की भ्रष्टाचार वाली सरकार से मुक्ति के लिए भाजपा की सरकार लाना जरूरी हो गया है।

मालदा में मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि इस बात पर हैरानी नहीं होनी चाहिए कि ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का अपमान और अनादर करती है। यह वही तृणमूल की सरकार है, जिसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अपमान किया था। यह वही तृणमूल सरकार है, जिसने देश के प्रधानमंत्री का भी अपमान किया था। यह वही टीएमसी सरकार है जो सांसदों पर पथराव कराती है। गुंडाराज का वातावरण बंगाल में चल रहा है, इस गुंडाराज से मुक्ति के लिए जनता वोट करेगी।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने यह संकल्प लिया है कि एक भ्रष्टाचार-मुक्त पश्चिम बंगाल के निर्माण के लिए, भय के माहौल को समाप्त करने के लिए और महिलाओं की गरिमा की रक्षा के लिए, पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार की स्थापना अब अनिवार्य हो गई है। मालदा विवाद पर भाजपा नेता तापस रॉय ने कहा कि न सिर्फ बंगाल के लोग, बल्कि पूरे देश के लोग आसानी से समझ सकते हैं कि बंगाल में क्या हुआ था और क्या हो रहा है। यह संविधान-विरोधी, लोकतंत्र-विरोधी है और चुनाव के हर नियम का उल्लंघन है। इसलिए, चुनाव आयोग को सकारात्मक कदम उठाने चाहिए। पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव करवाना चुनाव आयोग के सामने एक चुनौती है।

उन्होंने कहा कि टीएमसी ने 15 साल में जो किया है, जनता उसे भूल नहीं सकती है। उसकी वजह से टीएमसी ने अपना जनसमर्थन खो दिया है। भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष ने कहा कि यह कोई निजी लड़ाई नहीं है, यह एक राजनीतिक लड़ाई है ।

एलसीएच 'प्रचंड' के नए ऑर्डर पर काम तेज, 2027-2028 से शुरू हो सकती है डिलीवरी

नई दिल्ली । हेलिकॉप्टर निर्माण के क्षेत्र में भारत अब लगभग पूरी तरह आत्मनिर्भर हो चुका है। लाइट अटैक हेलिकॉप्टर बनाकर भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास अटैक हेलिकॉप्टर बनाने की क्षमता है। लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर 'प्रचंड' को भारतीय थलसेना और वायुसेना में शामिल किया जा चुका है।

सरकार ने सेना की जरूरतों को देखते हुए 156 'प्रचंड' हेलिकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दी थी। इसके तहत रक्षा मंत्रालय और एचएएल के बीच 62,700 करोड़ रुपए की डील पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं। अब इस पर तेजी से काम जारी है।

एचएएल के सीएमडी डॉ. डीके सुनील ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में डिलीवरी के समय का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'ऑर्डर से जुड़ी लगभग सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। 2027-28 से हम एयरक्राफ्ट की डिलीवरी शुरू करेंगे। पार्टस डेवलपमेंट, उपकरण, स्ट्रक्चरल पार्ट्स और रॉ मटेरियल के अधिकांश ऑर्डर दिए जा चुके हैं।

अब तक लिमिटेड सीरीज प्रोडक्शन के तहत 15 'प्रचंड' लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर सेना में शामिल किए जा चुके हैं। इनमें वायुसेना को 10 और थलसेना को 5 हेलिकॉप्टर मिल चुके हैं। कुल 156 हेलिकॉप्टरों में से 90 थलसेना और 66 वायुसेना को मिलेंगे।

अगर 'एलसीएच प्रचंड' की खासियतों की बात करें तो इसे खास तौर पर भारतीय भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इसमें 20 मिमी की मशीन गन लगी है। 70 मिमी के रॉकेट दो रॉकेट पॉड्स से लैस हैं, जिनसे लगातार फायरिंग की जा सकती है। यह एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल 'हेलिना' दागने में सक्षम है और एयर-टू-एयर मिसाइल भी फायर कर सकता है।

शेष पेज - 01

रुपए में 13 वर्षों में सबसे बड़ी तेजी, डॉलर के मुकाबले 93.10 के स्तर पर बंद ...

वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों के बावजूद रुपए में उछाल आया। आज एशियाई बाजारों में गिरावट देखी गई, जापान का निक्केई, हांगकांग का हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया का कोस्पी जैसे प्रमुख सूचकांक 3 प्रतिशत तक गिर गए।

इस बीच, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल आया, जिससे वैश्विक अनिश्चितता और बढ़ गई। ब्रेंट क्रूड वायदा 5.24 प्रतिशत बढ़कर 106.47 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई वायदा 4.5 प्रतिशत बढ़कर 104.64 डॉलर हो गया।

महावीर जयंती और नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत की छुट्टियों के कारण इस सप्ताह की शुरुआत में मुद्रा बाजार बंद रहे थे और यह गुड फ्राइडे के कारण शुक्रवार को भी बंद रहेंगे।

होर्मुज को लेकर ब्रिटेन ने बुलाई 35 देशों की बैठक...

कुवैत, बहरीन, कतर, यूएई, सऊदी, ओमान और इराक के व्यापार मार्गों पर ही नहीं एशिया के लिए लिक्विड नेचुरल गैस, अफ्रीका के लिए खाद और पूरी दुनिया के लिए जेट फ्यूल की आपूर्ति पर असर पड़ा है।

ईरान का ये रवैया उन देशों के प्रति है जो इस संघर्ष में कभी शामिल नहीं थे—जिसकी हमने और दुनिया भर के 130 अन्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र में कड़ी निंदा की है।

यह स्थिति न केवल क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा रही है, बल्कि दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी बड़ा खतरा बनती जा रही है, खासकर ऐसे समय में जब ऊर्जा संकट पहले से गहराता जा रहा है।

जग्गी हत्याकांड- अमित जोगी दोषी करार...

जब सीबीआई की जांच शुरू हुई, तब सरकार के प्रभाव में सारे सबूतों को मिटा दिया गया था। ऐसे केस में सबूत अहम नहीं हैं, बल्कि षड्यंत्र का पर्दाफाश जरूरी है। लिहाजा इस केस के आरोपियों को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त नहीं किया जा सकता।

कारोबारी बैकग्राउंड वाले रामावतार जग्गी देश के बड़े नेताओं में शुमार पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के बेहद करीबी थे, जब शुक्ल कांग्रेस छोड़कर एनसीपी में शामिल हुए तो जग्गी भी उनके साथ-साथ गए। विद्याचरण ने जग्गी को छत्तीसगढ़ में एनसीपी का कोषाध्यक्ष बना दिया था।

हत्याकांड में 28 लोग पाए गए दोषी

जग्गी हत्याकांड में अभय गोयल, याहया ढेबर, वीके पांडे, फिरोज सिद्दीकी, राकेश चंद्र त्रिवेदी, अवनीश सिंह लल्लन, सूर्यकांत तिवारी, अमरीक सिंह गिल, चिमन सिंह, सुनील गुप्ता, राजू भदौरिया, अनिल पचौरी, रविंद्र सिंह, रवि सिंह, लल्ला भदौरिया, धर्मेंद्र, सत्येंद्र सिंह, शिवेंद्र सिंह परिहार, विनोद सिंह राठौर, संजय सिंह कुशवाहा, राकेश कुमार शर्मा, (मृत) विक्रम शर्मा, जबवंत, विश्वनाथ राजभर दोषी पाए गए थे।

इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा पाने वालों में 2 तत्कालीन CSP और एक तत्कालीन थाना प्रभारी के अलावा रायपुर मेयर एजाज ढेबर के भाई याहया ढेबर और शूटर चिमन सिंह शामिल हैं।

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया...

2022 में राज्यसभा सांसद बने थे। राजनीति में आने से पहले वह कामयाब बिजनेसमैन रहे हैं। उनका परिवार 'लवली ग्रुप' का मालिक है, जो ऑटोमोबाइल और मिठाई (लवली स्वीट्स) के व्यवसाय से जुड़ा है।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर अशोक मित्तल पंजाब से AAP के राज्यसभा सांसद हैं।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर अशोक मित्तल पंजाब से AAP के राज्यसभा सांसद हैं।

संसद के पिछले दो सत्रों में राघव ने आम लोगों से जुड़े मुद्दे उठाए

शीतकालीन सत्र 2025

गिग वर्कर्स का मुद्दा: ब्लिंकिट, जोमैटो और स्विगी जैसे डिलीवरी पार्टनर्स के कम वेतन, 10-मिनट डिलीवरी मॉडल और सामाजिक सुरक्षा की कमी।

डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स: कॉपीराइट एक्ट 1957 में संशोधन की मांग की, ताकि शिक्षकों और इन्फ्लुएंसर्स को एल्गोरिदम और गलत 'टेकडाउन' से बचाया जा सके।

स्वास्थ्य क्षेत्र: 'एक देश, एक स्वास्थ्य उपचार' की वकालत की और सरकारी अस्पतालों की बदहाली पर चिंता जताई।

बजट सत्र 2026

खाद्य मिलावट: राज्यसभा में यूरिया और अन्य मिलावटों का मुद्दा उठाया।

एयरपोर्ट पर सस्ता खाना: यात्रियों को सस्ता खाना मिले, इसके लिए सभी 150+ एयरपोर्ट्स के डिपार्चर एरिया में किफायती कैफे की मांग की।

28-दिन का रीचार्ज: मोबाइल रीचार्ज 28 दिन के बजाय पूरे कैलेंडर महीने (30 ये 31) का हो, बचा हुआ डेटा अगले महीने जुड़ जाए। बैंक पेनल्टी: मिनिमम बैलेंस न रखने पर लगने वाले जुर्माने को पूरी तरह खत्म करने का प्रस्ताव दिया। संयुक्त इनकम टैक्स फाइलिंग: विवाहित जोड़ों के लिए एक साथ इनकम टैक्स फाइलिंग का विकल्प दिया जाए।

पितृत्व अवकाश: भारत में पितृत्व अवकाश को एक कानूनी अधिकार बनाया जाना चाहिए।

'अन्य प्रांतो में प्रवासित परिवारों के लिए पुर्नवास के लिए बनेगी कार्ययोजना'

अपर मुख्य सचिव गृह की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय अंतर्विभागीय समिति की हुई बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग के ऐसे विस्थापित परिवार जो किन्ही कारणों बस्तर संभाग के सीमावर्ती तेलंगाना एवं आन्ध्रप्रदेश में प्रवासित है, ऐसे परिवारों के पुनर्वास की कार्ययोजना बनायी जा रही है। मंत्रालय महानदी भवन में आज अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ की अध्यक्षता में पुनर्वास हेतु गठित राज्य स्तरीय अंतर्विभागीय समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ से विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के संबंध में कार्ययोजना तैयार करने विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में बताया गया कि जिला दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर के लोग तेलंगाना एवं आन्ध्रप्रदेश राज्य में प्रवासित हो गए है। इसके लिए प्रवासित परिवारों की ओर से राष्ट्रीय जनजातीय आयोग में याचिका दायर किया गया है।

इसके तहत माननीय आयोग द्वारा एक माह के भीतर सर्वे कर प्रवासित परिवारों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके परिपालन में बस्तर संभाग के संभागायुक्त द्वारा एक समयबद्ध कार्यक्रम के तहत कलेक्टर दंतेवाड़ा, सुकमा एवं जिला बीजापुर को प्रवासित परिवारों के सर्वे किया जाकर 15 दिन के भीतर प्रतिवेदन प्रेषित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सर्वे अनुसार जिला दंतेवाड़ा से तेलंगाना प्रदेश के 60 ग्राम में 618 परिवार के 2654 व्यक्ति एवं जिला सुकमा से तेलंगाना प्रदेश के 293 ग्राम में 2733 परिवार के 12026 व्यक्ति तथा जिला बीजापुर से तेलंगाना प्रदेश के 114 ग्राम में 994 परिवार के 5029 व्यक्ति प्रवासित है। इस तरह छत्तीसगढ़ राज्य के उक्त तीनो जिला से तेलंगाना राज्य के 467 ग्राम में 4345 परिवार के 19709 व्यक्ति प्रवासित है।

इसी तरह जिला दंतेवाड़ा से आंध्रप्रदेश के 25 ग्राम में 125 परिवार के 568 व्यक्ति एवं जिला सुकमा से आंध्रप्रदेश के 155 ग्राम में 2462 परिवार के 10787 व्यक्ति तथा जिला बीजापुर से आंध्रप्रदेश के 04 ग्राम में 07 परिवार के 34 व्यक्ति प्रवासित है। इस तरह से छत्तीसगढ़ राज्य के उक्त तीनो जिला से आंध्रप्रदेश राज्य के 184 ग्राम में 2594 परिवार के 11389 व्यक्ति प्रवासित है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य के जिला दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर के 667 ग्राम से तेलंगाना एवं आंध्रप्रदेश राज्य के 651 ग्राम में 6939 परिवार के 31098 व्यक्ति प्रवासित है। बैठक में अपर मुख्य सचिव पिंगुआ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बस्तर संभाग डोमन सिंह एवं पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज से चर्चा कर अन्य प्रांतों में प्रवासित परिवारों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एक बार और सीमावर्ती राज्यों के अधिकारियों से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर लें।

हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाई गई हनुमान जंयती

रायपुर। राजधानी सहित प्रदेश और देश में हनुमान जयंती का पर्व धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में हनुमान भक्त दर्शन करने के लिए मंदिर पहुंचे और भोग प्रसाद प्राप्त किया वही कई स्थानों पर भोग भंडारा का भी आयोजन हुआ जिसमें बड़े संख्या में भक्ति लीन होकर प्रसाद प्राप्त करने के लिए लाइन में खड़ी दिखाई पड़े।

महंगाई पर चर्चा करने आए कांग्रेस नेता आपस में भिड़े

महासमुन्द। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में गुटबाजी की आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला महासमुंद का है, जहां गुरुवार को जिला कांग्रेस कार्यालय किसी जंग के मैदान में तब्दील हो गया। दरअसल, पार्टी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेसी आपस में ही भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ा कि दफ्तर के अंदर जमकर लात-घूंसे चले, कुर्सियां फेंकी गईं और कांच के बर्तन तक तोड़ दिए गए। मिली जानकारी के अनुसार, जिला अध्यक्ष ने महंगाई के मुद्दे पर एक प्रेसवार्ता बुलाई थी। गौर करने वाली बात यह है कि इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की उपस्थिति बहुत कम थी। बस इसी बात को लेकर नेताओं में बहस शुरू हो गई।

फर्जी सीबीआई अफसर बनकर सेवानिवृत शिक्षक से 23 लाख की ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में रिटायर्ड शिक्षक से 23 लाख रुपए की ठगी की गई है।

ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताया और मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने, डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 6 किश्तों में पैसे ट्रांसफर करवा लिए। 6 दिनों बाद पीड़ित के बेटे ने मामले की शिकायत पुलिस में की।

इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ठगों के बैंक खाते में जमा 17 लाख रुपए से अधिक की राशि होल्ड कराई है। इस मामले में पुलिस ने कर्नाटक के बेंगलुरू से बुधवार को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मास्टरमाइंड फरार चल रहा है।

पूछताछ में पता चला कि ठगी का नेटवर्क कर्नाटक सहित दुबई से भी संचालित हो रहा था। गिरोह डिजिटल अरेस्ट, आधार/सिम लिंकिंग, क्रिप्टो निवेश और फर्जी लोन ऐप्स के जरिए ठगी करता था। मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, ग्राम जतरी के रहने वाले गरूण सिंह पटेल (72) रिटायर्ड शिक्षक हैं। 10 अक्टूबर 2025 को उन्हें तीन अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल आया। कॉल करने वालों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर कहा कि मुंबई में उनके नाम से खाता खोल गया है और उनकी जांच की जाएगी।

ठगों ने रिटायर्ड शिक्षक से जांच में सहयोग करने की कही। साथ ही यह भी कहा कि इन सभी बातों को गोपनीय रखना है नहीं तो अरेस्ट कर मुंबई ले आएंगे।

शराब घोटाला : 59 आरोपी कोर्ट में हुए पेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में गुरूवार ईडी की स्पेशल कोर्ट में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल पेश हुए। इनके साथ 59 नए आरोपियों की भी पेशी थी। इसमें 28 आबकारी अधिकारी भी शामिल हैं। कोर्ट में सभी के बयान दर्ज किए गए।

इस मामले में अब कुल 82 आरोपी बनाए गए हैं। एडवोकेट फैजल रिजवी ने बताया कि कोर्ट के सामने पहले से ही अभियोग पत्र पेश है। ईडी ने फाइनल अभियोग पत्र दाखिल किया है, जिसमें पहले 23 आरोपी थे, अब बढ़ाकर 82 कर दिए गए हैं।

जांच के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया था और बिना गिरफ्तारी के ही चार्जशीट पेश की गई है। अधिकतर आरोपियों ने धारा 88 के तहत आवेदन भी लगाया है।

3 दिन पहले ईओडब्लू ने कार्रवाई करते हुए दो शराब निर्माता कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। उनके ट्रक जब्त किए थे। इसके अलावा, शराब घोटाला केस में कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में कार्यरत अकाउंटेंट समेत 4 लोगों को पूछताछ के लिए ईओडब्लू दफ्तर तलब किया गया था। उनसे कई घंटे तक पूछताछ की गई थी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष गिरफ्त से बाहर

शराब घोटाला मामले में जांच कर रही ईओडब्लू- ईडी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की तलाश कर रही है। वे पिछले कई सालों से फरार बताए जा रहे हैं। दोनों ही एजेंसी उनकी भूमिका को लेकर भी गंभीरता से जांच कर रही है और उनसे जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

शराब घोटाला मामले में श्वष्ठ जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में 3200 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। इस घोटाले में राजनेता, आबकारी विभाग के अधिकारी, कारोबारी सहित कई लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

2019 में डिस्टलरी संचालकों से प्रति पेटी 75 रुपए और बाद के सालों में 100 रुपए कमीशन लिया जाता था।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह का भांडा फुटा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना सिंघोड़ा पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए 1432 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ और परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन और अन्य सामान सहित कुल 2 करोड़ 25 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस ने इस मामले में हरियाणा के करनाल जिले के दो आरोपियों—हरविंदर सिंह और सत्यवान वाल्मीकि—को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में बड़ी मात्रा में अफीम पोस्त डोडा ओडिशा की ओर से छत्तीसगढ़ लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर एनएच-53 पर रेहटीखोल के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 18(ख) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कुश्ती सीखने के लिए स्विमिंग पूल में जॉब करने वाली देबी डायमारी की मेहनत लाई रंग, जीता रजत

रायपुर। जब हालात मुश्किल होते हैं, तो मजबूत लोग आगे बढ़ते हैं- यह एक मशहूर कहावत है जो खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की ललक को बयां करती है। असम की महिला पहलवान देबी डायमारी की कहानी बाधाओं को पार करने की इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। आखिरकार देबी को उन सभी प्रयासों का फल तब मिला, जब उन्होंने यहां 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में महिलाओं की 62 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।

असम के गोलाघाट जिले के सिसुपानी स्थित दिनेशपुर गांव की रहने वाली 28 वर्षीय देबी ने सात साल की उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। इसके बाद उन्हें अपने चाचा-चाची के साथ रहना पड़ा और आर्थिक तंगी के चलते अपनी ट्रेनिंग जारी रखने के लिए उन्हें छोटे-मोटे काम भी करने पड़े। बोडो ट्राइब से आने वाली देबी कहती हैं, ''इस पदक के पीछे मेरी कड़ी मेहनत है। मैंने चार साल पहले ही 2022 में गोलाघाट जिले के बोकाखात में काजीरंगा के बगल में खेलो इंडिया सेंटर में कुश्ती शुरू की थी। इसमें प्रैक्टिस करने के लिए मुझे सेंटर के आसपास रूम लेकर रहना पड़ा। रूम का 1000 रुपया किराया देने के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे, इसलिए मुझे एक साल तक पार्ट टाइम जॉब भी करना पड़ा।

वह आगे कहती हैं, ''पहले तो मुझे 2022 में 2500 रुपये मासिक वेतन पर ईजी बाजार (बोकाखात) स्टोर में काम करना पड़ा और फिर 2023 में काजीरंगा में स्थित बोन विला रिसॉर्ट में करीब 7000 रुपये के मासिक वेतन पर जॉब करना पड़ा। वहां पर मैं स्वीमिंग पूल की देखभाल और सफाई करती थीं।'' उन्होंने आगे कहा, ''सारा दिन काम करने के बाद शाम को सिर्फ दो घंटे के लिए मैं कुश्ती की प्रैक्टिस कर पाती थी।

मैंने जितना भी किया, उसके बदले मुझे ये रजत मिला। लेकिन मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं और मैं अब और कड़ी मेहनत करके आगे गोल्ड जीतना चाहती हूं। कुश्ती में मैट पर उतरने से पहले देबी पॉवरलिफ्टिंग और आर्म रेसलिंग करती थीं।

छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटे भारी बारिश की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चिलचिलाती गर्मी के बीच मौसम ने अचानक ऐसी करवट ली है कि लोग सहम गए हैं। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में आसमान में काली घटाएं छा गई हैं। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट: रहें बेहद सावधान

मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रदेश के कुछ हिस्सों में कुदरत का कहर देखने को मिल सकता है। दरअसल, सूरजपुर, कोरिया, पेंड्रा, कोरबा और मुंगेली जैसे जिलों में हालात बिगड़ सकते हैं। बिलासपुर, बालोद, राजनांदगांव और बेमेतरा में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। इन इलाकों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। इन जिलों में हवा की रफ्तार काफी तेज रह सकती है, जिससे जनजीवन प्रभावित होने का डर है।

रायपुर और दुर्ग संभाग में येलो अलर्ट

राजधानी रायपुर समेत आसपास के इलाकों में भी मौसम का मिजाज बदला रहेगा। चांपा, बलौदा बाजार, दुर्ग और धमतरी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।बता दें कि इन इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चलने के आसार हैं। रायपुर के घड़ी चौक और जयस्तंभ चौक जैसे व्यस्त इलाकों में धूल भरी आंधी की वजह से विजिबिलिटी कम हो सकती है, इसलिए वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

किसानों और आम जनता के लिए बड़ी हिदायत

मौसम विभाग के अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस दौरान लापरवाही भारी पड़ सकती है। खास तौर पर ग्रामीण इलाकों के किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी कटी हुई फसल और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं।

खराब मौसम के दौरान घर से बाहर निकलने की गलती न करें।

अगर आप बाहर हैं, तो किसी भी हाल में पेड़ों या बिजली के खंभों के नीचे शरण न लें।

बिजली कड़कते समय मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामानों का उपयोग करने से बचें।

कमजोर छप्पर या अस्थाई ढांचों से दूर रहें, आंधी में इनके गिरने का खतरा है।

अवैध संबंध का शक, महिला को तलवार से काटा

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में बुजुर्ग महिला की तलवार से आंख निकालकर हत्या कर दी गई। अवैध संबंध के शक में हुए इस खूनी संघर्ष में परिवार के 7 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। आरोप है कि वारदात से पहले पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत तक नहीं सुनी। जिसके बाद दूसरे दिन पुलिस की इस लापरवाही से महिला की जान चली गई और सात लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, ग्राम पेंडरवा में अवैध संबंध की आशंका को लेकर 2 पक्षों में विवाद चल रहा था। आरोपी को शक था कि उसकी पत्नी का शेख सलीम नाम के युवक से अफेयर है। बुधवार की शाम सुरेश श्रीवास और उसके दो नाबालिग बेटे शेख सलीम को मारने पहुंचे थे, लेकिन वह घर पर नहीं था।

इस दौरान तीनों घर में घुस गए और परिवार की बुजुर्ग महिला सहित अन्य सदस्यों पर चाकू-तलवार से हमला कर दिया। पीड़ितों ने बताया कि जो सामने आया उन्हें मारा। घायल छात्रा ने बताया कि दादी का गला रेत कर आंख निकाल लिए। भाई का चेहरा कट गया है। चाची पर भी हमला किया गया। शेख सलीम ऑटो चालक है। बताया जा रहा है कि स्वसहायता समूह की महिलाओं को ऑटो में लाना-ले-जाना करता था। इस दौरान सुरेश श्रीवास की पत्नी से उसका कथित अवैध संबंध बन गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पिछले लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों परिवारों के बीच पहले भी कई बार कहासुनी और झगड़े हो चुके थे।

पहले चाकू लेकर दौड़ाया, पुलिस ने नहीं सुनी बात

घायलों के परिजन ने बताया कि अवैध संबंध का मामला सामने आने पर शेख सलीम के परिजन समझौता करना चाह रहे थे। लिहाजा, परिजन मंगलवार को सुरेश श्रीवास और परिवार के सदस्यों से मिलने गए थे। इस दौरान महिलाओं ने जब बातचीत करने की कोशिश की, तब सुरेश के बेटे ने चाकू निकाल लिया।

ईडी में फेरबदल, 84 अफसरों के तबादले, रायपुर जोनल ऑफिस में बदलाव

रायपुर। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। मुख्यालय से जारी ताजा आदेश के मुताबिक, देशभर के 84 उप निदेशक और सहायक निदेशक स्तर के अधिकारियों के तबादले कर दिए गए हैं। रायपुर जोनल ऑफिस का नाम भी प्रमुखता से शामिल है, जो पिछले कुछ सालों से हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच का केंद्र बना हुआ है।

रायपुर से अहमदाबाद का सफर

दरअसल, रायपुर जोनल ऑफिस में लंबे समय से तैनात सहायक निदेशक टीएल मीणा का तबादला कर दिया गया है। उन्हें अब अहमदाबाद जोनल ऑफिस की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गुवाहाटी से रायपुर आ रहे दिव्येंदु मान

गौरतलब है कि टीएल मीणा की जगह अब दिव्येंदु मान रायपुर जोनल ऑफिस में मोर्चा संभालेंगे। दिव्येंदु मान फिलहाल गुवाहाटी जोनल ऑफिस में पदस्थ थे। जांच के जानकारों का मानना है कि रायपुर में चल रहे संवेदनशील मामलों (जैसे महादेव सट्टा ऐप और राइस मिल घोटाले) की गंभीरता को देखते हुए दिव्येंदु मान की नियुक्ति रणनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ पर ईडी की पैनी नजर

बता दें कि रायपुर जोनल ऑफिस पिछले 2-3 सालों से लगातार सुर्खियों में है। कई आईएएस अधिकारियों और बड़े कारोबारियों के खिलाफ चल रही जांच के बीच नए अधिकारियों की पदस्थापना से जांच और कार्रवाई में तेजी आने की उम्मीद है।

यदि संकल्प सिद्ध हैं तो सफलता को तुम्हारा चरण वंदन करना ही होगाः आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री

असफलता-सफलता-नियति

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री सीकरीतीर्थ

तुम भीड़ को प्रसन्न कर सकते हो?....नहीं कर सकोगे...लेकिन तुम लगे हो भीड़ को खुश करने में....आज इस संगठन में ठकुरसुहाती करते हो तो कल उस संगठन में....फिर खुद भी अपना सामाजिक दायरा बढ़ाने के लिए भीड़ का भाग हुए जाते हो....गांव से कस्बा, कस्बे से शहर, शहर से महानगर, महानगरों से राजधानियों की परिक्रमा करते करते एक दिन तुम्हें बुझ जाना है...क्योंकि तुम नियति पर निर्भर हो.....तुम्हारी नियति निर्धारित करती है, तुम्हारी आदतों पर, जोकि स्वभाव में बदल जाती है...और स्वभाव निर्भर करता है कि तुम्हारा व्यवहार क्या होगा...तुम कितने ही मीठे हो जाना, लोगों के मनों में कड़वाहट बनी रहेगी, क्योंकि वह उनका स्वभाव है। लेकिन वे तुमसे कड़वाहट नहीं दिखाएंगे...वे अवसर तलाशेंगे तुम्हें ठीक से ठिकाने लगाने का....और तुम निश्चय ही निपट जाओगे....क्योंकि सभी संबंधों का जाल आपस में जुदा है...वह कहीं से सकारात्मक ऊर्जा पाता है तो कहीं से नकारात्मक ऊर्जा पाता है....लेकिन इन दोनों का समन्वय तुम्हें नहीं आता है तो निपटना स्वाभाविक होता है....और समन्वय तुम जान गए तो तुमसे ऊपर बैठा हुआ आदमी तुम्हें खतरे के रूप में देखने लगेगा....तब ऊपर के खेमे में कुछ दिन तुम्हारे चर्चे होंगे और तुम निपट जाओगे....।

अनेक बार व्यक्ति धन की सीमाओं के कारण निपट जाता है और बहुधा ऊपरी स्तर की काँटछांट में निपट जाता है....लेकिन बहुतायत में आदमी का बड़बोलापन उसे खुड्डेलाइन लगाता है। ...और अपनी बघारे बिना कोई रह नहीं पाता है...लाखों की भीड़ में कोई होता है, जो इन सबसे बच जाता है....तब किसी स्तर पर पहुंचता है...लेकिन भीड़ में रहकर अकेला चलना इतना आसान कहां...भीड़ ही भाड़ में झोंक देती है और सब जला देती है....इसलिए भीड़ को खुश करने की परंपरा व्यर्थ ही है....जिस दिन तुम भीड़ के स्तर से उठ जाते हो, जीवन तभी शुरू हो पाता है....यह कोई सामान्य घटना नहीं होती है...इसलिए सबके साथ घटित भी नहीं होती है....हां! हर स्तर पर परीक्षाएं होंगी...असफलता भी इंटरव्यू करेगी....लेकिन असफलता की परीक्षा के अल तुम्हारे धैर्य की ही परीक्षा है कि तुम सफलता के प्रति कितने संवेदनशील हो....कितने गंभीर हो....कितने योग्य हो.....! और एक दिन तुम सफलता की ओर बढ़ जाते हो, उसे पा जाते हो....क्योंकि तुमने हर हाल में सफल होने का संकल्प लिया होता है....यदि तुम्हारे संकल्प सिद्ध हैं तो सफलता को तुम्हारा चरण वंदन करना ही होगा। वास्तव में सफलता ही जीवन की सुचालक है....और असफलता उसका ईंधन।

व्लादिमीर याकुशेव की अगुवाई में रूसी प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

नई दिल्ली । भारत-रूस के मध्य रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में गुरुवार को अहम बैठक हुई। ओम बिरला ने संसद भवन में रूस की संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ व्यापक चर्चा की, जिसमें व्यापार, तकनीक, सांस्कृतिक संबंध और संसदीय सहयोग जैसे अहम मुद्दे शामिल रहे।

इस बैठक में रूस की ओर से व्लादिमीर याकुशेव मौजूद रहे, जो 2 से 4 अप्रैल तक भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं। दोनों नेताओं ने भारत-रूस के 'गहरे और समय की कसौटी पर खरे उतरे' संबंधों को और आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान ओम बिरला ने कहा कि भारत और रूस के रिश्ते भरोसे और आपसी सम्मान पर आधारित हैं, और संसदीय सहयोग इन संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने लोगों के बीच संपर्क (पीपुल-टू-पीपुल कनेक्ट) बढ़ाने और संसदीय संवाद को और मजबूत करने की जरूरत पर भी बल दिया।

इस दौरान विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) पेरियासामी कुमारन और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक के बाद बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि दोनों पक्षों के बीच कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है।

रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर याकुशेव अपने दौरे के दौरान एस. जयशंकर और अन्य भारतीय सांसदों से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान व्यापार, आर्थिक सहयोग, संसदीय संबंध और सांस्कृतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।

इसी बीच, रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव भी गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। उनके दौरे में रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर उच्चस्तरीय बातचीत होने की संभावना है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह दौरा भारत-रूस संबंधों को नई दिशा देने और खासकर रक्षा व सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा। साथ ही, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और उसके वैश्विक प्रभाव भी इन बैठकों में प्रमुख रूप से चर्चा का विषय बन सकते हैं।

मणिपुर : जिरीबाम जिला पुलिस में साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जिरीबाम । बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए जिरीबाम जिला पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गुरुवार को जिरी कॉलेज के बहुउद्देशीय हॉल में एक दिवसीय साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन जिरीबाम कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और एनएसएस इकाई के सहयोग से जिरीबाम जिला पुलिस द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिरीबाम जिला के पुलिस अधीक्षक प्रखर पांडे ने शिरकत की। जिरीबाम कॉलेज की प्राचार्या राजकुमारी सनाचाओबी देवी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथियों में जिरी कॉलेज के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. थ. सोमोरेन्द्र सिंह और राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार मंगंग शामिल रहे। जिरीबाम पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी जितेन्द्र प्रसाद कीर ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में जितेन्द्र प्रसाद कीर ने वर्तमान समय में आम नागरिकों को प्रभावित करने वाले प्रमुख साइबर अपराधों के तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऑनलाइन फिशिंग, फर्जी बैंक लिंक, लॉटरी घोटाले, सोशल मीडिया पर होने वाली ठगी और व्यक्तिगत जानकारी चोरी जैसे मामलों का जिक्र किया।

साथ ही उन्होंने छात्रों और उपस्थित जनता को इन खतरों से बचने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए। कीर ने जोर देकर कहा कि सतर्कता और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग ही साइबर धोखाधड़ी से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने दो-स्टेप वेरिफिकेशन, अनजान लिंक्स पर क्लिक न करने, पासवर्ड की मजबूती और संदिग्ध कॉल्स की रिपोर्टिंग जैसे टिप्स साझा किए। पुलिस अधीक्षक प्रखर पांडे ने कहा कि देशभर में साइबर अपराध के मामले लगातार बढ़ रहे हैं ।

ईरान के 100 साल पुराने मेडिकल रिसर्च सेंटर पर हमला, इमारत तबाह

तेहरान। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर दावा किया कि राजधानी स्थित 100 साल पुराने मेडिकल रिसर्च सेंटर पर हमला कर उसे तबाह कर दिया गया है। ये तस्वीरें 'पाश्चर इंस्टीट्यूट ऑफ ईरान' की बताई गईं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमनपोर ने एक्स पोस्ट में अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से इस 'आक्रामकता' की ओर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने इसे वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था पर सीधा हमला करार दिया। उन्होंने लिखा, 'वैश्विक स्वास्थ्य का एक सदी पुराना स्तंभ और इंटरनेशनल पाश्चर नेटवर्क के सदस्य ईरानी पाश्चर इंस्टीट्यूट के खिलाफ की गई आक्रामकता, वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था पर सीधा हमला है। यह जिनेवा कन्वेंशन और आईएचएल के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून (आईएचएल) को टैग करते हुए कहा, 'हम डब्ल्यूएचओ, आईसीआरसी और वैश्विक स्वास्थ्य संस्थाओं से अपील करते हैं कि वे इस हमले की निंदा करें, नुकसान का आकलन करें और पुनर्निर्माण में सहायता करें।

संस्थान 1920 में स्थापित हुआ था और देश के मेडिकल रिसर्च और दवा विकास में इसकी अहम भूमिका रही है। तस्वीरों में इमारत के कुछ हिस्से पूरी तरह से तबाह दिखे, जबकि कुछ मलबे में बदले हुए देखे जा सकते हैं।

28 फरवरी को यूएस-इजरायल की संयुक्त कार्रवाई से शुरू हुए संघर्ष में ईरान को काफी नुकसान हुआ है। बड़ी तादाद में लोगों की जान गई है तो सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई समेत कई बड़े नेता और शीर्ष अधिकारी हमले का शिकार हो गए हैं। ईरान भी जवाबी कार्रवाई में गल्फ देशों में स्थित अमेरिकी प्रतिष्ठानों और सैन्य बेस को निशाना बना रहा है।

संघर्ष के 34वें दिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश के नाम संबोधन में दावा किया कि वाशिंगटन ने 'ईरानी सेना को तबाह कर दिया है' वह अपने युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने के करीब है। इसके बाद से ही ईरान ने इजरायल पर मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए हैं। वहीं, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि उनके देश का अमेरिका, यूरोप या पड़ोसी देशों के लोगों के प्रति कोई बैर-भाव नहीं है।

भवानीपुर में भाजपा की जीत से पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन तय : अमित शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट पर अगर भाजपा जीतती है, तो इससे पूरे राज्य में सत्ता परिवर्तन का रास्ता साफ हो जाएगा।

भवानीपुर सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के बीच सीधा मुकाबला है। अमित शाह ने सुवेंदु अधिकारी के नामांकन से पहले आयोजित रोड शो में कहा, 'भाजपा एक-एक सीट जीतते हुए 170 सीटों के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। लेकिन इसका एक शॉर्टकट है, अगर भवानीपुर के मतदाता यहां जीत सुनिश्चित कर दें, तो पूरे बंगाल में सत्ता बदल जाएगी।

अमित शाह ने याद दिलाया कि 2021 के चुनाव में नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हराया था, हालांकि बाद में उन्होंने सरकार बना ली थी। उन्होंने कहा, 'इस बार मैंने सुवेंदु अधिकारी से कहा है कि वे नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से चुनाव लड़ें। मुझे पूरा भरोसा है कि इस बार तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री दोनों को हार का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि चुनाव खत्म होने तक वह 16 दिनों तक अलग-अलग चरणों में पश्चिम बंगाल में रहेंगे और जनता से लगातार संवाद करेंगे।

सुवेंदु अधिकारी के नामांकन के दौरान माहौल उस वक्त तनावपूर्ण हो गया, जब अमित शाह और सुवेंदु अधिकारी का काफिला अलीपुर सर्वे बिल्डिंग की ओर बढ़ रहा था, तभी हरिश चटर्जी स्ट्रीट के पास तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के इकट्ठा होने की खबर सामने आई।

अमरावती लोगों के विश्वास, त्याग और बेहतर भविष्य के सपने की कहानी हैः राममोहन नायडू

नई दिल्ली। अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के तौर पर विकसित किया जा रहा है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि यह सिर्फ एक राजधानी बनाने की कहानी नहीं है, बल्कि यह लोगों के विश्वास, त्याग और एक बेहतर भविष्य के सपने की कहानी है। इस संबंध में गुरुवार को राज्यसभा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2026 पेश किया गया। केंद्रीय मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू इस विधेयक पर आयोजित चर्चा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण पर बोलने का अवसर देने के लिए वह आभारी हैं।

किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा, 'यह सिर्फ मेरे लिए या आंध्र प्रदेश के 5 करोड़ लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि देश और विदेश में रहने वाले पूरे तेलुगु समाज के लिए गर्व और भावनाओं से भरा हुआ दिन है। मेरे लिए यह एक बहुत ही भावुक पल है। यह विषय केवल एक राज्य की राजधानी तय करने का नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के लोकतंत्र, नेतृत्व और राजनीतिक व्यवस्था पर लोगों के विश्वास और गर्व को भी दर्शाता है। इसका प्रभाव बहुत गहरा है। उन्होंने कहा, 'अगर हम इतिहास देखें तो आंध्र प्रदेश देश के सबसे समृद्ध और प्रगतिशील राज्यों में से एक रहा है, लेकिन जब 2024 में राज्य का विभाजन हुआ तो पहली बार ऐसा हुआ कि एक नया राज्य तो बना, लेकिन उसके पास अपनी राजधानी नहीं थी। यही से समस्याएं शुरू हुईं। हम विभाजन के खिलाफ नहीं थे, लेकिन जिस तरीके से यह हुआ, वह गलत था। पहले भी देश में नए राज्य बने हैं, लेकिन तब ऐसी कोई परेशानी नहीं हुई। आंध्र प्रदेश को 16,000 करोड़ रुपए के राजस्व घाटे के साथ बिना राजधानी के छोड़ दिया गया। उस समय पूरे राज्य के लोगों को भविष्य को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसे समय में सभी लोगों की उम्मीद एक नेता पर टिकी थी, वह थे, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू। उन्होंने लोगों में विश्वास और एक नई सोच पैदा की। उनका मानना था कि हर संकट एक अवसर लेकर आता है। उन्होंने कहा कि मैं खुद बहुत कम उम्र में राजनीति में आया और पिछले 10 वर्षों से संसद में हूं। इस दौरान मैंने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की हर बात को समझा और हर मंच पर उसे उठाया। इसलिए आज यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि आंध्र प्रदेश के लोगों, खासकर अमरावती के किसानों और महिलाओं के प्रयासों को मान्यता मिल रही है।

कर्नाटक में अपराध नियंत्रण को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पुलिस को कड़े कदम उठाने का दिया निर्देश

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को कहा कि राज्य में विभिन्न अपराधों पर कड़े नियंत्रण के चलते कर्नाटक दोषसिद्धि दर के मामले में आगे है। हालांकि, कुछ श्रेणियों में अपराध दर अभी भी राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने और कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया।

बेंगलुरु के कोरमंगला स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित 'पुलिस ध्वज दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों को 'मुख्यमंत्री

पदक' प्रदान किया और विभाग के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में कोई अपराध या अवैध गतिविधि संबंधित थाना अधिकारी की जानकारी के बिना नहीं हो सकती, इसलिए जवाबदेही आवश्यक है।

सिद्धारमैया ने राज्य में अपराध नियंत्रण के प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि दोषसिद्धि दर अच्छी स्थिति में होने के बावजूद जिन अपराधों की दर उच्च है, उनको कम करने के लिए और प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने साइबर अपराधों और अन्य उभरते खतरों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का भी आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी 24 घंटे की सेवा समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने दोहराया कि महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पुलिस से संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

सिद्धारमैया ने कानून-व्यवस्था और राज्य के आर्थिक विकास के बीच संबंध पर भी जोर देते हुए कहा कि एक कुशल और जिम्मेदार पुलिस व्यवस्था समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

मेरा काम हर खिलाड़ी की जरूरत को समझना और उन्हें मैच के लिए तैयार करना: दिनेश कार्तिक

बेंगलुरु । भारत के पूर्व विकेटकीपर दिनेश कार्तिक आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में बैटिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनका मुख्य काम हर खिलाड़ी की जरूरत को समझना और उन्हें मैच की अलग-अलग परिस्थितियों के लिए तैयार करना है। दिनेश कार्तिक की कोचिंग का असर टीम के प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। आईपीएल 2026 के पहले ही मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 202 रनों के लक्ष्य को आसानी से सिर्फ 15.4 ओवर में हासिल कर लिया था। एम. चिन्नास्वामी के मैदान पर मिली धमाकेदार जीत टीम की मजबूत तैयारी और दबाव में बेहतर खेलने की क्षमता को दर्शाती है।

कार्तिक ने बताया कि टीम में अलग-अलग तरह के खिलाड़ी हैं, जिनकी भूमिकाएं और चुनौतियां भी अलग होती हैं। कार्तिक ने उदाहरण देते हुए कहा कि फिल साल्ट को नई गेंद की स्विंग का सामना करना पड़ता है, जबकि रोमारियो शेफर्ड के लिए मैच के उस स्तर पर स्विंग शायद ही कभी उतना कोई मुद्दा होती है। कार्तिक ने कहा कि इसी कारण कोच के रूप में उनका काम हर खिलाड़ी को परिस्थितियों के अनुसार तैयार करना है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा कि कोचिंग सिर्फ तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि खिलाड़ी को समझना भी उतना ही जरूरी है। कार्तिक के मुताबिक, खिलाड़ी पहले से ही बहुत अनुभवी होते हैं, इसलिए उन्हें ज्यादा सिखाने की बजाय सही दिशा देना और उन पर भरोसा करना जरूरी होता है।

कार्तिक ने अपने ब्रॉडकास्टिंग अनुभव को भी उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि कमेंट्री करते समय उन्होंने कई खिलाड़ियों और टीमों को करीब से देखा, जिससे उनकी ताकत और कमजोरियों को समझने में मदद मिली।

इससे उन्हें कम शब्दों में साफ बात कहना भी आया, जो कोचिंग में बहुत काम आता है।

इस सीजन में आरसीबी की बल्लेबाजी में संतुलन और स्थिरता दिखी है।

संपादकीय

भारत की 16वीं जनगणनाः एक व्यापक सांख्यिकीय और सामाजिक विश्लेषण

महेन्द्र तिवारी

भारत जैसे विशाल और भौगोलिक विविधताओं से परिपूर्ण राष्ट्र में जनगणना को केवल जनसंख्या की गणना करने वाली एक यांत्रिक प्रशासनिक प्रक्रिया मान लेना इसकी महत्ता को कम करके आंकने जैसा होगा। वास्तव में, यह राष्ट्र-निर्माण की वह अदृश्य परंतु अत्यंत सुदृढ़ नींव है, जिस पर भविष्य के भारत की नीतियों, योजनाओं और विकास के सपनों की इमारत खड़ी होती है। यह एक ऐसा दर्पण है जिसमें देश अपनी वर्तमान स्थिति को देखता है और अपनी कमियों को पहचानकर सुधार के मार्ग प्रशस्त करता है। भारत में जनगणना का इतिहास काफी पुराना रहा है, लेकिन आगामी जनगणना 2026-27 अपने आप में कई अर्थों में असाधारण और युगांतकारी सिद्ध होने वाली है। यह न केवल देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना है, बल्कि यह एक लंबे अंतराल और वैश्विक महामारी के बाद बदली हुई परिस्थितियों में आयोजित की जा रही है। इस प्रक्रिया के माध्यम से सरकार को यह प्रमाणिक जानकारी प्राप्त होती है कि देश की जनसंख्या का वास्तविक वितरण क्या है, लोग किन सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं और उनकी शैक्षिक योग्यता के स्तर क्या हैं। यही कारण है कि इसे किसी भी विकसित समाज की योजना निर्माण प्रक्रिया की 'रीढ़' कहा जाता है। इस जनगणना की समयरेखा को देखें तो यह अप्रैल 2026 से शुरू होकर मार्च 2027 तक चलेगी, जो दो चरणों में विभाजित है। प्रथम चरण में, जो अप्रैल से सितंबर 2026 तक संचालित होगा, 'मकान सूचीकरण' और 'आवास गणना' पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस दौरान देश के हर कोने में स्थित घरों की स्थिति, उनमें उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं और लोगों के रहन-सहन के स्तर का विस्तृत विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके उपरांत, फरवरी 2027 में दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण चरण शुरू होगा, जिसमें जनसंख्या की वास्तविक गणना की जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया अपने आप में प्रशासनिक कुशलता की एक कठिन परीक्षा की तरह है, क्योंकि इसमें करोड़ों लोगों के जीवन के सूक्ष्म पहलुओं को संग्रहित करना होता है। इस बार की जनगणना की सबसे क्रांतिकारी विशेषता इसका पूर्णतः डिजिटल होना है। आधुनिक भारत की बदलती तस्वीर को देखते हुए सरकार ने कागज-रहित जनगणना का जो निर्णय लिया है, वह प्रशासनिक दक्षता में एक लंबी छलांग है। मोबाइल एप, ऑनलाइन पोर्टल और अत्याधुनिक डेटा संग्रहण प्रणालियों के उपयोग से न केवल जानकारी एकत्र करने की गति बढ़ेगी, बल्कि मानवीय त्रुटियों की संभावना भी न्यूनतम हो जाएगी। डिजिटल माध्यम से डेटा का संग्रह होने के कारण रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी, जिससे उच्चाधिकारी फील्ड में हो रहे काम की पल-पल की जानकारी रख सकेंगे। डिजिटल तकनीक के समावेश का एक अन्य लाभ यह भी है कि इसमें जियो-टैगिंग और क्लाउड आधारित डेटा संग्रहण जैसी विधाओं का उपयोग किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी क्षेत्र गणना से छूट न जाए और न ही किसी व्यक्ति की जानकारी का दोहराव हो। यह पारदर्शिता और सटीकता आधुनिक लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है। इस तकनीकी बदलाव के साथ ही 'सेल्फ-एनुमरेशन' यानी 'स्व-गणना' की सुविधा भी इस बार एक बड़ा आकर्षण है। इसके अंतर्गत शिक्षित और जागरूक नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह न केवल गणना कर्मियों के बोझ को कम करेगा, बल्कि नागरिकों में शासन की प्रक्रिया के प्रति भागीदारी का भाव भी जगाएगा। यह कदम दर्शाता है कि हम एक ऐसे डिजिटल समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ सरकार और नागरिक एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य कर रहे हैं। अक्सर लोगों के मन में जनगणना को लेकर यह संशय रहता है कि उन्हें कई तरह के दस्तावेज़ दिखाने होंगे, लेकिन इस बार सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी प्रकार के प्रमाण-पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। यह नीति नागरिकों के मन से भय को दूर करने और उन्हें सहजता से जानकारी साझा करने के लिए प्रोत्साहित करने की एक सराहनीय पहल है। जनगणना 2026-27 का एक अत्यंत संवेदनशील और चर्चा का विषय जातिगत आंकड़ों का संग्रहण है। लगभग एक शताब्दी के बाद, यानी 1931 के बाद पहली बार, भारत अपनी सभी जातियों का व्यवस्थित डेटा एकत्र करने जा रहा है। भारतीय समाज की जटिलताओं को देखते हुए यह कदम सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है। जब तक हमारे पास विभिन्न वर्गों और जातियों की सटीक सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आंकड़े नहीं होंगे, तब तक समावेशी विकास का लक्ष्य केवल एक नारा बनकर रह जाएगा। जातिगत आंकड़ों के माध्यम से यह स्पष्ट हो पाएगा कि कौन से समुदाय विकास की दौड़ में पीछे छूट गए हैं और किन क्षेत्रों में विशेष हस्तक्षेप की आवश्यकता है। यह आंकड़े सरकार को आरक्षण, छात्रवृत्ति और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में अधिक तार्किक और न्यायसंगत निर्णय लेने में सक्षम बनाएंगे। सामाजिक न्याय केवल आर्थिक सहायता देना नहीं है, बल्कि हाशिए पर खड़े अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में शामिल करना है, और इसके लिए सटीक आंकड़ों से बेहतर कोई मार्गदर्शक नहीं हो सकता। जनगणना के माध्यम से एकत्र किए गए ये आंकड़े केवल निर्जीव अंक नहीं होते, बल्कि ये भविष्य के भारत का मानचित्र तैयार करते हैं। किसी क्षेत्र में कितने नए स्कूलों की आवश्यकता है, कहाँ नए अस्पतालों का निर्माण होना चाहिए।

कमीशन लेकर किताबें बेच रहे प्राइवेट स्कूल

डॉ. सत्यवान सौरभ

शिक्षा को सदैव समाज की आत्मा, विकास का आधार और समान अवसरों का सेतु माना गया है। यह केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के निर्माण की प्रक्रिया भी है। परंतु जब यही शिक्षा लाभ कमाने का साधन बन जाए, तो यह चिंता का विषय ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के लिए एक गंभीर चेतावनी बन जाती है। हाल ही में सामने आई खबर कि कुछ निजी विद्यालय 50 प्रतिशत तक कमीशन लेकर किताबें बेच रहे हैं, इस चिंता को और अधिक गहरा करती है। यह केवल एक प्रशासनिक अनियमितता नहीं, बल्कि शिक्षा के मूल स्वरूप पर सीधा आघात है।

आज शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। निजी स्कूलों की संख्या बढ़ी है, प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, और साथ ही बढ़ा है शिक्षा का खर्च। लेकिन इस बढ़ते खर्च के पीछे यदि गुणवत्ता, बेहतर सुविधाएं और आधुनिक संसाधन हों, तो इसे एक हद तक उचित ठहराया जा सकता है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब शिक्षा के नाम पर अभिभावकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ के नीचे दबाया जाने लगे। किताबों के नाम पर लिया जा रहा भारी कमीशन इसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण है।

कई निजी विद्यालय अभिभावकों को यह निर्देश देते हैं कि वे केवल स्कूल द्वारा निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदें या सीधे स्कूल परिसर से किताबें लें। यह स्थिति एक प्रकार का एकाधिकार (मोनोपॉली) पैदा करती है, जहां अभिभावकों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। खुले बाजार में उपलब्ध सस्ती या वैकल्पिक पुस्तकों को खरीदने की स्वतंत्रता उनसे छीन ली जाती है। परिणामस्वरूप, उन्हें मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा कमीशन के रूप में शामिल होता है।

इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता

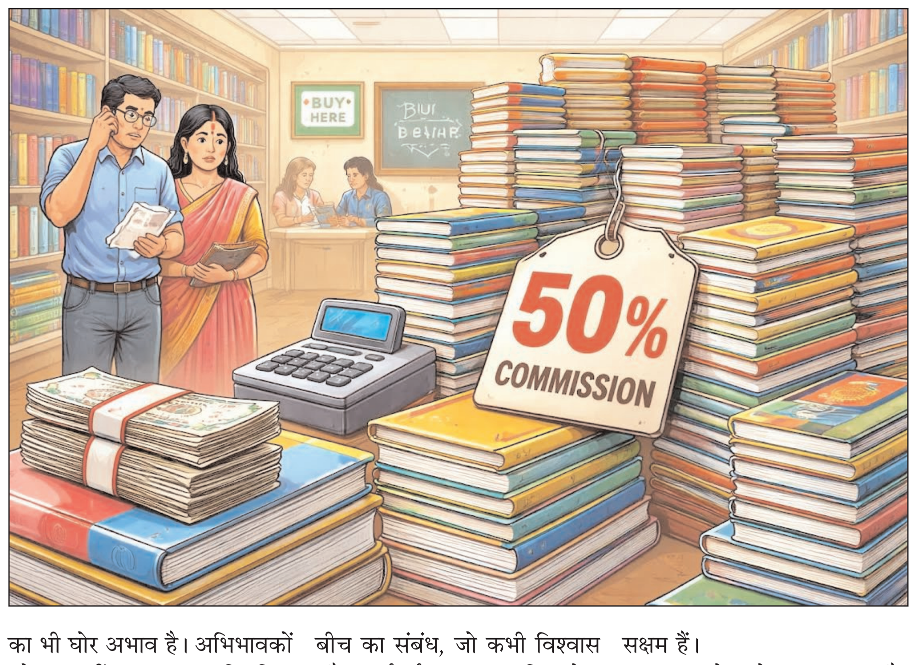

का भी घोर अभाव है। अभिभावकों को यह नहीं बताया जाता कि किन आधारों पर इन पुस्तकों का चयन किया गया है, उनकी वास्तविक कीमत क्या है, और उन पर कितना अतिरिक्त लाभ जोड़ा गया है। कई बार तो यह भी देखा गया है कि एक ही विषय की पुस्तक हर वर्ष बदल दी जाती है, ताकि पुरानी किताबें किसी काम की न रहें और नई किताबें खरीदने के लिए अभिभावक बाध्य हों। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक शोषण को बढ़ावा देती है, बल्कि संसाधनों की अनावश्यक बर्बादी भी करती है।

यह स्थिति केवल आर्थिक दृष्टि से ही चिंताजनक नहीं है, बल्कि यह शिक्षा के मूल उद्देश्य को भी कमजोर करती है। जब विद्यालय ज्ञान के केंद्र के बजाय लाभ कमाने के साधन बन जाते हैं, तो शिक्षा का मूल्य स्वतः ही गिरने लगता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच का संबंध, जो कभी विश्वास और मार्गदर्शन पर आधारित होता था, धीरे-धीरे एक औपचारिक लेन-देन में बदलने लगता है। बच्चों के समग्र विकास की जगह संस्थान का आर्थिक लाभ प्राथमिकता बन जाता है।

अभिभावकों की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक दयनीय हो जाती है। वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए सर्वोत्तम शिक्षा चाहते हैं, लेकिन उन्हें बार-बार आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ता है। मध्यमवर्गीय और निम्नवर्गीय परिवारों के लिए यह बोझ और भी अधिक भारी हो जाता है। कई बार वे अपनी अन्य आवश्यकताओं में कटौती करके इन खर्चों को पूरा करते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को भी बढ़ावा देती है, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल उन लोगों तक सीमित होती जा रही है, जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं।

इस पूरे मुद्दे का एक और महत्वपूर्ण पहलू है—सिलेबस में बार-बार होने वाला बदलाव। हर वर्ष या दो वर्ष में पाठ्यक्रम में छोटे-मोटे बदलाव कर दिए जाते हैं, जिससे पुरानी किताबें अप्रासंगिक हो जाती हैं।

यह बदलाव अक्सर शैक्षणिक आवश्यकता से अधिक व्यावसायिक हितों से प्रेरित प्रतीत होता है। यदि पाठ्यक्रम में वास्तव में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, तो केवल किताबों के संस्करण बदलना और नई किताबें अनिवार्य करना कहीं न कहीं संदेह पैदा करता है।

सबसे चिंताजनक पहलू है—शिक्षा विभाग की निष्क्रियता। नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कोई भी स्कूल अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। इसके बावजूद, यह प्रथा खुलेआम जारी है। इसका अर्थ यह है कि या तो नियमों का पालन नहीं हो रहा, या फिर उनके पालन को सुनिश्चित करने की इच्छाशक्ति का अभाव है। यह खामोशी कहीं न कहीं इस व्यवस्था को मौन स्वीकृति देती प्रतीत होती है।

यह भी आवश्यक है कि हम इस समस्या को केवल आलोचना तक सीमित न रखें, बल्कि इसके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने की बात करें। सबसे पहले, शिक्षा विभाग को इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए और दोषी पाए जाने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। केवल चेतावनी या औपचारिक नोटिस पर्याप्त नहीं होंगे; आवश्यक है कि ऐसे मामलों में दंडात्मक कार्रवाई भी हो, ताकि एक स्पष्ट संदेश जाए।

दूसरे, किताबों की बिक्री में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्कूलों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे कौन-सी किताबें क्यों निर्धारित कर रहे हैं और उनकी कीमत क्या है। यदि संभव हो, तो सभी किताबों की सूची ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाए, ताकि अभिभावक कहीं से भी उन्हें खरीद सकें। इससे एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बनी रहेगी और कीमतों में अनावश्यक वृद्धि पर रोक लगेगी।

तीसरे, सिलेबस में बार-बार होने वाले अनावश्यक बदलावों पर भी नियंत्रण होना चाहिए। यदि पाठ्यक्रम में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं है, तो किताबों को बार-बार बदलने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इससे न केवल अभिभावकों का आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलेगा।

चौथे, अभिभावकों को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा। वे यदि संगठित होकर अपनी बात रखते हैं, तो इस प्रकार की प्रथाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। समाज के अन्य वर्गों, जैसे सामाजिक संगठनों और मीडिया को भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाना चाहिए।

अंततः, हमें यह समझना होगा कि शिक्षा कोई वस्तु नहीं है, जिसे मुनाफे के लिए बेचा जाए। यह एक सामाजिक दायित्व है, जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को निर्धारित करता है। यदि इस क्षेत्र में अनियंत्रित व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया गया, तो इसका दुष्प्रभाव केवल वर्तमान पर ही नहीं, बल्कि आने वाले समय पर भी पड़ेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य की ओर लौटाया जाए—ज्ञान, संस्कार और समान अवसर। यदि हम इस दिशा में समय रहते कदम नहीं उठाते, तो वह दिन दूर नहीं जब शिक्षा पूरी तरह एक व्यापार बन जाएगी, जहां किताबों के पन्नों में ज्ञान नहीं, बल्कि केवल लाभ-हानि का हिसाब लिखा होगा।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

मीना कुमारी उर्फ 'नाज' की रूहानी शायरी

विवेक रंजन श्रीवास्तव

बीती 31 मार्च को मीनाकुमारी की पुण्य तिथि थी. सिनेमा के सुनहरे पर्दे पर जब-जब ट्रेजेडी और अभिनय की संजीदगी की बात होगी, तब-तब एक नाम सबसे पहले याद आयेगा ..मीना कुमारी। लेकिन चमकते हुए रुपहले पर्दे की चकाचौंध के पीछे उनमें एक ऐसी स्त्री भी थी, जो अपनी तनहाइयों को कोरे कागजों पर उकेरती थी। हम उन्हें पर्दे पर 'साहिब बीवी और गुलाम' की छोटी बहू के रूप में देखते रहे, पर असल में वे शब्दों की एक ऐसी शिल्पी थीं, जिन्होंने अपनी सिसकियों को शायरी का जामा पहनाया। वे अपनी शायरी में 'नाज़' उपनाम का प्रयोग करती थीं, जो उनके व्यक्तित्व के उस हिस्से को दर्शाता है जो बेहद कोमल, स्वाभिमानी और बेहद अकेला था।

मीना कुमारी की शायरी किसी पेशेवर शायर की कलम नहीं है, बल्कि यह एक थकी हुई रूह की अपने आप से बातचीत है। उनके लेखन में एक अजीब सी खामोशी और ठहराव है। वे जब लिखती हैं, तो ऐसा लगता है मानो वे अपने भीतर के उस शून्य को भरने की कोशिश कर रही हैं, जिसे दुनिया की भीड़ कभी समझ ही नहीं पाई। उनके जीवन में शोहरत तो बेहिसाब थी, पर सुकून की हमेशा कमी रही। अपनी इसी मनोदशा को उन्होंने बहुत ही सादगी और प्रवाह के साथ अपनी ग़ज़लों में पिरोया है।

उनकी एक मशहूर नज़्म की कुछ पंक्तियाँ उनके जीवन के दर्शन को बखूबी बयान करती हैं

'चाँद तन्हा है आसमाँ तन्हा, दिल तन्हा है रात तन्हा है... जाने किस राह गुजर पर छोड़ दिया, कश्ती तन्हा है नाखुदा तन्हा है'। यहाँ कश्ती और नाखुदा (मल्लाह) का अलग-अलग होना उनके जीवन के उस बिखराव को दर्शाता है, जहाँ पतवार उनके हाथ में तो थी, पर दिशा शायद उनकी अपनी नहीं थी।

मीना कुमारी की नज़्मों में एक तरफ जहाँ प्रेम की असीम गहराई है, वहीं दूसरी ओर विश्वासघात की वह टीस भी है जिसने उन्हें ताउम्र बेचैन रखा।

मीना जी के काव्य में भावनात्मक सूक्ष्मता नजर आती है। उनकी शायरी में बनावट नहीं है, बल्कि एक भोगा हुआ प्रवाह है जो पाठक को सीधे उनके ड्राइंग रूम तक ले जाता है, जहाँ किताबों के ढेर लगे हैं और अगरबत्ती की खुशबू के बीच एक अदाकारा रात भर जागकर अपनी डायरी लिख रही है।

वे लिखती हैं 'आगाज़ तो होता है अंजाम नहीं होता, जब मेरी कहानी में तेरा नाम नहीं होता'। यह शेर महज तुकबंदी नहीं है, बल्कि उस अधूरी मोहब्बत का इकरार है जिसने उन्हें कभी पूरा होने ही नहीं दिया।

अक्सर लोग पूछते हैं कि इतनी खूबसूरत और सफल अभिनेत्री के भीतर इतना दुख कहाँ से आया? उनकी शायरी इसका जवाब देती है। उन्होंने बचपन से ही अभाव देखे थे और जब सफलता आई, तो उसने उन्हें अकेला कर दिया। उनकी कविताओं में 'मृत्यु' का बोध भी बहुत गहरा है। वे जानती थीं कि वे वक्त से पहले विदा हो जाएंगी। एक जगह वे लिखती हैं

'टुकड़े-टुकड़े दिन बीता, धज्जी-धज्जी रात मिली, जिसका जितना आँचल था, उतनी ही सौगात मिली'।

जीवन की इस कड़वी हकीकत को इतने सरल शब्दों में कह देना ही उनकी अभिव्यक्ति की महानता थी। वे शब्दों से चित्र बनाना जानती थीं। उनके लिए शायरी केवल शौक नहीं था, बल्कि एक 'कैथार्सिस' था, अपने दर्द को बाहर निकालने का एक जरिया था।

मशहूर शायर गुलज़ार साहब, जिन्होंने उनकी मृत्यु के बाद उनकी गजलों और नज़्मों को सहेजकर प्रकाशित करवाया, कहते थे कि मीना कुमारी का लेखन उनके अभिनय से भी ज्यादा सच्चा था। कैमरे के सामने तो उन्हें निर्देशक की बात माननी पड़ती थी, पर कलम उनके अपने वजूद की रकीब थी। उनकी कविताओं में शब्दों का चयन बहुत ही सहज और हिन्दुस्तानी मिजाज का है।

बोध कथा

जीवन को नई राह दिखाते हैं स्वामी वेकानंद के विचार

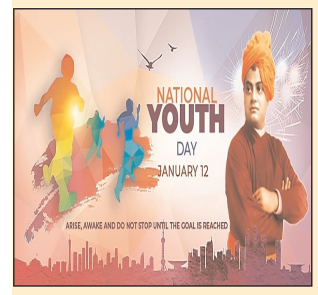

स्वामी विवेकानंद बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। बाल्यावस्था से स्वामी विवेकानंद को अध्यात्म के प्रति गहन रुचि थी। उनका जन्म पश्चिम बंगाल में कारस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता संस्कृत और फारसी भाषा के विद्वान थे। महज 25 वर्ष की आयु में स्वामी जी के पिता सन्यासी बन गए। माता जी देवों के देव महादेव की भक्त थीं। हर समय शिव भक्ति में लीन रहती थीं। अतः विवेकानंद जी को बचपन से ईश्वर में अगाध श्रद्धा थी। स्वामी जी स्वरं प्रतिदिन ईश्वर की भक्ति करते थे। रामकृष्ण परमहंस जी के संपर्क में आने के पश्चात स्वामी जी मां काली के उपासक बन गए। मां काली की कृपा-दृष्टि से स्वामी जी वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली गुरु बने। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। युवाओं को स्वामी जी के विचार जीने की नई राह देते हैं। स्वामी विवेकानंद जी के पद चिन्हों पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकता है। आइए, स्वामी जी के अनमोल विचार जानते हैं-

स्वामी जी के अनमोल विचार... 1 संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और रह आप की ऊंचाई से गिरा भी सकती है। इसलिए संगति अच्छे लोगों से करें। 2. उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सबकुछ खुद अंदर से सीखना है। आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नहीं है। 3. सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा उस उम्मीद को खो देना जिसके भरोसे हम सब कुछ वापस पा सकते हैं। 4. पहले हर अच्छी बात का मजाक बनता है। फिर विरोध होता है। अंत में उसे स्वीकार कर लिया जाता है। 5. जिस प्रकार के वल एक ही बीज पूरे जंगल को पुनर्जीवित करने के लिए पर्याप्त है। उसी प्रकार एक ही मनुष्य विश्व में बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है। 6. बहुत सी कमियों के बाद भी हम खुद से प्रेम करते हैं, तो दूसरों में एक कमी से कैसे घृणा कर सकते हैं।

तीर तेवर —— सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

इस बार गैस की परेशानी के कारण शादी का भोज रद्द

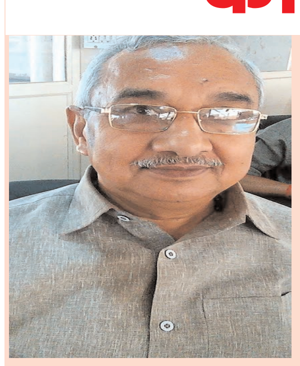

वीरेंद्र बहादुर सिंह

मेहमान की 'मन की बात': आखिर रस और सैंडविच का ही इंतज़ाम कर लो

'सुधारा हुआ निमंत्रण पत्र) पढ़ लेना' यह संदेश मिलते ही भूखड़लाल चौंक पड़े। कहीं 'परिवार के सभी सदस्य' की जगह 'एक व्यक्ति' तो नहीं कर दिया गया?

उन्हें शंका हुई कि कहीं सरकार ने शादी के नियम बदल दिए हों और दूल्हा या दुल्हन ही बदल गए हों! लेकिन नामों में कोई बदलाव नहीं था। भूखड़लाल ने अपनी पुरानी आदत के अनुसार निमंत्रण पत्र में खाने के स्थान और समय को ढूंढा, लेकिन उसका कहीं उल्लेख ही नहीं था।

यह सुधार देखकर भूख से बेहाल भूखड़लाल ने बड़ी मुश्किल से हिम्मत जुटाकर यजमान को फोन किया, 'कहिए, इस सुधारे हुए निमंत्रण में मेरे जैसे मेहमानों को खाने से ही बाहर कर दिया क्या?'

'अरे नहीं, नहीं... यह सब तो ईरान और इजराइल की लड़ाई का असर है। उसके कारण बहुत कुछ रद्द करना पड़ा है।'

'क्या? लेकिन हमारा कार्यक्रम तो रिश्तेदारों के घर में है, तेल अवीव या दुबई में तो नहीं!'

'अरे भले आदमी, जगह छोड़ो। अभी सबको गैस की समस्या है।'

'नहीं, नहीं... मुझे तो शादी में कितना भी खा लूं, कभी गैस की परेशानी नहीं होती। और अगर किसी मेहमान को हो, तो बता देना, मेरे एक जानकार वैद्य ऐसा जबरदस्त चूर्ण बनाते हैं कि पेट की गैस ऐसे निकलती है, जैसे गुब्बारे में सुई चुभो दी हो!'

'अरे भाई, गैस ट्रबल का मतलब पेट की गैस नहीं, रसोई गैस की समस्या है! हमारे कैटरर ने हाथ खड़े कर दिए हैं, गैस सिलेंडर ही नहीं मिल रहे। हमारी तारीख तक होर्मुज की खाड़ी से कितने जहाज़ आएंगे, इसका भरोसा नहीं है। अब बताओ, आखिरी समय में नया कैटरर कहां से लाएं, जिसके पास गैस सिलेंडर का स्टाक हो?'

भूखड़लाल को लगा जैसे उनके कान तेहरान बन गए हों और उन पर इजराइल ने बम गिरा दिया हो। उन्होंने अमेरिका की तरह युद्धविराम की अपील करते हुए कहा, 'ऐसा मत करो प्लीज, कुछ नहीं तो मेहमानों को रस और सैंडविच ही खिला देना। बताओ, अगर शादी में खाना ही न हो तो मेहमान आकर करेंगे क्या?'

'तो क्या बिना भोजन के दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देने नहीं आ सकते?' यजमान ने थोड़ी नाराजगी से पूछा। मानसिक आघात से भूखड़लाल तुरंत जवाब नहीं दे सके। तभी यजमान ने कह दिया, 'तो आप अपना निमंत्रण पूरी तरह रद्द समझिए।'

भूखड़लाल ने पेट पकड़कर आह भर दी।

इतिहास

2 अप्रैल का इतिहास (April wnd Historical Events) प्रमुख रूप से भारत की ऐतिहासिक जीत और वैश्विक उपलब्धियों से भरा है। 2011 में आज ही के दिन भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को हराकर 28 साल बाद क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता था। वहीं, 1902 में अमेरिका में पहला सिनेमाघर खुला था और 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने थे। आज के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ (2 अप्रैल): 2011 (भारत - वर्ल्ड कप): भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में श्रीलंका को हराकर आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 जीता। यह भारत की दूसरी एकदिवसीय विश्व कप जीत थी। 1984 (अंतरिक्ष यात्रा): सोवियत संघ के सोयुज टी-11 मिशन के साथ राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने। 1902 (सिनेमा): अमेरिका के लॉस एंजिल्स में पहला इलेक्ट्रिक थिएटर (सिनेमाघर) खुला।

सेंसेक्स निचले स्तरों से करीब 1,800 अंक उछलकर बंद; आईटी सेक्टर रहा टॉप परफॉरमर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार का सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन दिन के अंत में तेजी के साथ बंद हुआ।

कारोबारी सत्र में बाजार में मजबूती रिकवरी देखी गई। सेंसेक्स में इंट्रा-डे लो 71,545 अंक से 1,774 अंक की बढ़त देखी गई। दिन के अंत में सेंसेक्स 185.23 अंक या 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,319.55 की बढ़त के साथ बंद हुआ।

निफ्टी में इंट्रा-डे लो 22,182 से 531 अंक की रिकवरी देखी गई। यह 33.70 अंक या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,713.10 पर बंद हुआ।

बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी रियल्टी 1.07 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.54 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 0.39 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.39 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.93 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 0.92 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 0.86 प्रतिशत, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.79 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.62 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लाल निशान में थे।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, टाइटन, एक्सिस बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इंडिगो, एलएंडटी और एसबीआई गेनर्स थे।

एशियन पेंट्स, इटरनल, सन फार्मा, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाटा स्टील लूजर्स थे। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 142.10 अंक या 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के सथ 53,677.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.30 अंक या 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 15,650.50 पर था।

एसबीआई सिक्योरिटीज के फंडामेंटल रिसर्च के प्रमुख सन्नी अग्रवाल ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अगले 2-3 हफ्तों में ईरान पर संभावित भीषण हमलों की आशंका जताने वाले ट्वीट के बाद, भारतीय सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में भारी गिरावट देखी गई। ये सूचकांक क्रमश: 500 अंक और 1500 अंक तक गिर गए।

हालांकि, सत्र के मध्य में मूल्य आधारित खरीदारी और रुपए में आई मजबूती के कारण बाजारों में जोरदार सुधार हुआ। रुपए ने पिछले 12 वर्षों में अपनी सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की। इसके चलते दोनों सूचकांक सकारात्मक स्तर पर बंद हुए।

भारत में सिस्टमैटिक क्रेडिट ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में 13.5 प्रतिशत रहने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की सिस्टमैटिक क्रेडिट ग्रोथ (मार्च 15 तक) 13.8 प्रतिशत रही है और इसके वित्त वर्ष 27 13.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसे लिक्विडिटी और जीएसटी में कटौती के बाद उपभोग आधारित खपत से सपोर्ट मिल रहा है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों के पास अपने क्रेडिट-टू-डिपॉजिट (सीडी) अनुपात को और बढ़ाने की गुंजाइश है क्योंकि जमा वृद्धि 10.8 प्रतिशत पर स्थिर है जबकि तेज क्रेडिट वृद्धि के साथ सीडी अनुपात बढ़कर 83 प्रतिशत हो गया है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि डिपॉजिट दर के कम रहने से बैंकों को कम ब्याज दरों पर फंड जुटाना एक चुनौती बन रहा है। इस कारण से हमें उम्मीद है कि सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरें समान रहेंगी।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि कैश रिजर्व रेशियो में कटौती और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एलसीआर-एनएसएफआर ढांचे के समर्थन से सीडी अनुपात में विस्तार को बढ़ावा मिलेगा, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अधिक लाभ होने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सिस्टमैटिक क्रेडिट ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में 13.5 प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है। वहीं, डिपॉजिट ग्रोथ 11.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

शुद्ध ब्याज मार्जिन सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है, जिसमें मध्यम आकार के बैंकों के मार्जिन में वृद्धि दर्ज करने की बेहतर संभावना है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'दिसंबर 2025 में रेपो दर में 25 बीपीएस की कटौती का असर चौथी तिमाही में ऋण दर संचरण में पूरी तरह से दिखने की उम्मीद है। परिणामस्वरूप, वित्तपोषण लागत अधिक बनी हुई है, और अधिकांश बैंकों ने हालिया दर कटौती के बाद अपनी टीडी/एसए दरों में कमी नहीं की है।

अमेरिका-ईरान तनाव के चलते आरबीआई अप्रैल एमपीसी बैठक में रेपो रेट स्थिर रख सकता है: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अप्रैल 2026 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रख सकता है। गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य पूर्व में जारी संघर्ष और बढ़ती तेल की कीमतों के कारण यह फैसला लिया जा सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, अब ब्याज दरों में कटौती का दौर समाप्त हो चुका है और आरबीआई लंबे समय तक दरों को स्थिर रख सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय बैंक फिलहाल न्यूट्रल रुख अपनाएगा और बदलते हालात पर नजर रखेगा। साथ ही, तरलता और रुपए को सहारा देने के लिए कुछ खास कदम भी उठाए जा सकते हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर महंगाई 6 प्रतिशत की ऊपरी सीमा को पार करती है, तो साल के अंत तक ब्याज दरों में बढ़ोतरी भी की जा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'युद्ध का आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर असर अगले 3-4 महीनों में साफ होगा। इसके बाद आरबीआई अपनी ब्याज दरों की दिशा पर फैसला लेगा।

पिछली नीति बैठक के बाद से अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद हो गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं।

बाजारों में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इस युद्ध के कारण विदेशी निवेशकों (एफपीआई) का पैसा भारत से बाहर जा रहा है, बॉन्ड यील्ड बढ़ी हैं और भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले गिरकर 94.83 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस युद्ध का असर वैश्विक आर्थिक वृद्धि और महंगाई दोनों पर पड़ेगा। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा, इसलिए आरबीआई वित्त वर्ष 2027 के लिए जीडीपी और महंगाई के अपने अनुमान में बदलाव कर सकता है।

सीईए द्वारा हाल ही में जारी मासिक आर्थिक बुलेटिन में चालू खाता घाटा (करंट अकाउंट डेफिसिट-सीएडी) वित्त वर्ष 2027 में भी काफी बढ़ने की चेतावनी दी गई है। बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में जीडीपी ग्रोथ 7.6 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2027 में 7 से 7.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया है। साथ ही बैंक ने चालू खाता घाटा बढ़ने की भी आशंका जताई है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लॉन्च की नई वेबसाइट, अब एआई असिस्टेंट 'कर साथी' के साथ टैक्स भरना होगा आसान

नई दिल्ली। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने गुरुवार को नई वेबसाइट लॉन्च की। इस वेबसाइट को एआई असिस्टेंट 'कर साथी' के साथ लॉन्च किया गया है। इससे टैक्स भरना पहले के मुकाबले आसान हो जाएगा।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स 'पर की गई एक पोस्ट में कहा गया कि नई इनकम टैक्स वेबसाइट शुरू हो चुकी है। यह नेविगेट करने में आसान और उपयोग करने में तेज है। इसमें इनकम टैक्स से जुड़ी सारी जानकारी एक ही स्थान पर मौजूद है। पोस्ट में आगे बताया गया कि इसमें एआई असिस्टेंट 'कर साथी' दिया हुआ है जो कि डायरेक्ट टैक्स भरने की आपकी यात्रा को आसान बनाएगा।

इस पोस्ट के साथ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि नई इनकम टैक्स वेबसाइट को लॉन्च कर दिया गया है। इसमें अधिक जानकारी दर्शाने वाले डिजाइन और स्मार्ट नेविगेशन से यूजर्स आसानी से जानकारी हासिल कर सकते हैं।

डिपार्टमेंट ने बताया कि वेबसाइट को समावेशी और यूजर्स फ्रेंडली बनाया है और इसे डेस्कटॉप, मोबाइल और टैबलेट से एक्सेस किया जा सकता है।

इनकम टैक्स ने बताया कि वेबसाइट पर कर कानून और नियम, कर की जानकारी एवं सेवाएं और टैक्स ई-सर्विसेज के रूप में यूनिफाइड टैब दिए हुए हैं। जहां से यूजर को सारी जानकारी एक ही स्थान पर मिल जाएगी।

इसमें एफएक्यू, इंटरनेशनल टैक्सेशन, टैक्स कैलेंडर और सर्कुलर एवं नोटिफिकेशन और इनकम टैक्स प्रोविजन जैसे गाइडेंस टूल्स भी दिए गए हैं।

इसके अलावा, इमसें एआई असिस्टेंट 'कर साथी' भी दिया हुआ है, इससे करदाता टैक्स से जुड़ा अपना कोई भी सवाल हिंदी या अंग्रेजी में पूछकर तत्काल समाधान जान सकते हैं।

पिछले महीने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने एक इवेंट में 'कर साथी' का जिक्र किया था। उन्होंने कहा, 'यह एआई-सक्षम चैटबॉट विभाग की वेबसाइट के माध्यम से करदाताओं को चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करेगा।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला: महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी पूरी तरह माफ

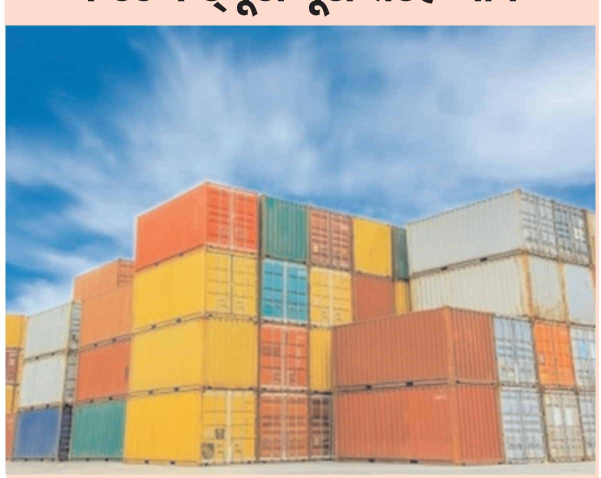

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं के बीच महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक पूरी कस्टम ड्यूटी छूट देने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कदम एक अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि देश में जरूरी पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता बनी रहे, डाउनस्ट्रीम उद्योगों पर लागत का दबाव कम हो और सप्लाई स्थिर बनी रहे।

सरकार के अनुसार, इस छूट का फायदा उन कई सेक्टर्स को मिलने की उम्मीद है जो पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर हैं, जैसे प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स।

सरकार का कहना है कि इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

इस सूची में शामिल प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादों में एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, मेथनॉल (मेथाइल अल्कोहल), आइसोप्रोपिल अल्कोहल, मोनोएथिलीन ग्लाइकोल (एमईजी) और फिनोल आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, एसिटिक एसिड, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्योरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड (पीटीए), अमोनियम नाइट्रेट, एथिलीन के पॉलिमर (जिसमें एथिलीन-विनाइल एसीटेट शामिल है), एपॉक्सी रेजिन, फॉर्मेल्डिहाइड, यूरिया फॉर्मेल्डिहाइड, मेलामाइन फॉर्मेल्डिहाइड और फिनोल फॉर्मेल्डिहाइड जैसे उत्पाद भी इस सूची में शामिल हैं। ईरान युद्ध और समुद्री व्यापार पर उसके असर को देखते हुए।

ट्रंप की ईरान संबंधी चेतावनी से कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट

सोना 3.6 प्रतिशत फिसला तो चांदी 7 प्रतिशत से ज्यादा गिरी

मुंबई । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया को लेकर दिए गए बयान के बाद गुरुवार को कीमती धातुओं की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के कारोबार में सोने-चांदी की कीमतें 7 प्रतिशत तक गिर गईं, जिससे युद्धविराम की उम्मीद कर रहे बुलियन निवेशकों को बड़ा झटका लगा।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव (5 जून) में 3.60 प्रतिशत से ज्यादा यानी करीब 6,000 रुपए गिरकर 1,47,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे लो तक पहुंच गया। हालांकि खबर लिखे जाने तक (दोपहर करीब 11.52 बजे) सोना 3.68 प्रतिशत यानी 5,659 रुपए गिरकर 1,48,049 रुपए पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं, चांदी का वायदा भाव (5 मई) में और ज्यादा गिरावट देखने को मिली और इसकी कीमत 7 प्रतिशत से ज्यादा यानी 17,200 रुपए से ज्यादा टूटकर 2,24,500 रुपए प्रति किलो के इंट्राडे लो तक पहुंच गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह 7.10 प्रतिशत या 17,280 रुपए की गिरावट के साथ 2,26,221 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी की कीमतों में कमजोरी रही। स्पॉट गोल्ड 2.26 प्रतिशत गिरकर 4,650.30 डॉलर तक पहुंच गया, जबकि स्पॉट सिल्वर 4.7 प्रतिशत गिरकर 71.50 डॉलर पर आ गया।

वहीं, कॉमेक्स पर गोल्ड 2.73 प्रतिशत गिरकर 4,813 डॉलर पर ट्रेड करता दिखा, जबकि सिल्वर करीब 6 प्रतिशत टूटकर 71 डॉलर तक आ गया। विश्लेषकों का कहना है कि दोनों कीमती धातुओं की कीमतों का रुझान फिलहाल कमजोर बना हुआ है। पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) के रूप में इनकी मांग को सीमित समर्थन ही मिल रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, निकट भविष्य में बाजार का रुख सतर्क बना रहेगा, क्योंकि मैक्रोइकॉनॉमिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक घटनाक्रम कीमतों को प्रभावित करते रहेंगे।

गिफ्ट निफ्टी ने मार्च में दर्ज किया अपना अब तक का सबसे अधिक 129.80 अरब डॉलर का टर्नओवर

नई दिल्ली। गिफ्ट निफ्टी ने मार्च में अपना अब तक का सबसे अधिक 129.80 अरब डॉलर का टर्नओवर दर्ज किया है, इससे पहले सबसे अधिक टर्नओवर अक्टूबर 2025 में 106.22 अरब डॉलर का दर्ज किया गया था। यह जानकारी एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (आईएक्स) की ओर से गुरुवार को दी गई।

एक्सचेंज ने बताया कि मार्च में मासिक ट्रेडिंग वॉल्यूम 28 लाख कॉन्ट्रैक्ट्स के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया, जिसने अप्रैल 2025 में बने 21 लाख कॉन्ट्रैक्ट्स के पिछले उच्चतम स्तर को पीछे छोड़ दिया।

गिफ्ट निफ्टी की मार्च की यह उपलब्धि भारत से जुड़े डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट के लिए लगातार बन रहे रिकॉर्डों में नई कड़ी है।

इससे पहले फरवरी में, गिफ्ट निफ्टी ने 4,57,989 कॉन्ट्रैक्ट्स के साथ अपना अब तक का सबसे अधिक एक दिवसीय ट्रेडिंग वॉल्यूम दर्ज किया था, जिसका एक दिवसीय कारोबार 23.48 अरब डॉलर था – जो 23 जनवरी, 2024 को बने पिछले एक दिवसीय रिकॉर्ड 22.88 अरब डॉलर से अधिक था।

3 जुलाई, 2023 को पूर्ण पैमाने पर परिचालन शुरू होने के बाद से, मार्च 2026 तक गिफ्टी निफ्टी पर डेरिवेटिव्स का संचयी व्यापार वॉल्यूम 63.37 मिलियन कॉन्ट्रैक्ट्स से अधिक रहा है।

जिसका कुल कारोबार 2.92 ट्रिलियन डॉलर था।

तुलनात्मक रूप से, फरवरी 2026 तक संचयी वॉल्यूम 60.05 मिलियन कॉन्ट्रैक्ट्स का था, जिसका कारोबार 2.76 ट्रिलियन डॉलर था, जो वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने में तीव्र वृद्धि को दर्शाता है।

एनएसईआईएक्स, जिसकी गिफ्ट सिटी स्थित अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों में 99.7 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी है, की स्थापना 5 जून, 2017 को हुई थी और इसे अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) द्वारा मान्यता प्राप्त है।

यह एक्सचेंज विविध उत्पाद पोर्टफोलियो प्रदान करता है जिसमें भारतीय सिंगल स्टॉक डेरिवेटिव्स, इंडेक्स डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और डिपॉजिटरी रिसीट्स शामिल हैं, साथ ही इक्विटी शेयर, आरईआईटी, इनविट्स और ईएसजी डेट सिक्योरिटीज जैसे प्राथमिक बाजार उत्पाद भी आईएफएससीए लिस्टिंग विनियम, 2024 के तहत उपलब्ध हैं।

होर्मुज 'टैक्स'! ईरान ने ट्रंप की रणनीति को क्या 'अर्थ' के जाल में फंसाया?

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ईरान को लेकर असली खेल उनके हालिया बयानों में साफ झलकता है—एक तरफ कड़ी चेतावनी और दूसरी तरफ सीमित युद्ध का संकेत। उन्होंने कहा कि अगर ईरान नहीं झुका तो 'हम उन्हें मारते रहेंगे,' लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि यह संघर्ष 'दो-तीन हफ्तों में खत्म हो सकता है' और अमेरिका इसमें लंबे समय तक नहीं रहेगा।

बांग्लादेश में भारत की पूर्व उच्चायुक्त रहीं वीणा सिकरी ने इसे रणनीति का हिस्सा या मिस कैल्कुलेशन का नतीजा बताया। सिकरी बोलीं, 'नहीं, ये लिमिटेड युद्ध नहीं है। हाल ही में 900 किलोग्राम इस्फाहान पर बम फेंका। बस थोड़ी देर का विराम सिर्फ इस बात को लेकर दिया कि हम पावर प्लांट को अटैक नहीं करेंगे।

ट्रंप के बयान यह भी दिखाते हैं कि वह इस टकराव को 'कंट्रोल्ड वॉर' की तरह देख रहे हैं—जहां अचानक हमले, मनोवैज्ञानिक दबाव और अनिश्चितता के जरिए विरोधी को बातचीत के लिए मजबूर किया जाए। उन्होंने यह तक कहा कि अमेरिका के बाहर निकलते ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अपने आप खुल जाएगा, जिससे यह संदेश गया कि वाशिंगटन खुद को इस संकट का केंद्र मानता है और मानता है कि उसके हटते ही हालात सामान्य हो जाएंगे।

लेकिन ईरान ने इस रणनीति को समझकर खेल को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। ईरानी नेताओं और अधिकारियों के बयानों में अब सीधा संदेश है कि 'दबाव डालकर झुकाया नहीं जा सकता' और 'युद्ध कब खत्म होगा, यह हम तय करेंगे, अमेरिका नहीं।' ईरान ने अमेरिकी नीति को 'विरोधाभासी' बताते हुए कहा कि वाशिंगटन कभी बातचीत की बात करता है तो कभी धमकी देता है, जिससे उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इसी समझ के आधार पर ईरान ने सबसे बड़ा कदम आर्थिक मोर्चे पर उठाया है। उसने संकेत दिया है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर 'टैक्स या टोल' लगाया जा सकता है। ईरानी संसद और अधिकारियों के बयानों में यह कहा गया कि जो देश इस मार्ग का उपयोग करेंगे, उन्हें उसकी 'सुरक्षा' के बदले भुगतान करना होगा। यह सिर्फ एक आर्थिक फैसला नहीं बल्कि एक रणनीतिक संदेश है—अगर दबाव बढ़ेगा तो तेल आपूर्ति और वैश्विक व्यापार को हथियार बनाया जाएगा।

ईरान ने इससे भी आगे बढ़कर चेतावनी दी कि हालात बिगड़ने पर 'एक बूंद तेल भी नहीं गुजरने दिया जाएगा।' इस बयान का असर तुरंत वैश्विक बाजारों में दिखा, जहां तेल की कीमतों में उछाल आया और अनिश्चितता बढ़ी। इससे साफ हो गया कि तेहरान अब सीधे सैन्य टकराव के बजाय लागत बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है—यानी संघर्ष को इतना महंगा बना देना कि विरोधी खुद पीछे हटने पर मजबूर हो जाए। इस पूरे घटनाक्रम में अब टकराव की प्रकृति बदल चुकी है। एक तरफ ट्रंप हैं, जो तेज दबाव, सीमित युद्ध और राजनीतिक संदेशों के जरिए जल्दी परिणाम चाहते हैं।

छत्रपति शिवाजी की जयंती: मराठा साम्राज्य के संस्थापक; वीरता, स्वराज और दूरदर्शिता का प्रतीक

नई दिल्ली। हर साल 3 अप्रैल को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई जाती है। यह तारीख उस अदम्य साहस, दूरदर्शिता और स्वाभिमान का उत्सव है जिसने भारत की धरती पर हिंदवी स्वराज्य का स्वप्न साकार किया। मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज उन महान राजाओं में गिने जाते हैं, जिनकी युद्ध प्रणालियां आज भी अपनाई जाती हैं और जिनकी वीरता की गूंज सदियों बाद भी प्रेरणा देती है।

शिवाजी महाराज की जन्मतिथि को लेकर मतभेद रहे हैं, लेकिन प्रचलित रूप से उनका जन्म 19 फरवरी 1630 को शिवनेरी किले में माना जाता है। वे शाहजी भोसले और माता जीजाबाई के पुत्र थे। उनकी माता जीजाबाई जाधवराव कुल की असाधारण प्रतिभाशाली महिला थीं। शिवाजी के चरित्र और व्यक्तित्व पर उनका गहरा प्रभाव पड़ा था। जीजाबाई ने रामायण और महाभारत की कथाओं के माध्यम से उन्हें न्याय, धर्म और स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाया। उनका बचपन पूना में माता और काबिल ब्राह्मण दादाजी कोंडा-देव के संरक्षण में बीता, जिन्होंने उन्हें एक कुशल सैनिक और प्रशासक बनने की दिशा दी। गुरु रामदास के आध्यात्मिक प्रभाव ने उनके भीतर मातृभूमि के प्रति गर्व और समर्पण की भावना को और प्रबल किया।

बचपन से ही बुद्धिमान और वीर शिवाजी ने युवावस्था में उन्होंने स्वामिभक्त साथियों का संगठन किया और 16 वर्ष की आयु में तोरणा किले पर विजय प्राप्त कर अपने संघर्षमय अभियान की शुरुआत की। उनके हृदय में स्वाधीनता की लौ प्रज्वलित हो चुकी थी और उन्होंने हिंदवी स्वराज्य की स्थापना का संकल्प लिया। इसके बाद उन्होंने मुगलों, आदिलशाही, कुतुबशाही और अन्य शक्तियों से संघर्ष करते हुए एक स्वतंत्र मराठा साम्राज्य की नींव रखी।

शिवाजी महाराज की सैन्य रणनीतियां उनकी सबसे बड़ी ताकत थीं। उन्होंने पारंपरिक युद्ध पद्धतियों से हटकर छापामार युद्ध नीति को अपनाया। इस नीति के तहत वे अचानक आक्रमण करते और सुरक्षित स्थान पर लौट जाते थे। 1664 में सूरत पर आक्रमण कर उन्होंने मुगलों की आर्थिक शक्ति को कमजोर किया। औरंगजेब ने उन्हें नियंत्रित करने के लिए अनेक प्रयास किए, लेकिन शिवाजी अपनी चतुराई और रणनीति से हर बार बच निकलते थे। 1666 में आगरा में बंदी बनाए जाने के बाद भी उन्होंने एक अद्भुत योजना बनाकर वहां से पलायन किया, जो उनकी सूझबूझ का प्रमाण है।

दक्षिण में उनकी बढ़ती शक्ति से चिंतित होकर औरंगजेब ने अपने मामा शाइस्ता खां को दक्कन का सूबेदार बनाकर भेजा। शाइस्ता खां ने पूना सहित कई क्षेत्रों में अत्याचार किए और मावल में लूटपाट मचाई। लेकिन एक रात शिवाजी ने अपने मावलों के साथ उस पर अचानक हमला किया। इस हमले में शाइस्ता खां किसी तरह बच निकला, लेकिन उसकी कई उंगलियां कट गईं, जबकि उसके पुत्र अबुल फतह सहित अनेक सैनिक मारे गए। इस घटना के बाद शिवाजी की प्रतिष्ठा और अधिक बढ़ गई और औरंगजेब को शाइस्ता खाँ को बंगाल भेजना पड़ा।

शिवाजी महाराज ने केवल युद्ध ही नहीं लड़ा, बल्कि एक सशक्त प्रशासनिक व्यवस्था भी स्थापित की। 1674 में रायगढ़ किले में उनका भव्य राज्याभिषेक हुआ और वे छत्रपति बने। उन्होंने शासन संचालन के लिए अष्टप्रधान परिषद का गठन किया, जिसमें पेशवा, अमात्य, मंत्री, सचिव, सुमन्त, सेनापति, पण्डितराव और न्यायाधीश जैसे पद शामिल थे। कर प्रणाली में सुधार कर किसानों पर अन्यायपूर्ण कर हटाए गए और न्याय व्यवस्था को मजबूत किया गया। वे निरंकुश शासक अवश्य थे, लेकिन उनकी प्रशासनिक दक्षता और प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व उन्हें एक आदर्श शासक बनाता है।

समुद्री सुरक्षा के महत्व को समझते हुए शिवाजी महाराज ने एक सशक्त नौसेना की स्थापना की और समुद्री किलों का निर्माण कराया, जिससे विदेशी आक्रमणकारियों से रक्षा सुनिश्चित की जा सके। उनके शासन में धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक न्याय को विशेष महत्व दिया गया। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे और जाति-पाति से ऊपर उठकर सभी को समान अवसर प्रदान करते थे। उनके राज्य में हर वर्ग को सुरक्षा और न्याय मिला। शिवाजी का व्यक्तित्व केवल एक योद्धा तक सीमित नहीं था। वे एक दूरदर्शी, कुशल कूटनीतिज्ञ और प्रबुद्ध सम्राट भी थे।

शुक्राचार्य और कौटिल्य के सिद्धांतों को अपनाते हुए कई बार उन्होंने कूटनीति का सहारा लिया। उनके जीवन में माता-पिता के संस्कार, गुरु का मार्गदर्शन और अपने युग की परिस्थितियों की गहरी समझ स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। 1680 में विष दिए जाने के बाद 3 अप्रैल को उनका निधन हो गया। उस समय उनके उत्तराधिकारी उनके ज्येष्ठ पुत्र संभाजी बने। शिवाजी के दूसरे पुत्र का नाम राजाराम था। उनके जाने के बाद भी उनकी वीरता, स्वाभिमान और स्वराज्य की भावना अमर हो गई।

छत्रपति शिवाजी महाराज के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। वे कहते थे, 'सर्वप्रथम राष्ट्र, फिर गुरु, फिर माता-पिता, फिर परमेश्वर।' उनका यह विश्वास कि 'जब हौसले बुलंद हों, तो पहाड़ भी एक मिट्टी का ढेर लगता है' आज भी हर संघर्षरत व्यक्ति को नई ऊर्जा देता है। स्वतंत्रता को उन्होंने एक ऐसा वरदान माना, जिसका अधिकारी हर व्यक्ति है।

केनेडी कर्स से क्या नहीं मिली मुक्ति? अब जेकेएफ की पोती ने बताया- मुझे जानलेवा बीमारी

नई दिल्ली। जॉन एफ केनेडी के परिवार पर एक और काला साया मंडराने लगा है। ऐसा साया जो दशकों बीत जाने के बाद भी पीछा नहीं छोड़ रहा। जोसेफ पी केनेडी की असमय मृत्यु से शुरू हुआ मनहूस सफर अब तक जारी है।

तातियाना शॉल्सबर्ग पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जेएफके की पोती और कैरोलीन केनेडी की बेटी हैं। उन्होंने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्हें टर्मिनल एक्यूट माइलॉइड ल्युकिमिया (एएमएल) है। डॉक्टरों के अनुसार, उनके पास संभवत: एक वर्ष से भी कम समय बचा है। मई 2024 में दूसरे बच्चे के जन्म के तुरंत बाद उनके व्हाइट ब्लड सेल्स अचानक बढ़े मिले। पहले यह साधारण प्रसव-उपरांत समस्या समझी गई, पर आगे की जांच ने बीमारी का भयावह रूप सामने ला दिया।

34 वर्षीया तातियाना ने द न्यू यॉर्कर में अपने इलाज का दर्द लिखा। बताया कि कीमोथेरेपी, बोन-मैरो ट्रांसप्लांट और क्लीनिकल ट्रायल्स के बावजूद, दुर्लभ जेनेटिक म्यूटेशन के कारण इलाज मुश्किल होता गया।

इस एक घटना ने पूरे वंश के दु:स्वप्न को फिर से ताजा कर दिया है। दुनिया जिस मिथक को 'केनेडी कर्स' कहती है। क्योंकि यह परिवार पहले भी सत्ता और शोहरत के शिखर पर खड़े होने के बावजूद मौत के आगे बेबस रहा है। वर्षों से दर्दनाक घटनाओं ने इस प्रतिष्ठित परिवार को झकझोरा है।

जेएफके के बड़े भाई जो अमेरिकी वायुसेना में पायलट थे- की 12 अगस्त 1944 में सीक्रेट मिशन के दौरान प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। इस परिवार ने दूसरा दूख 1948 में झेला जब जोसफ की बेटी का एक विमान हादसे में निधन हो गया। वो उस समय महज 29 साल की थीं। 22 नवंबर 1963 को अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी (46) की डलास में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई।

5 साल बाद जॉन एफ केनेडी के भाई रॉबर्ट एफ केनेडी (42) को लॉस एंजिल्स में मार दिया गया। ये जेएफके के छोटे भाई और पिता जोसेफ की छठी संतान थे। 25 अप्रैल 1984 को रॉबर्ट एफ केनेडी के चौथे बेटे डेविड ए केनेडी (29) की मौत हो गई। वजह ड्रग ओवरडोज बताई गई। सिलसिला यहीं नहीं रुका 31 दिसंबर 1997 को रॉबर्ट एफ केनेडी की छठी संतान माइकल केनेडी (39) एक स्की हादसे में अपनी जान गंवा बैठे। 6 जुलाई 1999 को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी और उनकी पत्नी जैकलीन की दूसरी संतान जॉन केनेडी जूनियर की एक प्लेन क्रैश में मौत हो गई। इनके अलावा अन्य सदस्यों की बीमारियां भी परिवार का दुख बढ़ाती रहीं — न्यूरोलॉजिकल विकार, मानसिक स्वास्थ्य संघर्ष और कैंसर जैसे मामले लगातार सामने आए हैं। जॉन एफ केनेडी की बहन रोजमेरी केनेडी को 1941 न्यूरोलॉजिकल विकार हो गया था। उनका दिमागी संतुलन खोने लगा। पिता जोसफ ने उनका इलाज शुरू कराया। वो न बोल सकती थीं और न चल फिर सकती थीं इसके बाद वर्ष 2005 में उनकी मौत हो गई।

घुटने के चटकने पर आवाज क्यों आती है? कब मानें ये है रेड सिग्नल!

नई दिल्ली। हमारे जोड़ जब अचानक टक या कड़क की आवाज करते हैं, तो यह अक्सर एक ऐसा अनुभव होता है जिसके साथ लगभग हर इंसान कभी न कभी गुजरा है। उंगलियों के क्रैक होने से लेकर घुटनों, टखनों, गर्दन या पीठ में होने वाली आवाजें! लोग इसे कभी थकान का संकेत मानते हैं, कभी कमजोरी का, और कई बार वे इसे किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत भी समझ लेते हैं। लेकिन आधुनिक हेल्थ रिसर्च बताती है कि जोड़ का हर चटकना बीमारी नहीं होता, बल्कि इसमें कई बेहद दिलचस्प वैज्ञानिक कारण काम करते हैं। जोड़ों की यह आवाज सबसे ज्यादा उन जगहों पर सुनाई देती है जहां हड्डियां आपस में नहीं रगड़तीं बल्कि उनके बीच एक मुलायम और चिकना लुब्रिकेंट यानी सिनोवियल फ्लूइड मौजूद रहता है। जब हम अचानक किसी जोड़ को खींचते हैं या मोड़ते हैं, तो उसके भीतर मौजूद गैस के छोटे-छोटे बुलबुले तेजी से टूटते हैं। वैज्ञानिक इस प्रक्रिया को कैविटेशन कहते हैं, और इसी बुलबुले के फटने से वह तेज आवाज पैदा होती है। कई एमआरआई-आधारित अध्ययनों में यह साफ दिखाई दिया है कि उंगलियों या घुटने के चटकने के तुरंत बाद जोड़ के अंदर बनने-फटने वाले गैस बुलबुलों की संख्या बढ़ जाती है, जिससे यह सिद्ध हुआ कि आवाज हड्डियों के टकराने से नहीं बल्कि इस रासायनिक-भौतिक प्रक्रिया से आती है।

फिर यह सवाल भी अक्सर उठता है कि क्या उंगलियां या घुटने बार-बार चटकाना नुकसानदेह है? इस पर पिछले दो दशकों में कई रिसर्च हुई और ज्यादातर निष्कर्ष यही मिले कि सामान्य परिस्थितियों में ऐसा करने से गठिया जैसी बीमारी नहीं होती। अब तक कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि उंगलियों को सुबह-शाम चटकाने से जोड़ घिसते हैं या हड्डियां कमजोर होती हैं। हां, बार-बार तेजी से या जोर लगाकर ऐसा करने से आसपास के लिगामेंट और टिशू थोड़े ढीले हो सकते हैं, जिससे कुछ लोगों को हल्का दर्द, जकड़न या अस्थायी सूजन महसूस हो सकती है। घुटने खासतौर पर चटकने की वजह से चर्चा में रहते हैं क्योंकि घुटना शरीर के सबसे जटिल और ज्यादा उपयोग किए जाने वाले जोड़ों में से एक है। उम्र बढ़ने, मांसपेशियों की कमजोरी, मोटापे या लंबे समय तक बैठने के कारण घुटने के जोड़ों की हरकत में हल्की अनियमितता आ जाती है। कई बार यह आवाज़ इसलिए होती है कि टेंडन या लिगामेंट अपनी जगह से हल्का-सा फिसलते हुए वापस लौटते हैं, जिससे पॉप जैसी ध्वनि होती है। यह सामान्य है और दर्द न होने पर आमतौर पर किसी बीमारी का संकेत नहीं माना जाता। लेकिन यदि आवाज के साथ दर्द, सूजन, लॉकिंग या चलने में असहजता महसूस हो, तो यह कार्टिलेज की क्षति, मेनिस्कस की समस्या या शुरुआती ऑस्टियोआर्थराइटिस का संकेत हो सकता है, जिसकी जांच करवाना जरूरी होता है।

पीटर ओ'टूल: ऑस्कर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड इनके नाम, 8 बार नामांकित लेकिन कभी नहीं जीता

नई दिल्ली। दुनिया ने पीटर ओ'टूल को 14 दिसंबर 2013 को खो दिया। हॉलीवुड का वो अभिनेता जिसने अभिनय को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि उसे सांस की तरह जिया। लॉरेंस ऑफ अरेबिया जैसी महान फिल्मों से दुनिया भर में पहचाने जाने वाले ओ'टूल का जीवन उतना ही नाटकीय था जितना उनके किरदार।

आयरलैंड में जन्मे पीटर का शुरुआती जीवन गरीबी, उथल-पुथल और अनिश्चितताओं से भरा था। थिएटर के मंच से हॉलीवुड तक का सफर आसान नहीं था, लेकिन उनमें एक आग थी। कला के लिए पागलपन जैसी ललक स्पष्ट दिखती थी। यही उन्हें भीड़ से अलग कर देती थी। वे जब कैमरे के सामने आते, तो लगता कि किरदार उनके भीतर की किसी दूसरी दुनिया से बाहर आ रहा है। उनके अभिनय में ऐसा तेज था कि दर्शक उनकी आंखों में छुपा दर्द, गुस्सा, रोमांच और बेचैनी सब महसूस कर लेते थे।

लेकिन जितनी रोशनी परदे पर थी, उतनी ही तन्हाई उनके निजी जीवन में थी। शराब ने उनके स्वास्थ्य को छलनी कर दिया, रिश्तों ने उन्हें टूटने से बचाने की कोशिश की लेकिन वे खुद से लगातार लड़ते रहे। उनके अंदर एक कलाकार था जो हर दिन दुनिया से आगे निकल जाना चाहता था, और एक इंसान था जो धीरे-धीरे अपनी ही परछाइयों में खोता जा रहा था। यही विरोधाभास पीटर ओ'टूल को इतना असाधारण बनाता है।

वे आठ बार ऑस्कर के लिए नामांकित हुए, लेकिन एक बार भी जीत नहीं पाए। फिर भी हॉलीवुड ने एक अनोखा सम्मान दिया—ऑनरेरी एकेडमी अवॉर्ड (मानद ऑस्कर अवॉर्ड)—क्योंकि ओ'टूल ने वह हासिल किया था जो ट्रॉफियां नहीं माप सकतीं और वह है दर्शकों के दिलों में बसने का हुनर। उन्होंने यह पुरस्कार अनमने भाव से स्वीकार किया, क्योंकि उन्हें लगता था कि अभी भी उनके भीतर बहुत कुछ बाकी है, कि उनका सफर अभी खत्म नहीं हुआ। यह जिद, यह जज्बा, यही उन्हें प्रेरक बनाता है।

अंतिम दिनों में वे अस्पताल के कमरे में थे, जहां रोशनी की जगह खामोशी का साया था। लेकिन दुनिया जानती थी कि यह वही आदमी है जिसने कैमरे की हर रोशनी को अपने अंदर जज्ब कर लिया था। 14 दिसंबर को जब उनका दिल धड़कना बंद हुआ, तो हॉलीवुड ने सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक दौर खो दिया—वह दौर जब कला दिल की गहराइयों से निकलती थी, और अभिनेता किरदारों की आत्मा बन जाते थे।

पीटर ओ'टूल की कहानी इसलिए दुखद है क्योंकि यह उस प्रतिभा की कहानी है जो अपनी ही आग में धीरे-धीरे जलती गई। वे चले गए, पर पर्दे पर उनकी आंखें आज भी चमकती हैं, जैसे कह रही हों—असली कलाकार कभी पूरी तरह विदा नहीं होते।

अचानक ही गायब हो गई क्यूबेक की 'लेक रूज', नासा ने सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए दिखाई सच्चाई

नई दिल्ली। मई 2025 में अचानक एक हकीकत से कनाडा रूबरू हुआ। क्यूबेक प्रांत की ये सच्चाई भयावह थी। यहां की एक झील 'लेक रूज' अचानक गायब हो गई! महीनों बाद ये घटना सुर्खियों में इसलिए है क्योंकि अब इसे लेकर ठोस वैज्ञानिक तथ्य और सैटेलाइट अध्ययन सामने आ चुके हैं।

झील जो मई 2025 में अचानक सूख गई थी, उस समय इसे स्थानीय और असामान्य प्राकृतिक घटना मानकर ज्यादा तवज्जो नहीं दी गई। बाद में जब अंतरिक्ष से ली गई तस्वीरों और वैज्ञानिक विश्लेषण ने इसके पीछे की पूरी प्रक्रिया को दर्ज किया, तब यह मामला वैश्विक मीडिया और शोध जगत में चर्चा का विषय बना।

इस घटना को लेकर सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अध्ययन नासा अर्थ ऑब्जर्वेटरी ने प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था 'द डिसअपीयरेंस ऑफ लेक रूज।' यह अध्ययन 13 जुलाई 2025 को जारी किया गया। इसमें लैंडसैट-9 सैटेलाइट के ओएलआई-2 उपकरण से ली गई उच्च-रिजॉल्यूशन तस्वीरों का विश्लेषण किया गया। इन तस्वीरों से यह साफ हुआ कि लेक रूज ने 29 अप्रैल 2025 और 14 मई 2025 के बीच लगभग पूरा पानी खो दिया। जून 2024 में जहां झील पूरी तरह भरी हुई दिखाई देती थी, वहीं जून

2025 की तस्वीरों में उसकी जगह सूखी और खाली जमीन दिखी।

नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, सैटेलाइट डेटा से यह भी प्रमाणित हुआ कि झील का पानी धीरे-धीरे नहीं बल्कि एक झटके में बाहर निकला। पानी ने एक नया प्राकृतिक रास्ता बनाया और लगभग 10 किलोमीटर तक बहते हुए पास की एक अन्य झील में चली गई। इस तरह के अचानक जल-निकास को भूविज्ञान की भाषा में 'आउटबर्स्ट फ्लड' कहा जाता है, जो आमतौर पर ग्लेशियर झीलों में देखा जाता है, लेकिन सामान्य झीलों में यह बेहद दुर्लभ है। इसके बाद अगस्त 2025 की शुरुआत में अंतरिक्ष और विज्ञान से जुड़ी वेबसाइटों जैसे 'स्पेस डॉट कॉम' और अन्य सैटेलाइट-आधारित विश्लेषण रिपोर्टों ने भी लैंडसैट-9 के डेटा के आधार पर नासा के निष्कर्षों की पुष्टि की। इन रिपोर्टों ने यह दिखाया कि झील के किनारों की मिट्टी और प्राकृतिक बांध पहले से कमजोर थे और भारी बर्फ पिघलने के कारण पानी का दबाव अचानक बढ़ गया, जिससे झील का संतुलन टूट गया।

इन्हीं वैज्ञानिक तथ्यों के सामने आने के बाद सवाल पूछा जाने लगा है कि क्या इसे केवल एक प्राकृतिक दुर्घटना माना जाए या फिर जंगलों की कटाई, पुरानी वन-आग और जलवायु परिवर्तन जैसी मानवीय गतिविधियों ने इस घटना की संभावना को और बढ़ा दिया। इस तरह लेक रूज का मामला अब सिर्फ एक झील के गायब होने की कहानी नहीं रह गया, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन पर चल रही वैश्विक बहस का हिस्सा बन गया है।

जेनिफर कॉनेली: 3 दशक बाद भी रोशनी फीकी नहीं पड़ी, कला को हमेशा तरजीह दी

नई दिल्ली। जेनिफर कॉनेली की कहानी हॉलीवुड के उन चेहरों में से है जो कभी शोर नहीं मचाते, लेकिन अपनी मौजूदगी से सिनेमा के इतिहास पर एक स्थायी छाप छोड़ जाते हैं। उनके करियर की शुरुआत एक टीन मॉडल से हुई—मैगजीन के कवर, टीवी विज्ञापन और छोटे फोटो शूट। बहुत कम उम्र में, जब हॉलीवुड के ज्यादातर बच्चे कैमरों की चमक में खो जाते हैं, जेनिफर ने शांति से खुद को आकार देना चुना। उनका मन अभिनय की कला में था, न कि शोहरत के शोर में।

12 दिसंबर 1970 को जन्मी जेनिफर को पहली बड़ी पहचान 1986 की लैब्रिन्थ से मिली, जहां डेविड बॉवी जैसे दिग्गज कलाकार के साथ काम करते हुए वे अचानक दुनिया के सामने आ गईं। लेकिन इस सफलता के बाद भी उनके करियर ने हॉलीवुड की आम कहानी जैसा कोई सीधा रास्ता नहीं अपनाया। कई फिल्में चलीं, कई नहीं चलीं, कई समीक्षकों के बीच गूंज उठीं और कई अनदेखी रह गईं। यह दौर किसी युवा अभिनेत्री को तोड़ सकता था, लेकिन जेनिफर ने खुद को नई तरह से ढालना सीखा—वह चमकती कम थीं, टिकती ज्यादा थीं; और यही गुण बाद में उनकी पहचान बना।

उनकी जिंदगी का सबसे महत्त्वपूर्ण मोड़ आया

2000 में 'रिक्विम फॉर अ ड्रीम' से। यह फिल्म आसान नहीं थी—आवेश, पीड़ा, रिश्तों में दरार और मानसिक अंधेरे से भरी कहानी। जेनिफर ने इसे सिर्फ अभिनय की तरह नहीं निभाया, बल्कि इस किरदार में ढल गईं। इसके बाद आई 'ए ब्युटिफुल माइंड', ऐसी फिल्म जिसने उन्हें ऑस्कर थमाया, लेकिन शायद इससे भी बड़ी बात यह थी कि यह फिल्म उनकी आत्म-विश्वास की पुनर्जन्म कथा बन गई।

हॉलीवुड में, जहां ग्लैमर, विवाद और सनसनी से करियर परिभाषित होते हैं, जेनिफर कॉनेली ने हमेशा शोर से दूरी बनाए रखी। वह हमेशा अपनी फिल्मों, अपनी भूमिकाओं, अपने परिवार और अपने नैतिक संतुलन को महत्व देती रहीं। कई बार उन्होंने बड़े बजट की फिल्में छोड़कर ऐसी कहानियां चुनीं जिनमें दर्द था, संवेग थे, और इंसानी जटिलता थी।

उनकी व्यक्तिगत यात्रा भी कम प्रेरणादायक नहीं। उन्होंने समय के साथ लोकप्रियता, आलोचना, सफलता और गिरावट—सब देखा। मानसिक संतुलन बनाए रखने, खुद को लगातार सुधारने और जीवन के हर मोड़ पर खुद के प्रति ईमानदार रहने के कारण जेनिफर कॉनेली उन दुर्लभ कलाकारों में गिनी जाती हैं जो सिर्फ अच्छी अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक गहरा मानवीय उदाहरण हैं।

आज वह बड़े सुपरहिट प्रोजेक्ट्स जैसे 'टॉप गन: मैवरिक' में भी नजर आती हैं और टीवी पर भी। चैरिटी के भी कई काम करती हैं।

बेटी की गैरमौजूदगी में खोई दिखीं दिव्या सेठ, जन्मदिन पर शेयर की दिल छू लेने वाली यादें

मुंबई। मशहूर अभिनेत्री दिव्या सेठ शाह अपनी इकलौती बेटी के निधन के बाद अब धीरे-धीरे उबर रही हैं। गुरुवार को दिव्या का जन्मदिन है। इस मौके पर उन्होंने अपनी बेटी को याद करते हुए एक भावुक नोट शेयर किया।

दिव्या ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर जन्मदिन की कुछ खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो पोसट किए। इन वीडियो में वे अपने दोस्तों के साथ नजर आ रही है लेकिन साथ ही वे अपनी बेटी की गैर मौजूदगी में खोई हुई हैं।

अभिनेत्री ने बेटी को याद करते हुए लिखा, 'एक और दिन तुम्हारे बिना, एक और साल तुम्हारे बिना लेकिन तुमने मुझे बहुत प्यार दिया। तुमने मुझे ढ़ेर सारी यादें दीं। मुझे पता है कि तुम हर जगह हो। मैं जानती हूं कि एक दिन तुमसे मुलाकात होगी और जाना भी तुम्हारा फैसला था, लेकिन अभी के लिए मुझे तुम्हारे नरम हाथों को अपने हाथों में लिए बिना जीना होगा और तुम्हारी खुश आवाज को गाते हुए सुनने के बिना रहना होगा।

पोस्ट शेयर करने के बाद दिव्या के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री लिटिल दुबे ने कमेंट सेक्शन पर लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, प्रिय दिव्य! वे सब हमारे अंदर ही रहते हैं...कभी पूरी तरह चले नहीं जाते। बड़ी सी झप्पी।

दिव्या सेठ शाह ने अपनी बेटी मिहिका शाह को अगस्त 2024 में खोया था। दरअसल, अभिनेत्री की इकलौती बेटी काफी समय से बीमारी से जूझ रही थीं और 5 अगस्त को दौरा पड़ने के बाद अभिनेत्री की जिंदगी को वीरान करके इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसकी पुष्टि अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से की थी। अभिनेत्री दिव्या सेठ मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई शानदार प्रोजेक्ट्स में काम किया है।

हनी सिंह और बादशाह के 'वॉल्यूम 1' को दिल्ली हाईकोर्ट ने दिए हटाने के आदेश, बताया- महिलाओं के प्रति अपमानजनक

नई दिल्ली। रैपर बादशाह के 'टटीरी' और नोरा फतेही और संजय दत्त के 'सरके चुनर तेरी' के बाद अब हनी सिंह और बादशाह के 26 साल पुराने गाने 'वॉल्यूम 1' पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने गाने को सभी सोशल मीडिया और संगीत स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि न्यायालय की अंतरात्मा इस गीत को देखकर झकझोर जाती है। यह गीत अत्यंत अपमानजनक और अश्लील है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि यह गीत महिलाओं के प्रति घोर अभद्र, अश्लील और अपमानजनक है और कोई भी सभ्य समाज इस तरह की सामग्री को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रहने की अनुमति नहीं दे सकता।

साल 2000 के इस गाने को लेकर रिलीज के समय भी विवाद हुआ था, लेकिन उस वक्त बादशाह ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि उन्होंने गाने के बोल नहीं लिखे हैं, जिसके बाद हनी सिंह ने एक इवेंट में स्वीकार किया था कि गाना उन्होंने ही लिखा है।

'वॉल्यूम 1' को हनी सिंह ने हिप-हॉप ग्रुप 'माफिया मुंडीर' के शुरुआती दौर में गाया था, हालांकि बाद में यह ग्रुप टूट गया। इस ग्रुप में हनी सिंह के अलावा, रफ्तार, बादशाह, मनी औजला, लिल गोलू और दे स्टार जैसे कलाकार शामिल थे। बाद में सभी ने सिंगल गाने रिलीज करने का फैसला लिया था।

इससे पहले हनी सिंह के कॉन्सर्ट में दिल्ली की सर्दी और लड़कियों को लेकर दिए बयान की भी खूब आलोचना हुई थी।

सतिंदर सरताज ने हासिल की उपलब्धि, बिलबोर्ड की लिस्ट में शामिल हुआ 'धुरंधर' का गाना

मुंबई। पंजाबी गायक सतिंदर सरताज ने फिल्म 'धुरंधर : द रिवेंज' के गाने 'जाइए सजना' में दो लाइनें गाकर हर किसी को रुला दिया। इसमें सतिंदर सरताज और जेस्मिन सैंडलस की आवाज है। गाने की संगीत रचना शश्वत सचदेव ने की है। रिलीज के बाद से ही गाने ने काफी लोकप्रियता हासिल कर ली थी और अब इस गाने ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है।

दरअसल, सुपहिट गाना 'जाइए सजना' बिलबोर्ड कैनेडियन हॉट 100 चार्ट पर 58वें स्थान पर पहुंच गया है।

इस खुशी के मौके पर सतिंदर ने अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी सह-गायिका जेस्मिन सैंडलस की तस्वीर शेयर की। गायक ने लिखा, 'जैस्मीन सैंडलस और सतिंदर सरताज का सुपरहिट गाना 'जाइए सजना' बिलबोर्ड कैनेडियन हॉट 100 पर 58वें स्थान पर पहुंच गया है। सतिंदर ने आगे पूरी टीम को बधाई देते हुए लिखा, 'आदित्य धर, शाश्वत सचदेव, जैसमिन सैंडलस, जियोहॉटस्टार और रणवीर सिंह को बहुत-बहुत बधाई।

फिल्म 'धुरंधर : द रिवेंज' का गाना 'जाइए सजना' सतिंदर सरताज ने लिखा और गाया है। हालांकि, गाने में ज्यादातर हिस्सा जैस्मिन सैंडर्स ने गाया है और इसकी बस दो लाइनें ही सतिंदर की हैं, लेकिन उन दो लाइनों ने ही सभी के दिलों में जादू कर दिया है। उनकी आवाज इतनी रूहानी है कि उसने हर किसी के दिल को छुआ है। उनकी आवाज इस गाने में जसकीरत के हाल को बयां करती है, क्योंकि गाने में जब-जब जसकीरत अपने परिवार को अंदर आते हुए देखता है, तो उसके अंदर जो खालीपन होता है, वह इन दो लाइनों में पूरी तरह से झलक उठता है।

सतिंदर सरताज गायक और पंजाबी भाषा के कवि हैं। सूफी दर्शन में गहरी पकड़ रखने वाले उनके संगीत में पंजाबी लोक परंपराओं, शास्त्रीय प्रशिक्षण और गीत-लेखन का अनोखा मेल देखने को मिलता है। उनके कार्यक्रम अक्सर साधारण संगीत समारोहों से अलग अधिकतर कविता के इर्द-गिर्द बसी महफिलों जैसे होते हैं, जहां दर्शक सिर्फ धुन के साथ ही नहीं, बल्कि शब्दों के साथ भी ताल मिलाते हैं। आज, उन्हें उन सबसे खास आवाजों में गिना जाता है, जो पंजाबी सूफी संगीत को आधुनिक युग में आगे बढ़ा रही हैं।

दिलचस्प बात ये है कि गायक अपने गाने किसी स्टूडियो में रिकॉर्ड नहीं करते, बल्कि वह उसे घर के ही एक छोटे से कमरे में रिकॉर्डिंग करते हैं। दरअसल, सतिंदर ने अपने घर में एक छोटा सा रिकॉर्डिंग रूम बनवाया है, जहां वे इसे रिकॉर्ड करते हैं।

मोनालिसा के आरोपों पर रजत दलाल का पलटवार, बोले- उनका गुस्सा उनकी समस्या, मुझ पर कोई असर नहीं

मुंबई। रियलिटी शो 'द 50' के खत्म होने के बाद भी कंटेस्टेंट्स के बीच का विवाद अब भी चर्चा का विषय बन गया है। इस बार चर्चा में हैं रजत दलाल और मोनालिसा, जिनके बीच का टकराव लगातार खबरों में बना हुआ है।

दरअसल, मोनालिसा ने हाल ही में कई इंटरव्यू में रजत दलाल पर आरोप लगाया था कि उन्होंने गेम के दौरान उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत की बुराई की। मोनालिसा ने कहा, ''रजत में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सामने आकर विक्रांत से बात कर सकें।'' उनके इन बयान के बाद यह मामला और ज्यादा तूल पकड़ने लगा और फैंस के बीच भी इस पर चर्चा शुरू हो गई।

अब इस पूरे मामले पर रजत दलाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मोनालिसा का गुस्सा उनका अपना है और इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

रियलिटी शो 'द 50' की बात करें तो यह एक ऐसा शो था, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों से आए 50 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया था।

इस शो के दौरान कई कंटेस्टेंट्स के बीच दोस्ती और टकराव दोनों देखने को मिले, जो दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प रहे।

इस शो के विजेता शिव ठाकरे बने, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को पीछे छोड़ दिया। वहीं, शो में निक्की तंबोली, रिद्धि डोगरा, प्रिंस नरूला, युविका चौधरी, दिव्या अग्रवाल, अर्चना, करण पटेल, और उर्वशी ढोलकिया जैसे कई चर्चित चेहरे भी नजर आए थे।

रजत दलाल की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने हाल ही में अपनी शादी की खबर से सभी को चौंका दिया। उन्होंने कुछ दिन पहले ही शादी की थी।

दूसरी ओर, मोनालिसा और विक्रांत सिंह राजपूत की जोड़ी लंबे समय से चर्चा में रही है। दोनों ने साल 2017 में रियलिटी शो 'बिग बॉस' के दौरान ही शादी की थी, जिसे पूरे देश ने टीवी पर देखा था। यह शादी उस समय काफी चर्चा में रही थी और आज भी दोनों की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं।

सीखने से शुरू हुआ सफर अब जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया : अमिताभ बच्चन

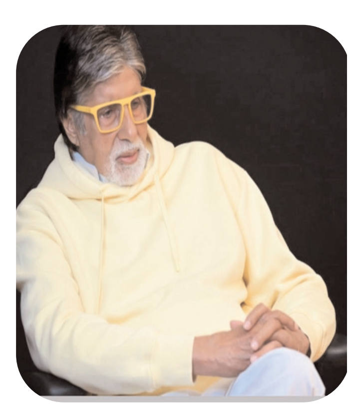

मुंबई। हिंदी सिनेमा के मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग पर काफी सक्रिय रहते हैं और इसके माध्यम से अपने मन के भाव फैंस तक पहुंचाते रहते हैं। गुरुवार को उन्होंने ब्लॉग के मतलब और उसके विकास के बारे में बात की।

अमिताभ ने बताया कि ब्लॉग की शुरुआत सीखने की प्रक्रिया से हुई थी, धीरे-धीरे यह उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया। इसमें निरंतरता है, जो जीवन की अनिश्चितताओं के बीच भी बनी रहती है।

उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, 'हर उस चीज के लिए हमेशा एक सही समय और जगह होती है, जिसके करने, मानने और पूरा करने की जरूरत होती है।

उन्होंने अपने ब्लॉग को सिर्फ एक प्लेटफॉर्म नहीं बल्कि एक खास जगह बताया। अभिनेता ने कहा कि यह उन्हें दुनिया भर के लोगों से जोड़ती है। उन्होंने लिखा, 'ब्लॉग हम सबको जोड़ता है। कभी-कभी यह हमें दूर ले जाता है, तो कभी हमेशा उपस्थित रहने की कोशिश करता है।

बच्चन ने आगे लिखा, 'लेकिन यह हमेशा आने और अपनी हाजिरी लगाने की कोशिश करता है। तो जो चीज सीखने के तौर पर शुरू हुई थी, वह अब एक सीखी हुई चीज बन गई है।

अमिताभ बच्चन 80 से अधिक उम्र में भी काफी सक्रिय और संवेदनशील दिखते हैं। उनका ब्लॉग उनके व्यक्तित्व का आईना है, जहां वे बिना किसी फिल्टर के अपने विचार सभी के सामने रखते हैं।

अमिताभ बच्चन का ब्लॉग उनके प्रशंसकों (जिन्हें वह एक्सटेंडड फैमिली कहते हैं) से जुड़ने का एक प्रमुख माध्यम है। अमिताभ बच्चन ने 2008 में टम्बलर ब्लॉग की शुरुआत की थी और 2025 में ब्लॉगिंग के 17 साल पूरे किए। वह अक्सर पोस्ट करते हैं।

ब्लॉग में वह अपने जीवन, संघर्ष और हरिवंश राय बच्चन की कविताओं से प्रेरित होकर मानवीय अनुभवों के बारे में लिखते हैं। अभिनेता का मानना है कि ब्लॉग उन्हें सीधे अपने प्रशंसकों से जुड़ने का मौका देता है, बिना किसी दूसरे माध्यम के। यह उनके विचारों, भावनाओं और उनके जीवन के दर्शन को करीब से जानने का एक जरिया है।

'धुरंधर' के गाने पर रश्मि देसाई ने किया कथक डांस, एक्सप्रेशन ने जीता फैंस का दिल

मुंबई। सोशल मीडिया पर इन दिनों फिल्मों के गानों पर रील्स और डांस वीडियो का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इस कड़ी में टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने 'धुरंधर' के गाने 'गहरा हुआ' पर डांस वीडियो बनाया।

अब उनका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो की खास बात यह है कि इसमें रश्मि ने बैठे-बैठे ही अपनी अदाओं और एक्सप्रेशंस से सबका दिल जीत लिया। रश्मि देसाई ने इस डांस वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया, जिसमें उनका अंदाज बेहद सादगी भरा नजर आ रहा है। उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा- 'देसी और ग्रेसफुल। वीडियो में रश्मि पारंपरिक अंदाज में नजर आ रही हैं। गाने की लाइन्स पर उनके चेहरे के एक्सप्रेशन और हाथों की नजाकत मैच कर रही हैं। उनके इस सादगी को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस डांस की सबसे खास बात यह है कि रश्मि ने इसे कथक स्टाइल में पेश किया है। आमतौर पर कथक एक ऐसा नृत्य है जिसमें पैरों की थाप और घूमने वाले मूवमेंट्स अहम होते हैं लेकिन रश्मि ने इसे बैठे-बैठे ही इतने शानदार तरीके से किया कि हर कोई कमेंट्स में उनकी तारीफ कर रहा है।

एक यूजर ने लिखा, 'आपके एक्सप्रेशंस कमाल के हैं, नजर नहीं हट रही।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'अरिजीत सिंह के गाने पर इतना शानदार कथक, परफेक्ट कॉम्बिनेशन। अन्य यूजर्स ने लिखा, 'देसी वाइब्स + एलिगेंस = रश्मि देसाई।' अब बात करें 'गहरा हुआ' गाने की, तो यह फिल्म 'धुरंधर' का एक सॉफ्ट ट्रैक है। इस गाने को मशहूर सिंगर अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। वहीं गाने के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। वहीं इसका म्यूजिक शाशवत सचदेव ने तैयार किया है। बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' को लोगों ने काफी पसंद किया था, अब इसके स्क्वील को भी दर्शक काफी पसंद रहे है। फिल्म में रणवीर सिंह का किरदार हमजा अली मजारी भारतीय खुफिया एजेंट रॉ के रूप में अपने गुप्त मिशन पर है। वह पाकिस्तान में ल्यारी से लेकर कराची तक की सत्ता में घुसपैठ करता है और धीरे-धीरे वहां के आपराधिक गिरोहों और पाकिस्तान की राजनीतिक सत्ता में अपनी जगह भी बनाता है।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस: जेल में बैठे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के संपर्क में था गोलू पंडित, वीपीएन के जरिए करता था बातें

मुंबई। मुंबई में फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग के मामले में अब एक बेहद चौंकाने वाला अपडेट सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस केस में गिरफ्तार आरोपी गोलू पंडित उर्फ प्रदीप शर्मा का सीधा संपर्क कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से था।

पूछताछ के दौरान गोलू ने दावा किया कि वह एक मिडल मैन के जरिए वीपीएन का इस्तेमाल कर गैंग के सरगना और अमेरिका में बैठे हेरी बॉक्सर से संपर्क में था। मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, गोलू पंडित पर्दे के पीछे रहकर पूरे नेटवर्क को संभाल रहा था। जांच एजेंसियों का कहना है कि गोलू ने कनेक्टर की भूमिका निभाई, यानी उसने शूटर और गैंग के लोगों के बीच पुल का काम किया। उसने मुख्य शूटर दीपक को गैंग से जुड़े लोगों से मिलवाया और उसे इस वारदात के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि घटना के बाद गोलू पंडित फरार हो गया था ।

इंडोनेशिया में 7.4 तीव्रता का जबरदस्त भूकंप ,सुनामी आने की चेतावनी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया में गुरुवार को जबरदस्त भूकंप के झटके महसूस हुए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.4 रही। अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि गुरुवार तड़के पूर्वी इंडोनेशिया के तट से दूर समुद्र में 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया। जापान, इंडोनेशिया और फिलीपींस समेत कुछ ऐसे देश हैं, जहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस होते हैं।

गुरुवार को झटके के बाद एक अमेरिकी निगरानी एजेंसी ने भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में सुनामी की संभावना को लेकर चेतावनी जारी की।

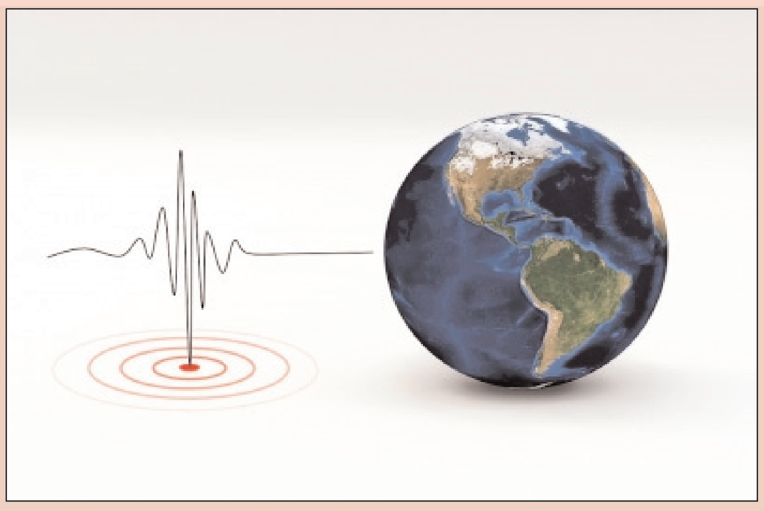

यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र 1.20 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 126.35 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। चीन के भूकंप नेटवर्क केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, यह भूकंप लगभग 30 किलोमीटर की गहराई पर आया।यूएसजीएस ने आगे बताया कि यह भूकंप, जिसकी तीव्रता शुरू में 7.8 मापी गई थी, स्थानीय समय के अनुसार सुबह लगभग 6:48 बजे मोलुक्का सागर में आया।

जापान, फिलीपींस और इंडोनेशिया में बार-बार भूकंप आने का मुख्य कारण इन देशों का 'पैसिफिक रिंग ऑफ फायर' में स्थित होना है। ये देश कई बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों (जैसे प्रशांत, यूरेशियन और फिलीपीन प्लेट) के मिलन स्थल पर स्थित हैं।

इसी वजह से यहां प्लेटों के आपस में टकराने, रगड़ने या एक-दूसरे के नीचे धंसने से भारी ऊर्जा निकलती है, जो भूकंप का रूप लेती है। रिंग ऑफ फायर एक अति सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र है, जहां 80 फीसदी भूकंप आते हैं। जापान चार प्रमुख प्लेटों, पैसिफिक, फिलीपीन सी, यूरेशियन और उत्तरी अमेरिकी प्लेटों के मिलन बिंदु पर स्थित है। इंडोनेशिया इंडो-ऑस्ट्रेलियाई, यूरेशियन और प्रशांत प्लेटों की सीमा पर स्थित है। इसके अलावा फिलीपींस फिलीपीन सागर प्लेट और यूरेशियन प्लेट के बीच स्थित है।

रिंग ऑफ फायर के सबसे उच्च जोखिम वाले रेड जोन में एशिया के जापान, फिलीपींस, इंडोनेशिया और ताइवान देश, उत्तरी अमेरिका का अलास्का का तटीय क्षेत्र और कैलिफोर्निया का सैन एंड्रियास फॉल्ट इलाका, दक्षिण अमेरिका के चिली और पेरू का तटीय क्षेत्र और ओशिनिया का न्यूजीलैंड (विशेषकर उत्तरी द्वीप) और पापुआ न्यू गिनी स्थित है। इसके अलावा ऑरेंज जोन में मध्य अमेरिका का ग्वाटेमाला, अल साल्वाडोर, निकारागुआ और कोस्टा रिका; उत्तरी अमेरिका का मेक्सिको का मध्य भाग और कनाडा का पश्चिमी तट (ब्रिटिश कोलंबिया); दक्षिण अमेरिका का इक्वाडोर और कोलंबिया; और प्रशांत द्वीप का फिजी, टोंगा और सोलोमन द्वीप समूह शामिल है।

येलो जोन में एशिया में मलेशिया के कुछ हिस्से और वियतनाम का तटीय इलाका, पश्चिमी अमेरिका के वे राज्य जो तट से थोड़े अंदर की ओर हैं (जैसे ओरेगन और वाशिंगटन के आंतरिक हिस्से) और ओशिनिया के ऑस्ट्रेलिया का उत्तरी भाग (जो इंडोनेशिया के करीब है) शामिल है।

पीएम अल्बानीज ने नाटो देशों को ट्रंप की धमकी पर टिप्पणी से किया इनकार

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के बाद तनाव कम करने की अपील की है। दरअसल, ट्रंप ने देश के नाम अपने संबोधन में दावा किया कि ईरान के खिलाफ युद्ध में वॉशिंगटन के मुख्य रणनीतिक लक्ष्य लगभग पूरे होने वाले हैं।

पीएम अल्बानीज ने कैनबरा में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि यह साफ नहीं है कि और क्या हासिल करने की जरूरत है। ऑस्टेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के बयान पर टिप्पणी करना थोड़ा मुश्किल है, जो मुझे लगता है, कुछ हद तक तब दिया गया जब मैं यहां बैठा था। ईरान के खिलाफ कार्रवाई शुरू करते समय राष्ट्रपति ट्रंप ने जो लक्ष्य बताए थे, वे काफी हद तक हासिल हो गए हैं और हम तनाव कम होते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'अब जब वे लक्ष्य पूरे हो गए हैं, तो यह साफ नहीं है कि और क्या हासिल करना है या एंड पॉइंट कैसा दिखेगा। यह स्पष्ट है कि युद्ध जितना लंबा चलेगा, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उतना ही ज्यादा असर पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में नाटो समेत अन्य देशों को धमकी दी।

इसे लेकर पीएम अल्बानीज से पूछा गया कि क्या इससे एयूकेयूएस साझेदारी को मिलने वाले लोगों के समर्थन को लेकर सवाल किया गया तो प्रधानमंत्री ने ट्रंप की आलोचना करने से इनकार कर दिया और जोर देकर कहा कि वह अभी भी उनके साथ अच्छे से काम कर रहे हैं। ह्यप्रधानमंत्री अल्बानीज ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के तौर पर मेरा काम दुनिया के नेताओं के साथ संबध बनाना है। मैं यही करता हूं और मैंने यही किया है। आपके कुछ साथियों को इस बात पर थोड़ा शक है कि मैं ऐसा कर पाऊंगा या नहीं, फिर भी हम बात कर पा रहे हैं। हमारी तीन बार आमने-सामने मुलाकात हुई है, कई बार फोन पर बात हुई है। यह जरूरी है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया के इंटरेस्ट में है। मेरी सरकार को सच में गर्व है कि हमने अपने ट्रेडिशनल साझेदारों, अमेरिका और ब्रिटेन के साथ अपने संबंध मजबूत किए हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन हमने यह नहीं कहा कि यह काफी है। हम असल में मानते हैं कि हमने चीन के साथ संबंध सुधारे हैं। हमने आसियान देशों के साथ संबंध मजबूत किए हैं, अपने उत्तर एशिया व्यापारिक साझेदारों, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ संबंध मजबूत किए हैं।

भारत में ईरानी राजदूत ने अमेरिका-इजरायल पर फार्मास्यूटिकल हब को निशाना बनाने का लगाया आरोप

तेहरान । ईरान ने अमेरिका और इजरायल पर देश के फार्मास्यूटिकल हब को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथाली ने एक तस्वीर साझा कर कहा कि हजारों गंभीर रूप से बीमार मरीज इंसानी तबाही के कगार पर आ गए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ईरानी राजदूत फथाली ने लिखा, 'ईरान के फार्मास्यूटिकल हब को टारगेट करने से हजारों गंभीर रूप से बीमार मरीज इंसानी तबाही के कगार पर आ गए हैं। मानवाधिकार विशेषज्ञ इसे 'युद्ध अपराध' का साफ और खुला उदाहरण मानते हैं। आधुनिक बर्बरता।

इराक में अमेरिकी दूतावास ने एक बयान जारी कर कहा है कि इराक में ईरान से जुड़े मिलिशिया समूह अगले 24-48 घंटों में सेंट्रल बगदाद में हमले करने का विचार कर सकते हैं। इसमें संभावित टारगेट के तौर पर अमेरिकी नागरिक, बिजनेस, यूनिवर्सिटी, डिप्लोमैटिक फैसिलिटी, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर, होटल, एयरपोर्ट, और दूसरी जगहें जो अमेरिका से जुड़ी मानी जाती हैं, साथ ही इराकी संस्थान और सिविलियन टारगेट को लिस्ट में शामिल किया गया है। दूतावास ने बताया कि दो दिन पहले बगदाद में एक अमेरिकी पत्रकार के अपहरण की खबरों के बाद मिलिशिया ने अमेरिकियों को अपहृत करने के लिए टारगेट किया है। दूतावास ने चेतावनी दी, 'अमेरिकी नागरिकों को अब इराक छोड़ देना चाहिए।

काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने ईरान को 'वापस पाषाण युग में भेजने' की ट्रंप की धमकी की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि ये बातें मुस्लिम विरोधी, नस्लवादी और अमानवीय हैं। सीएआईआर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट करना एक वॉर क्राइम है। इसके साथ ही उन्होंने सांसदों से युद्ध रोकने के लिए कार्रवाई करने की अपील की। इसमें कहा गया, ''ट्रंप सरकार ने इजरायल को हमारे देश को अमेरिकी लोगों की मर्जी के खिलाफ एक गैर-कानूनी हमले की लड़ाई में घसीटने दिया। जब अगले हफ्ते कांग्रेस वापस आएगी, तो सीएआईआर नेताओं से युद्ध शक्ति प्रस्ताव पास करने, लड़ाई बढ़ाने के लिए फंडिंग रोकने और युद्ध सचिव पीट हेगसेथ की तुरंत वॉर क्राइम के लिए जांच करने की अपील करेगा।

ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका को लिखा खुला पत्र, कहा-अमेरिकी जनता से कोई दुश्मनी नहीं

तेहरान । ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरानी जनता अमेरिकी लोगों के प्रति कोई दुश्मनी नहीं रखती है। वहीं, उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर ईरान के खिलाफ 'इज़रायल के प्रतिनिधि (प्रॉक्सी)' के रूप में लड़ने का आरोप लगाया।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने ये टिप्पणियां अमेरिकी जनता को संबोधित एक पत्र में कीं, जिसमें उन्होंने अमेरिका और इज़रायल के साथ चल रहे युद्ध को लेकर ईरान के रुख को विस्तार से बताया।

पेज़ेशकियन ने कहा, 'ईरानी लोग अमेरिका, यूरोप या पड़ोसी देशों के लोगों सहित किसी भी अन्य राष्ट्र के प्रति दुश्मनी नहीं रखते।' उन्होंने कहा, 'अपने गौरवशाली इतिहास के दौरान बार-बार विदेशी हस्तक्षेप और दबावों का सामना करने के बावजूद, ईरानियों ने हमेशा सरकारों और उनके लोगों के बीच स्पष्ट अंतर किया है। पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरान ने 'अपने आधुनिक इतिहास में कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या प्रभुत्व का रास्ता नहीं चुना,' जबकि उसे वैश्विक शक्तियों द्वारा कब्जे, आक्रमण और दबाव का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि ईरान को खतरे के रूप में प्रस्तुत करना इज़रायल द्वारा गढ़ी गई कहानी है जिसका उद्देश्य 'फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने अपराधों से वैश्विक ध्यान हटाना' है। पेज़ेशकियन ने ईरान के आसपास अमेरिकी सैन्य जमावड़े और ठिकानों का जिक्र करते हुए कहा कि इन ठिकानों से शुरू हुई अमेरिकी 'आक्रामकताएं' यह दिखाती हैं कि ऐसी सैन्य मौजूदगी कितनी खतरनाक हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आने वाले दिनों में ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले की धमकी के जवाब में उन्होंने कहा कि देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कदम 'युद्ध अपराध' हैं और इनके प्रभाव ईरान की सीमाओं से बाहर तक जाएंगे।

पेज़ेशकियन ने कहा कि अमेरिका इज़रायल के 'प्रॉक्सी' के रूप में और उसके प्रभाव में आकर ईरान के साथ युद्ध में शामिल हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इज़रायल अपने 'अवैध हितों' के लिए 'आखिरी अमेरिकी सैनिक और आखिरी अमेरिकी करदाता के पैसे तक' ईरान से लड़ना चाहता है।

उन्होंने सवाल किया, 'क्या 'अमेरिका फर्स्ट' वास्तव में आज अमेरिकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है?' उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय 'एक चौराहे पर खड़ी है।

अप्रैल में पश्चिम एशिया के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में बहरीन के स्थायी प्रतिनिधि और इस महीने के लिए परिषद के अध्यक्ष जमाल फारेस अलरोवाई ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) अप्रैल में पश्चिम एशिया संघर्ष पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें ईरान, लेबनान, गाजा और वेस्ट बैंक से जुड़े मुद्दे शामिल होंगे।

जमाल फारेस अलरोवाई ने सुरक्षा परिषद के अप्रैल के कार्यक्रम पर दैनिक ब्रीफिंग में कहा कि परिषद में बहरीन की सदस्यता चार मुख्य प्राथमिकताओं पर आधारित है।

जिसमें शांति और स्थिरता को मजबूत करना, पारंपरिक और उभरते सुरक्षा खतरों का समाधान करना, समावेशन और भागीदारी सुनिश्चित करना व बहुपक्षवाद को बढ़ावा देना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये प्राथमिकताएं परिषद के कार्य कार्यक्रम में और उससे आगे भी शामिल हैं।

अलरोवाई के अनुसार, इस महीने के लिए अध्यक्षता की प्राथमिकता मौजूदा क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय माहौल को संबोधित करना होगा, जिसमें ईरान, फिलिस्तीन, लेबनान और अन्य मुद्दों से संबंधित मामले शामिल हैं।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूएनएससी ने उन घटनाओं की भी निंदा की, जिनमें रविवार और सोमवार को लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के तीन इंडोनेशियाई शांति सैनिकों की मौत हो गई थी।

एक प्रेस बयान में सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने यूएनआईएफआईएल के प्रति अपने पूर्ण समर्थन की पुष्टि की और सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार इसके कर्मियों और परिसरों की सुरक्षा और संरक्षा व मिशन की आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने पक्षों से ऐसे कार्यों से दूर रहने का भी आह्वान किया जो शांति सैनिकों को खतरे में डाल सकते हैं।

यह याद दिलाते हुए कि शांति सैनिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से यूएनआईएफआईएल के माध्यम से इन घटनाओं की जांच करने और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों 2518 (2020) और 2589 (2021) के उद्देश्यों के अनुरूप, संबंधित सैनिक-योगदानकर्ता देश को प्रगति से अवगत कराते रहने का आह्वान किया।

उन्होंने पक्षों से सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 (2006) को पूरी तरह से लागू करने का भी आह्वान किया और लेबनान की संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और एकता के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

रविवार और सोमवार को पांच अन्य शांति सैनिक घायल हो गए थे। बयान के अनुसार, हाल के हफ्तों में ब्लू लाइन के आसपास जारी संघर्ष की पृष्ठभूमि में कई अन्य घटनाओं ने यूएनआईएफआईएल के ठिकानों को प्रभावित किया है और शांति सैनिकों को घायल किया है।

अमेरिका सुप्रीम कोर्ट में जन्मजात नागरिकता पर हुई तीखी बहस

वाशिंगटन । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में स्थानीय समयानुसार बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मजात नागरिकता समाप्त करने के उनके आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं कोर्ट में मौजूद रहे। अदालत में छिड़ी इस लंबी बहस के बाद एच-1बी वीजा और अन्य अस्थायी परमिट पर काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के बीच चिंताएं बढ़ा दी हैं।

दरअसल ट्रंप ने अमेरिकी एजेंसियों को यह निर्देश दिया था कि वे अमेरिका में जन्मे बच्चों की नागरिकता को मान्यता न दें, जिनके माता-पिता में से कोई भी अमेरिकी नागरिक या फिर ग्रीन कार्ड धारक नहीं है।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बहस करते हुए सॉलिसिटर जनरल जॉन सॉयर ने अदालत को बताया कि 14वें संशोधन के नागरिकता खंड का उद्देश्य कभी सार्वभौमिक रूप से लागू होना नहीं था। यह खंड अस्थायी वीजा धारकों या अवैध अप्रवासियों के बच्चों को नागरिकता प्रदान नहीं करता है। इसके लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति प्रत्यक्ष और तत्काल निष्ठा की आवश्यकता होती है।

साउर ने अपने तर्क को इतिहास पर आधारित बताते हुए कहा कि अमेरिकी गृहयुद्ध के बाद इस संशोधन को मुख्य रूप से मुक्त दासों और उनके वंशजों को नागरिकता की गारंटी देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस गारंटी का मूल आधार निष्ठा थी, जो वैध निवास से जुड़ी थी न कि केवल अमेरिकी धरती पर जन्म होना। अस्थायी वीजा पर रहने वाले लोगों के बच्चे उस कसौटी पर खरे नहीं उतरते। उन्होंने न्यायाधीशों से कहा कि सभी जन्मों को स्वत: नागरिकता प्रदान करना अमेरिकी नागरिकता के अमूल्य और गहन उपहार का अपमान करता है। जस्टिस सैमुअल एलिटो ने यह सवाल उठाया कि क्या एक सामान्य संवैधानिक नियम को अवैध अप्रवासन जैसी आधुनिक स्थितियों पर लागू किया जा सकता है, जो 1868 में उसी रूप में मौजूद नहीं थीं। जस्टिस एलेना कागन ने कहा कि प्रशासन का रुख संशोधनवादी प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि एक सदी से अधिक समय से, अदालतों और जनता ने यूनाइटेड स्टेट्स बनाम वोंग किम आर्क के पूर्व उदाहरण के तहत जन्मजात नागरिकता को व्यापक रूप से समझा है।

जस्टिस केतनजी ब्राउन जैक्सन ने सवाल उठाया कि क्या सरकार 'निष्ठा' को उसके सामान्य कानून अर्थ से परे पुनर्परिभाषित कर रही है, यह बताते हुए कि देश में रहने के दौरान अस्थायी आगंतुक भी अमेरिकी कानूनों और सुरक्षा के अधीन होते हैं।

कई न्यायाधीशों ने सवाल उठाया कि ऐसी नीति कैसे काम करेगी। उन्होंने पूछा कि अधिकारी जन्म के समय बच्चे की नागरिकता कैसे निर्धारित करेंगे।

उन्होंने यह भी पूछा कि क्या प्रत्येक मामले में माता-पिता की अप्रवास स्थिति की जांच करना आवश्यक होगा।

2026 मकाओ अंतर्राष्ट्रीय परेड का आयोजन भव्य तरीके से किया गया

बीजिंग। हाल ही में '2026 मकाओ अंतर्राष्ट्रीय परेड' का आयोजन चीन के मकाओ विशेष प्रशासनिक क्षेत्र में किया गया। 'प्रेम, शांति और सांस्कृतिक एकीकरण' की अवधारणा का पालन करते हुए, 'समुद्री रेशम मार्ग: सांस्कृतिक मिलन' विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में देश-विदेश के कलाकारों के साथ-साथ स्थानीय कला जगत की जानी-मानी हस्तियां भी शामिल हुईं।

शानदार वेशभूषा और जीवंत गायन एवं नृत्य के साथ, इस कार्यक्रम ने समुद्री रेशम मार्ग के चौराहे के रूप में मकाओ के अनूठे शहरी आकर्षण को प्रदर्शित किया, जो 'चीनी संस्कृति को मुख्यधारा मानते हुए विविध संस्कृतियों के सह-अस्तित्व के साथ आदान-प्रदान और सहयोग के आधार' के रूप में मकाओ की भूमिका को दर्शाता है और एक जीवंत 'सांस्कृतिक मकाओ' के निर्माण में योगदान देता है। भव्य परेड के शानदार प्रदर्शनों को जारी रखने के लिए, 'अधिक संस्कृति, अधिक खुशी' कार्यक्रम के तहत 4 अप्रैल को तीन और सामुदायिक प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 'मकाओ भारतीय संस्कृति और स्वास्थ्य संघ ', 'मकाओ अंतर्राष्ट्रीय प्राच्य नृत्य संघ' और 'मकाओ युवा स्ट्रीट डांस संघ' द्वारा प्रस्तुत प्रदर्शन शामिल हैं। ये प्रदर्शन भारतीय, फिलिपिनो और स्थानीय स्ट्रीट डांस जैसी विविध सांस्कृतिक शैलियों को प्रदर्शित करेंगे, जिससे समुदाय में एक जीवंत और विविध सांस्कृतिक वातावरण का प्रसार होगा।

गौरतलब है कि 2011 में अपनी शुरुआत के बाद से अब अपने 12वें वर्ष में चल रही मकाओ अंतर्राष्ट्रीय परेड, मकाओ में एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन बन गई है, जो दुनिया भर के पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को भी आकर्षित करती है।

कीर्तिमानः देश का रक्षा निर्यात बढ़कर हुआ 38,424 करोड़ रुपए, 62.66 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात का एक नया व ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्शाता है।

गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने

गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि दुनिया भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर तेजी से भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि भारत का रक्षा सेक्टर अब एक मजबूत, सहयोगी और आत्मनिर्भर व्यवस्था के रूप में विकसित हो रहा है।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिख रहा है। सरकार की आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी नीतियों के चलते देश न सिर्फ अपनी जरूरतों को पूरा कर रहा है, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के रक्षा उत्पादों की बढ़ती गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धी कीमतें और तकनीकी क्षमता ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी मांग को बढ़ाया है। आने वाले सालों में रक्षा निर्यात को और बढ़ाने के लिए, सरकार नई रणनीतियों और साझेदारियों पर भी काम कर रही है। रक्षा निर्यात का यह रिकॉर्ड भारत के रक्षा क्षेत्र में बढ़ती ताकत, आत्मनिर्भरता और वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रभाव का स्पष्ट संकेत है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है।

सौर ऊर्जा के बढ़ते उपयोग से तमिलनाडु को गर्मियों में बढ़ती मांग को पूरा करने में मिल रही मदद

चेन्नई। तमिलनाडु में गर्मी बढ़ने के साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की मांग में तेजी से वृद्धि होने लगी है। वहीं, सौर ऊर्जा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि राज्य को बढ़ते भार को संभालने में मदद कर रही है, जिससे ग्रिड पर दबाव कम हो रहा है और इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (टीएनपीडीसीएल) के आंकड़ों से पता चलता है कि सौर ऊर्जा की निकासी 24 मार्च को 54.8 मिलियन यूनिट (एमयू) और 27 मार्च को 55.6 मिलियन एमयू तक पहुंच गई, जिससे नए रिकॉर्ड बने।

ये आंकड़े अगस्त 2025 में दर्ज किए गए 53.9 एमयू के पिछले शिखर को पार कर गए हैं, जो गर्मियों की चरम मांग शुरू होने से पहले ही नवीकरणीय ऊर्जा के योगदान में एक मजबूत रुझान का संकेत देते हैं।

इन दिनों के दौरान कुल बिजली खपत में सौर ऊर्जा का योगदान लगभग 13 प्रतिशत रहा, जो राज्य के ऊर्जा मिश्रण में इसकी बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है।

बिजली उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ बिजली की खपत में भी लगातार वृद्धि हुई है, जिसका कारण उच्च तापमान, शीतलन उपकरणों का बढ़ता उपयोग और कुछ क्षेत्रों में धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक कुकिंग समाधानों की ओर बदलाव है। राज्य में बिजली की खपत पहले ही 423.887 एमयू तक पहुंच चुकी है, जो इस मौसम में अब तक का सबसे उच्च स्तर है। तापमान में और वृद्धि होने की संभावना के साथ मांग में लगातार वृद्धि होने का अनुमान है और आने वाले हफ्तों में यह पिछले रिकॉर्ड को भी पार कर सकती है। प्रतिदिन 50 माइक्रोमीटर सौर ऊर्जा की निरंतर निकासी ने सभी क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने में मदद की है।

संक्षिप्त खबर

मुख्यमंत्री छोड़ने के बाद नीतीश कुमार को मिलती रहेगी जेड प्लस सुरक्षा

पटना। नीतीश कुमार के जल्द मुख्यमंत्री पद छोड़ने की चर्चाओं के बीच उनकी सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद भी जेड प्लेस सुरक्षा दी जाएगी। इस संबंध में बिहार गृह विभाग ने आदेश जारी किया है।

बिहार के गृह विभाग ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को एक पत्र लिखा है। इस देश में नीतीश कुमार की सुरक्षा के अलावा उनके राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे का जिक्र है।

आदेश में कहा गया है, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'बिहार स्पेशल सिक्यूरिटी एक्ट-2000' के तहत सुरक्षा अनुमान्य है। नीतीश कुमार वर्तमान में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं और निकट भविष्य में बिहार विधान परिषद की सदस्यता और मुख्यमंत्री के पद से त्याग पत्र देकर राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

इसमें आगे लिखा, 'उक्त आलोक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा की समीक्षा के उपरांत 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया जाता है।' पुलिस महानिदेशक को लिखे पत्र में कहा गया कि इन्हें (नीतीश कुमार) राज्य सरकार के उपर्युक्त निर्णय के आलोक में सुरक्षा प्रदान करने की जाए।

संभावनाएं हैं कि नीतीश कुमार खरमास के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। राज्यसभा सदस्य घोषित किए जाने के बाद 30 मार्च को सीएम नीतीश ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दिया। वे 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे।

नीतीश कुमार की राज्यसभा में एंट्री

जेडीयू प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि अन्य सदस्य भी उसी दिन शपथ ग्रहण करेंगे। इसके लिए नीतीश कुमार 9 अप्रैल को दिल्ली रवाना होंगे। माना जा रहा है कि बिहार में 14 अप्रैल के बाद नई सरकार का गठन होगा। जानकारी के मुताबिक 10 अप्रैल की शाम या 11 अप्रैल की सुबह वह दिल्ली से पटना लौटेंगे। इसके बाद वह सीएम पद से इस्तीफ दे सकते है।

हनुमान जन्मोत्सव पर पीएम मोदी ने कहा, 'भगवान हनुमान भक्ति, शक्ति और अटूट समर्पण के अद्वितीय प्रतीक'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमान जी के जन्मोत्सव पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने प्रार्थना की कि महाबली की कृपा से उनके सभी भक्तों में साहस और सकारात्मकता का संचार हो।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भगवान हनुमान जी भक्ति, शक्ति और अटूट समर्पण के अद्वितीय प्रतीक हैं। महाबली की कृपा से उनके सभी भक्तों में साहस और सकारात्मकता का संचार हो।'

इस अवसर पर उन्होंने एक 'संस्कृत सुभाषितम्' भी शेयर किया। पीएम मोदी ने लिखा, 'मनोजवं मारुततुल्यवेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्। वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शिरसा नमामि॥'

'संस्कृत सुभाषितम्' में कहा गया है, 'मैं श्रीराम के दूत

हनुमानजी की शरण में शीश झुकाता हूं। वे मन के समान तीव्रगामी और वायु के समान वेगवान हैं। वे जितेंद्रिय, बुद्धिमानों में अग्रगण्य, पवनपुत्र और वानर सेना के नायक हैं।'

एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने प्रयागराज के प्रसिद्ध लेटे हुए हनुमान जी के मंदिर में दर्शन करते हुए एक तस्वीर भी शेयर की। उन्होंने लिखा, 'सभी देशवासियों को हनुमान जन्मोत्सव की अनंत शुभकामनाएं। यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में नई ऊर्जा और स्फूर्ति लेकर आए। मेरी कामना है कि पवनपुत्र हनुमान जी सभी को बल, बुद्धि और विद्या का भरपूर आशीर्वाद दें, जिससे देश का सामर्थ्य और बढ़े। जय बजरंगबली।'

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व की सभी श्रद्धालुओं और देशवासियों को मंगलमय शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त, बल, बुद्धि, विद्या के दाता, संकटमोचन श्री हनुमान जी की कृपा सभी पर बनी रहे। सबके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता का वास हो, सबका मंगल व कल्याण हो, यही प्रार्थना है।'

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हनुमान जी के जन्मोत्सव प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'बजरंग बली की कृपा आप सभी के जीवन में ज्ञान, भक्ति, अदम्य साहस, एकाग्रता, सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का संचार करें, यही कामना है।

एसआईआरः मालदा में सात न्यायिक अधिकारियों को 9 घंटे तक बंधक बनाया

कोलकाता। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल पुलिस के महानिदेशक से उस घटना पर रिपोर्ट मांगी है, जिसमें मालदा जिले के कालियाचक में मतदाताओं के 'तार्किक विसंगति' श्रेणी के तहत वर्गीकृत किए जाने के न्यायिक प्रक्रिया में शामिल सात न्यायिक अधिकारियों को मतदाताओं के एक समूह द्वारा बंधक बना लिया गया था।

नाम हटाए जाने से नाराज मतदाताओं के एक समूह द्वारा तीन महिलाओं समेत सात अधिकारियों को बुधवार को बंधक बना लिया गया था। हालांकि, गुरुवार तड़के जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारियों के चंगुल से न्यायिक अधिकारियों को बचाया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। नौ घंटे तक घेराव में रहने के बाद अधिकारियों को बचाया गया। सूत्रों के मुताबिक, बचाए जाने के बाद सुरक्षित स्थान पर ले जाते समय भी काफिले पर हमले का प्रयास किया गया।

जब न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया गया था, उसी दौरान प्रदर्शनकारियों के एक अन्य समूह ने मालदा जिले के सुजापुर विधानसभा क्षेत्र के कालियाचक ब्लॉक-II के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। अंततः प्रशासन प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त करने में सफल रहा कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों को जल्द से जल्द पुनः शामिल करने का प्रयास किया जाएगा, जिसके बाद उन्होंने नाकाबंदी हटा ली।

हमेशा की तरह, इस घटना को लेकर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच राजनीतिक खींचतान छिड़ गई है। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के साथ यह दुर्व्यवहार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ लगातार दिए जा रहे भड़काऊ बयानों का नतीजा है। मजूमदार ने कहा, 'एसआईआर एक अखिल भारतीय प्रक्रिया है। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों सहित किसी भी अन्य राज्य में इस प्रक्रिया को लेकर ऐसा हंगामा नहीं है। पश्चिम बंगाल एकमात्र अपवाद है क्योंकि सत्ताधारी दल और राज्य प्रशासन शुरू से ही इस प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं।

जरूरतमंद को आवास और बीमार के इलाज की होगी व्यवस्था : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। सीएम ने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है।

गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 100 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने एक-

एक कर उनकी समस्याएं सुनीं। संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर सीएम योगी ने उनके प्रार्थना पत्र निर्देशित किया कि सभी समस्याओं लिए और निस्तारण के लिए का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक होना चाहिए। उन्होंने पुलिस से जुड़े मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद मांगने आए लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए बच्चों को चॉकलेट देकर सीएम योगी ने उन्हें खूब पढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

एआई 'उड़ान' विजन की रीढ़ है, भारतीय एयरपोर्ट अब विश्व स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रतीक : राम मोहन नायडू

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरपु ने एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के 31वें स्थापना दिवस पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने एएआई की उपलब्धियों की सराहना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़ान' विजन को देश के दूरस्थ इलाकों में हवाई संपर्क का आधार बताया।

राम मोहन नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के 31वें सालाना जलसे में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हुई। एएआई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'उड़ान' विजन की रीढ़ की हड्डी की तरह काम कर रहा है, जो देश के विशाल और अलग-अलग इलाकों में हवाई सफर को आम लोगों के लिए आसान बना रहा है।

मंत्री ने कहा कि आज भारतीय एयरपोर्ट न केवल विश्व स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन का प्रतीक बन गए हैं, बल्कि उनमें भारतीय विरासत और संस्कृति की गहरी छाप भी दिखाई देती है। उन्होंने इसे 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने एएआई की यात्री-केंद्रित कई पहलों की तारीफ की, जिनमें 'उड़ान यात्री कैफे', 'फ्लाईब्रेरी', मुफ्त वाई-फाई, और बच्चों के लिए विशेष जोन शामिल हैं। इन पहलों ने देशभर में हवाई यात्रा के अनुभव को काफी बेहतर और आधुनिक बना दिया है।

राम मोहन नायडू ने एएआई के सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा, 'एएआई के कर्मचारियों ने एक विश्व स्तरीय एयरपोर्ट डेवलपर और ऑपरेटर बनने के विजन को साकार करके दिखाया है। बता दें कि बुधवार को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया अपना 31वां स्थापना दिवस मना रहा है। एएआई देशभर में 100 से अधिक एयरपोर्ट्स का संचालन करता है और 'उड़ान' योजना के तहत छोटे शहरों एवं दूरदराज के इलाकों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सागरः दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत मामले में तीन आरोपी दोषी फरार, पांच साल की जेल

सागर। शाहपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान दीवार गिरने से नौ बच्चों की मौत के करीब 19 महीने बाद स्थानीय अदालत ने अपना फैसला सुना दिया है और तीन लोगों को लापरवाही का दोषी ठहराया है।

सागर में हुए इस दर्दनाक हादसे में स्थानीय अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। 9वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राजेश सिंह की अदालत ने जर्जर मकान के मालिक मुलू पटेल और श्रीमद भागवत कथा के आयोजक संजू उर्फ केशव पटेल तथा शिव पटेल को

आपराधिक लापरवाही का दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को पांच साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है।

इस फैसले से पीड़ित परिवारों को कुछ हद तक न्याय मिलने का एहसास हुआ है और साथ ही यह जवाबदेही और जन सुरक्षा को लेकर एक सख्त संदेश भी देता है।

यह हादसा 4 अगस्त 2024 को शाहपुर में हुआ था, जब हरदौल बाबा मंदिर के पास 2 से 12 अगस्त तक चल रही श्रीमद भागवत कथा के दौरान तीसरे दिन एक जर्जर दो मंजिला मकान की दीवार अचानक गिर गई। उस समय टेंट के नीचे बच्चे शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में शामिल थे।

इस हादसे में 10 से 15 साल की उम्र के 11 बच्चे मलबे में दब गए थे। ग्रामीणों के बचाव प्रयासों के बावजूद दिव्यांश, नितेश, आशुतोष, प्रिंस, पर्व, देवराज, वंश (मयंक), हेमंत और ध्रुव सहित नौ बच्चों की मौत हो गई, जबकि सुमित प्रजापति और खुशी पटवा लंबे इलाज के बाद बच गए।

अतिरिक्त लोक अभियोजक देवेश बछकैनिया ने मामले में अभियोजन पक्ष का प्रतिनिधित्व किया। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। हादसे के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने भी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए।

भारत-कनाडा-ऑस्ट्रेलिया टेक साझेदारी बातचीत से आगे बढ़कर वास्तविकता बनी : रिपोर्ट

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-इंडिया टेक्नोलॉजी और इनोवेशन (एसीआईटीआई) पार्टनरशिप अब केवल बातचीत के आगे बढ़कर वास्तविकता बन रही है, जिसमें नई त्रिपक्षीय प्रतिबद्धताओं और कनाडा-भारत की 13 यूनिवर्सिटी में समझौते के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम रिसर्च और सेमीकंडक्टर्स में कॉरपोरेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

वन वर्ल्ड आउटलुक की रिपोर्ट में कहा गया है कि तीनों देश साझेदारी में पूरक क्षमताएं लाते हैं, जहां भारत इंजीनियरिंग प्रतिभा, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और व्यावहारिक तैनाती में व्यापक क्षमता प्रदान करता है।

कनाडा बुनियादी एआई रिसर्च और विश्वसनीय संस्थानों का योगदान देता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया डीप-टेक रिसर्च क्षमता प्रदान करता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'नीतिगत दृष्टि से, पूरक शक्तियों के कारण एसीआईटीआई एक प्रतीकात्मक गठबंधन से कहीं अधिक लोकतांत्रिक टेक्नोलॉजी सहयोग के लिए शक्तियों के विभाजन का मॉडल बन गया है। समझौते में एआई, सेमीकंडक्टर और आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती पर व्यावहारिक कार्य योजनाएं शामिल हैं और इसने पहले ही विश्वविद्यालयों के बीच मजबूत संबंध और छात्रवृत्ति निधि प्रदान की है, जिससे क्रॉस-बॉर्डर रिसर्च, प्रतिभा की गतिशीलता और व्यावसायीकरण में तेजी आई है।

कनाडा-भारत यूनिवर्सिटी साझेदारी में छात्र गतिशीलता, संकाय विनिमय, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और क्षेत्र-विशिष्ट सहयोग शामिल हैं।

सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को एआई के समान नीतिगत ढांचे में शामिल करके, समझौते ने दिखाया कि कंप्यूटिंग क्षमता, चिप तक पहुंच और घटकों की लचीली आपूर्ति अब अलग-अलग औद्योगिक चिंताओं के बजाय नवाचार नीति के मुख्य मुद्दे हैं।

कार्य-एकीकृत शिक्षा के माध्यम से भारतीय इंजीनियर कनाडाई एआई संस्थानों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं और कनाडाई शोधकर्ताओं को भारत के बड़े पैमाने पर डिजिटल अनुप्रयोगों से परिचित करा सकते हैं। इस रणनीति में टोरंटो विश्वविद्यालय के माध्यम से प्रशासित कनाडा में भारतीय छात्रों के लिए 274 से अधिक छात्रवृत्तियों के लिए 25 मिलियन कनाडाई डॉलर तक की धनराशि का समर्थन शामिल है।

हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं कच्चा प्याज, इन लोगों को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली । भारतीय खाने में कच्चा प्याज एक अहम हिस्सा माना जाता है। सलाद से लेकर दाल-रोटी तक, इसे खाने के साथ जोड़ना आम बात है। प्याज में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई जरूरी तत्व पाए जाते हैं। लेकिन हर हेल्दी चीज हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद हो, यह जरूरी नहीं होता।

मेडिकल रिसर्च बताती है कि कच्चा प्याज कुछ खास परिस्थितियों में शरीर को फायदा देने के बजाय नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि किन लोगों को इसे नहीं खाना चाहिए। जिन लोगों को पाचन से जुड़ी दिक्कतें रहती हैं, उन्हें प्याज के सेवन से बचना चाहिए। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, कच्चे प्याज में ऐसे कार्बोहाइड्रेट होते हैं जो आंत में पूरी तरह पच नहीं पाते। इन्हें फोडमैप कहा जाता है, जो पेट में गैस बनने की वजह बन सकते हैं। जिन लोगों को पहले से गैस, पेट फूलना या अपच की समस्या रहती है, उनके लिए कच्चा प्याज खाने के बाद ये परेशानी और बढ़ सकती है। इसी तरह, एसिडिटी या सीने में जलन की समस्या वाले लोगों को भी कच्चे प्याज से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कच्चा प्याज पेट में एसिड के स्तर को बढ़ा सकता है। इससे एसिड रिफ्लक्स की समस्या तेज हो सकती है, जिसमें खाना वापस गले की ओर आने लगता है। इसके कारण सीने में जलन, खट्टी डकार और गले में जलन जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। जिन लोगों को पहले से यह समस्या रहती है, उनके लिए कच्चा प्याज ट्रिगर का काम कर सकता है। कुछ मामलों में कच्चा प्याज एलर्जी की वजह भी बन सकता है। हालांकि, यह समस्या हर किसी में नहीं होती, लेकिन जिन लोगों को प्याज से एलर्जी होती है, उनके शरीर में तुरंत प्रतिक्रिया दिखाई दे सकती है। रिसर्च बताती है कि ऐसे लोगों को त्वचा पर खुजली, लाल चकत्ते, सूजन या सांस लेने में परेशानी तक हो सकती है।

बच्चों के लिए संजीवनी है जायफल, आयुर्वेद से जाने सेवन से पहले की सावधानियां

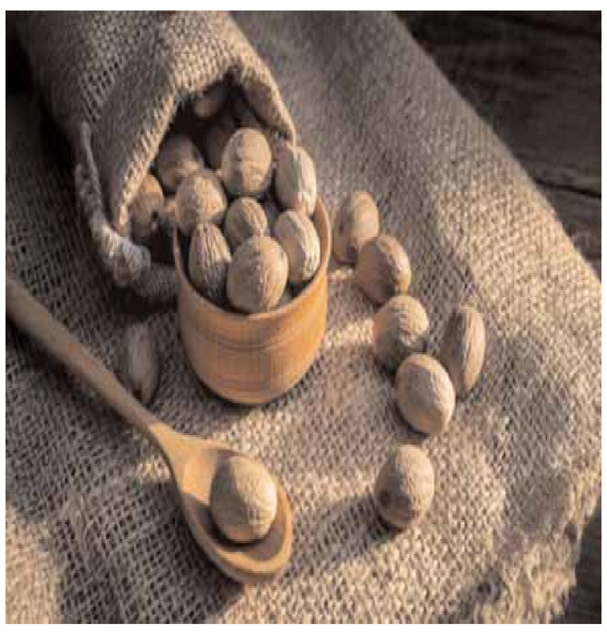

नई दिल्ली। बदलते मौसम का प्रभाव बच्चों से लेकर बड़ों पर पड़ता है, लेकिन छोटे बच्चे बदलते मौसम की मार सबसे ज्यादा झेलते हैं। पेट खराब होना या सिर्फ जुकाम होना, ये समस्याएं बच्चों को सबसे अधिक परेशान करती हैं, लेकिन आयुर्वेद में कुछ ऐसे आराम उपाय बताए गए हैं, जिससे बिना किसी नकारात्मक प्रभाव के बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

आयुर्वेद में जायफल को इसका एक मात्र उपाय बताया है। आयुर्वेद में जायफल को वात-शामक, पाचक और मेध्य माना गया है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता से लेकर मस्तिष्क को पोषण देने में मदद करता है। इससे पेट से जुड़ी परेशानी जैसे गैस में भी आराम मिलता है, लेकिन उसके सेवन का तरीका बहुत कम लोग ही जानते हैं।

आयुर्वेद में माना गया है कि किसी औषधि को उचित संस्कार देने से उसके गुण अधिक संतुलित और शरीर के लिए कोमल हो जाते हैं, क्योंकि जायफल स्वभाव से तीक्ष्ण माना जाता है। इसलिए बच्चों के लिए उसे इस प्रकार तैयार किया जाता था।

पुराने समय से ही खासकर बच्चों के लिए जायफल को सीधे नहीं दिया जाता था। पहले उसे दूध में उबाला जाता, फिर दही में रखा जाता और अंत में घी में पकाया जाता था। इसके बाद ही उसे दूध में घिसकर बच्चों को बहुत थोड़ी मात्रा में दिया जाता था। सबसे पहले जायफल को थोड़ी देर दूध में उबाला जाता है और फिर कुछ घंटों के लिए दही में थोड़ा दिया जाता है और आखिर में घी में पकाया जाता है। इससे जायफल की गर्म और तीखी तासीर कम होती है, और इसके औषधीय गुण भी बढ़ जाते हैं।

इसके चुटकीभर सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, बैचेनी कम होती है। पेट से जुड़ी समस्याएं कम होती है और सर्दी और खांसी-जुकाम में आराम मिलता है।

अगर बच्चा ठीक से सो नहीं पाता है, तब भी कम मात्रा में इसे बच्चों को दिया जाता है। यह तंत्रिक तंत्र को शांत करके बच्चों को गहरी नींद लाने में मदद करता है। ध्यान रखने वाली बात 6 महीने से कम उम्र के बच्चे को बिना चिकित्सक की सलाह के न दें और अगर बच्चे का पेट खराब है, तब भी इसे देने से बचें।

वैश्विक संघर्षों के बीच मार्च में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई में हल्की गिरावट, लेकिन रोजगार वृद्धि मजबूतः रिपोर्ट

नई दिल्ली। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई डेटा के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से जुड़े व्यवधानों का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, साथ ही इसका असर भारतीय उद्योगों पर भी दिख रहा है, जिसके चलते मार्च में भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई घटकर 53.9 पर आ गया।

कंपनियों पर लागत का दबाव भी बढ़ा है, जो अगस्त 2022 के बाद सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, पीएमआई डेटा तैयार करने वाली एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार, कंपनियों ने बढ़ी हुई लागत का बड़ा हिस्सा खुद ही संभाला, क्योंकि बिक्री कीमतों में बढ़ोतरी पिछले दो साल में सबसे कम रही।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कंपनियों ने संभावित जोखिम से बचने के लिए अतिरिक्त स्टॉक जमा किया, जिससे रोजगार सृजन और कच्चे माल की खरीद में बढ़ोतरी देखने को मिली। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'उत्पादन और नए ऑर्डर में कमी आई है, जो मांग में नरमी और बढ़ती अनिश्चितता का संकेत है। वहीं, एल्युमिनियम, केमिकल और ईंधन जैसी चीजों की लागत तेजी से बढ़ी है। फिलहाल कंपनियां इस बढ़ोतरी का असर खुद झेल रही हैं, जिससे कीमतों में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है। मार्च के आंकड़ों के अनुसार, इनपुट लागत में साढ़े तीन साल में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि एल्युमिनियम, केमिकल्स, ईंधन, जूट, लेदर, कपड़ा, तेल, रबर और स्टील जैसी चीजों के दाम बढ़े हैं।

इसके अलावा, भारतीय कंपनियों ने उत्पादन के लिए अतिरिक्त कच्चा माल खरीदना जारी रखा और अपने स्टॉक को भी बढ़ाया।

रिपोर्ट में कहा गया कि कुल वृद्धि की रफ्तार तीन महीने के निचले स्तर पर जरूर आई है, लेकिन यह ऐतिहासिक रूप से अब भी मजबूत बनी हुई है। कंपनियों ने बिक्री में बढ़ोतरी और सप्लाई को सुचारू बनाए रखने के प्रयासों को इस सुधार का कारण बताया।

खास बात यह रही कि सप्लायर्स समय पर कच्चा माल पहुंचाने में सक्षम रहे, जिससे वेंडर परफॉर्मेंस में सुधार देखा गया।

सकारात्मक संकेत यह भी है कि भारतीय कंपनियों के एक्सपोर्ट ऑर्डर में पिछले साल सितंबर के बाद सबसे तेज वृद्धि हुई। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोप, जापान, मध्य पूर्व, तुर्की और वियतनाम जैसे देशों से मांग बढ़ी है।

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियों ने पिछले सात महीनों में सबसे ज्यादा रोजगार बढ़ाया और आने वाले साल के लिए उत्पादन को लेकर अधिक आशावादी नजर आईं।

हृदय रोग का लक्षण हो सकता है बाएं हाथ में दर्द, जानें क्या करें और क्या नहीं

नई दिल्ली । आजकल हृदय रोग मृत्यु का एक बड़ा कारण बन गया है। यह समस्या सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, सीने में दर्द, सांस फूलना और खासकर बाएं हाथ में दर्द जैसे लक्षण हृदय रोग के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में एक पल की देरी भी जानलेवा साबित हो सकती है।

नेशनल हेल्थ मिशन बताता है कि यदि हृदय रोग के मुख्य लक्षण दिखें तो सावधान हो जाएं और उसकी पहचान करें और बचाव के लिए कुछ उपाय दिए गए हैं, उसे फॉलो करें। एक्सपर्ट स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हृदय रोग से बचा जा सकता है। संतुलित खान-पान, नियमित व्यायाम और समय पर जांच से दिल स्वस्थ रहता है। छोटी-छोटी आदतों में बदलाव करके अपने और अपने परिवार के हृदय की रक्षा कर सकते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, सीने में भारीपन या दर्द, बाएं हाथ, गर्दन, जबड़े या पीठ में दर्द, सांस फूलना, थकान होना, ठंडा पसीना आना जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसके अलावा, अगर धड़कन बार-बार अनियमित, तेज या फड़फड़ाती महसूस हो रही है तो यह हृदय रोग का संकेत हो सकता है। चक्कर आना या बेहोशी भी खतरनाक हो सकता है। यह तब होती है जब मस्तिष्क को पर्याप्त रक्त नहीं मिल पाता। यह अनियमित हृदय गति या ब्लडप्रेशर की समस्या का संकेत हो सकता है। बार-बार ऐसा होने पर इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से जांच करवाएं।

हृदय रोग से बचाव के लिए संतुलित आहार लें, ताजी सब्जियां, फल, दालें, अनाज और कम तेल-मसालेदार भोजन खाएं। नियमित व्यायाम करें, इसके लिए रोजाना कम से कम 30-40 मिनट योग या हल्का व्यायाम करें।

ब्लड प्रेशर और शुगर जांच नियमित करवाएं। धूम्रपान और शराब छोड़ें, ये हृदय के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। तनाव कम करें, इसके लिए ध्यान, प्राणायाम या अच्छी नींद से तनाव नियंत्रित रखें।

क्या सुबह उठकर पी लेते हैं बहुत सारा पानी? यह आदत कर सकती है बीमार

नई दिल्ली। आज के समय में सुबह की शुरुआत को लेकर कई तरह की बातें की जाती हैं। कुछ लोग तांबे के बर्तन में, तो कुछ लोग चांदी के बर्तन में ढेर सारा पानी पीने की सलाह देते हैं, लेकिन क्या सुबह उठते ही ढेर सारा पानी पी लेना सही है?

पानी पीने के लाभ तो होते हैं, लेकिन इस तरीके से सुबह के वक्त ढेर सारा पानी पी लिया जाता है, वह सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

खाली पेट ढेर सारा पानी पीने से पाचन शक्ति पर असर पड़ता है। सुबह के वक्त पाचन अग्नि मंद होती है और उसे जागृत करने के बजाय ढेर सारा पानी पीकर मंद कर दिया जाता है। फिर नाश्ते में लिया गया आहार पचने की बजाय पेट में सड़ने लगता है। दूसरा खाना न पच पाने की वजह से पेट में आम (टॉक्सिन) की समस्या बढ़ने लगती है। पोषण शरीर को मिल नहीं पाता और पेट में कब्ज की परेशानी होने लगती है।

तीसरी सबसे बड़ी परेशानी सुबह उठकर ज्यादा पानी पीने से शरीर पर अत्याधिक दबाव पड़ता है। इससे पेट में भारीपन की समस्या रहती है और भूख में भी कमी होती है। बहुत सारे लोगों को खाली पेट ज्यादा पानी पीने की वजह से दर्द की शिकायत भी रहती है।

अब सवाल है कि क्या करें। आयुर्वेद में अपनी प्रकृति के अनुसार पानी पीने की सलाह दी जाती है और पानी भी थोड़ी मात्रा में ही लेना चाहिए। जितनी प्यास लगे उतना ही गुनगुना पानी लें। सुबह-सुबह ही 1 लीटर पानी पीने की कोशिश न करें, क्योंकि यह भारीपन और उल्टी की वजह बन सकता है। जब प्यास लगे, तभी पानी पीए। 2 लीटर के चक्कर में एक साथ बहुत सारा पानी पीने से बचें।

रोज थोड़ा-थोड़ा पानी को दिनचर्या में बढ़ाने की कोशिश करें। इसके साथ ही हमेशा बैठकर घूंट-घूंट करके पानी को पीएं। खड़े होकर पानी पीने से बचें। इससे पाचन शक्ति पर प्रभाव पड़ता है। गर्मी के मौसम में पानी की मात्रा बढ़ा दें, लेकिन अन्य मौसम में ज्यादा पानी पीने से बचें।

वैश्विक तेल संकट के बीच ओएमसी को एटीएफ की बिक्री में हो रहा 64 रुपए प्रति लीटर का नुकसानः रिपोर्ट

नई दिल्ली। सरकार द्वारा घरेलू एयरलाइंस के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 प्रतिशत की संतुलित बढ़ोतरी से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को फिलहाल थोड़ी राहत मिल सकती है। हालांकि, विश्लेषकों के मुताबिक यह राहत सिर्फ अल्पकालिक है।

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म नोमुरा के विश्लेषकों का अनुमान है कि युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के चलते सरकारी तेल कंपनियां अभी भी एटीएफ की बिक्री पर भारी नुकसान उठा रही हैं। मौजूदा कीमतों के आधार पर, इन कंपनियों को घरेलू एटीएफ बिक्री पर करीब 64 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है, जो कि लगभग 109 डॉलर प्रति बैरल के मार्केटिंग लॉस के बराबर है।

ब्रोकरेज के अनुसार, मौजूदा हालात में सालाना आधार पर एटीएफ से होने वाला नुकसान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के लिए 23,600 करोड़ रुपए, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के लिए 9,500 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के लिए 5,300 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमतों में 8,289.04 रुपए प्रति किलोलीटर यानी 8.56 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है, जिससे कीमत 96,638.14 रुपए से बढ़कर 1,04,927.18 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है। हालांकि यह बढ़ोतरी महत्वपूर्ण है, लेकिन वैश्विक तेल कीमतों में आई तेजी के मुकाबले यह काफी कम है। वहीं विदेशी एयरलाइंस, चार्टर और अन्य गैर-नियमित उड़ान ऑपरेटर्स के लिए एटीएफ की कीमतों में 114.5 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी कर दी गई है, जिससे यह 2,07,341.22 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है।

एटीएफ, ओएमसी के कुल मार्केटिंग वॉल्यूम का केवल 2-6 प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन इस क्षेत्र में सरकारी कंपनियों का दबदबा है, जिनकी बाजार हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से ज्यादा है। भारत में कुल एटीएफ बिक्री का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा घरेलू एयरलाइंस को जाता है। इसके अलावा, मजबूत ऊर्जा रुझानों के चलते बुधवार को कमर्शियल एलपीजी और प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर कंपनियां अब भी नुकसान झेल रही हैं। कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में करीब 10 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में नोमुरा ने गुजरात गैस को सबसे ज्यादा प्रभावित बताया है, क्योंकि यह कंपनी शॉर्ट-टर्म और स्पॉट एलएनजी पर ज्यादा निर्भर है, जिसकी कीमतें 28 फरवरी 2026 से शुरू हुए संघर्ष के बाद दोगुनी हो गई हैं।

आईपीएल 2026: केकेआर को 65 रन से हराकर एसआरएच ने खोला जीत का खाता

कोलकाता। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने गुरुवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के छठे मुकाबले को 65 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ एसआरएच ने जीत का खाता खोल लिया है, जबकि केकेआर को लगातार दूसरे मुकाबले में शिकस्त झेलनी पड़ी।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 8 विकेट खोकर 226 रन ही बना सकी। इस टीम को ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 5.4 ओवरों में 82 रन जुटाए।

ट्रेविस हेड 21 गेंदों में 46 रन बनाकर आउट हुए, उनकी इस पारी में 3 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। इनके अलावा, अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 48 रन टीम के खाते में जोड़े।

सलामी जोड़ी के टूटने के बाद टीम ने तेजी से विकेट गंवाए। 9.2 ओवरों तक एसआरएच का स्कोर 118/4 था। यहां से हेनरिक क्लासेन ने नितीश रेड्डी के साथ पांचवें विकेट के लिए 53 गेंदों में 82 रन जोड़कर टीम का दोहरा शतक पूरा कराया। क्लासेन 35 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए, जबकि नितीश रेड्डी ने 39 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से ब्लेसिंग मुजरबानी ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि वैभव अरोड़ा ने 2 विकेट निकाले। कार्तिक त्यागी और अनुकूल रॉय के नाम पर 1-1 विकेट रहा।इसके जवाब में केकेआर 16 ओवरों में महज 161 रन पर सिमट गई। फिन एलन ने कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ 1.3 ओवरों में 30 रन की साझेदारी की। एलन महज 7 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 2 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। यहां से अंगकृष रघुवंशी ने कप्तान के साथ दूसरे विकेट के लिए 21 गेंदों में 37 रन की साझेदारी की। रहाणे ने टीम के खाते में 8 रन का योगदान दिया। अंगकृष ने रिंकू सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। रिंकू ने 35 रन जुटाए, जबकि अंगकृष ने 29 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 52 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। 37 साल के धाकड़ बल्लेबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए अपने संन्यास की घोषणा की।

रासी वैन डर डुसेन ने एक्स पर लिखा, 'गर्व और शुक्रगुजार रहते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। यह सफर सालों के त्याग से बना है।

डुसेन ने आगे लिखा, 'मेरे साथी खिलाड़ी, कोच, मेंटर्स और दोस्तों, मुझे इस कहानी का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद। क्रिकेट ने मुझे सब कुछ दिया है, और कई मायनों में, मैं अपनी जिंदगी का एहसानमंद हूं। युवा खिलाड़ियों को मेरी सलाह हमेशा यही रही है, और रहेगी, कि बड़े सपने देखो और अपने सपनों को पाने के लिए अपना सब कुछ लगा दो। मैंने खुद को कभी भी दूसरे इंसान से ज्यादा खास या प्रतिभावान नहीं माना। मैं अपना सबसे बड़ा सपना जी पाया हूं। आप भी जी सकते हैं—चाहे आपका सपना कुछ भी हो।

फैंस के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज ने लिखा, 'दक्षिण अफ्रीका के लोगों और फैंस का धन्यवाद। सड़कों पर नारा सुनने या भरे हुए वांडरर्स स्टेडियम में गूंजने वाली आवाज के बीच बैटिंग करने के रोंगटे खड़े कर देने वाले अनुभव जैसा कोई एहसास नहीं है। जुड़ाव के उन पलों को बताना मुश्किल है, और वे इमोशन हमेशा मेरे साथ रहेंगे।

अपनी पत्नी के लिए उन्होंने लिखा, 'लारा, तुम हर कदम पर मेरे साथ रही हो। तुमने जबरदस्त उतार-चढ़ाव का सामना हमदर्दी, शालीनता और ताकत के साथ किया है, और तुम मेरी सबसे बड़ी चीयरलीडर रही हो, जिसके बिना मैं यह नहीं कर पाता।

उन्होंने आखिर में कहा, 'दक्षिण अफ्रीका की जर्सी में मेरा समय भले ही खत्म हो गया है, लेकिन मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। मैं अपने प्यारे लायंस के लिए खेलना जारी रखूंगा, और मैं साउथ अफ्रीकी क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी को सिखाकर और उन्हें गाइड करके इस खूबसूरत खेल को कुछ वापस देने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

आईपीएल के लिए नहीं मिली श्रीलंका क्रिकेट से एनओसी, तुषारा ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने तेज गेंदबाज नुवान तुषारा को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में हिस्सा लेने के लिए 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) देने से मना कर दिया, जिसके बाद तुषारा ने कोलंबो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में याचिका दायर कर कानूनी दखल की मांग की है।

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज को आईपीएल 2026 के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट मिला था। इससे पहले, पिछले दो सीजन में भी उन्होंने बोर्ड की मंजूरी के साथ इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। हालांकि, 'न्यूज वायर श्रीलंका' की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार एसएलसी ने उन्हें एनओसी देने से मना कर दिया है। बोर्ड का कहना है कि तुषारा जरूरी फिटनेस मानकों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं।

इस मामले की सुनवाई गुरुवार को हुई, जिसमें कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 9 अप्रैल की तारीख तय की है। अपनी याचिका में, तुषारा ने एसएलसी के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा, सचिव बंदुला दिसानायके, कोषाध्यक्ष सुजीवा गोदालियाद्दा और सीईओ एशले डी सिल्वा को प्रतिवादी बनाया है।

तुषारा ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा है कि बोर्ड के साथ उनका सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 31 मार्च 2026 को खत्म हो रहा है, उन्होंने पहले ही बोर्ड को बता दिया था कि वे इस कॉन्ट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाना चाहते। यह दावा किया कि उन्हें अब राष्ट्रीय टीम के चयन की योजनाओं से लगभग बाहर कर दिया गया है। ऐसे में, फिटनेस के आधार पर बोर्ड का यह रवैया बेतुका और गलत है।

अपनी याचिका में, गेंदबाज ने कहा है कि उनकी फिटनेस का स्तर आज भी वैसा ही है, जैसा पिछले वर्षों में था। उन वर्षों में उन्हें आईपीएल समेत कई विदेशी लीग में खेलने के लिए एनओसी दी गई थी।

तुषारा ने दलील दी है कि अब उन्हें एनओसी देने से इनकार करना पूरी तरह से गलत है, खासकर तब जब उनकी शारीरिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

याचिका में इस फैसले के पेशेवर और आर्थिक नतीजों पर भी रोशनी डाली गई है। इसमें कहा गया है कि अगर एनओसी नहीं मिलती, तो फ्रेंचाइजी उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को चुन सकती है। इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा और वैश्विक टी20 प्रतियोगिताओं में उनके करियर को भी बड़ा झटका लग सकता है। नुवान तुषारा ने अदालत से राहत की मांग करते हुए यह घोषणा करने की अपील की है कि उन्हें एनओसी पाने का अधिकार है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरिम और स्थायी आदेश की भी मांग की है।

विश्व कप शॉटगन: मेडल राउंड से बाहर भारत की ट्रैप मिक्स्ड टीम जोड़ियां

नई दिल्ली। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप शॉटगन में भारत की मिक्स्ड टीम ट्रैप जोड़ियां मेडल राउंड से बाहर हो गईं। इसी के साथ भारतीय टीम ने साल के पहले वर्ल्ड कप लेग में बिना किसी मेडल के अपना सफर खत्म किया।

गुरुवार को मोरक्को के टैंजियर में इंडिया-1 टीम ने क्वालिफिकेशन के तीन राउंड में कुल 134 का स्कोर किया। इस टीम में पृथ्वीराज टोंडाइमन (24, 22, 23) और कीर्ति गुप्ता (22, 22, 21) शामिल थे। 33 टीमों की इस प्रतियोगिता में इंडिया-1 टीम 18वें स्थान पर रही। टॉप चार जोड़ियां ही फाइनल में जगह बनाती हैं।

इंडिया-2 टीम, जिसमें कायन चेनाई (25, 21, 22) और राजेश्वरी कुमारी (18, 22, 22) शामिल थे, 130 के कुल स्कोर के साथ 25वें स्थान पर रही। इटली की दिग्गज जोड़ी, डेनिएल रेस्का और जेसिका रॉसी, 147 के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर रही। इसके साथ ही, भारत ने बिना किसी सफलता के इस प्रतियोगिता का समापन किया।

43 देशों के 270 से ज्यादा एथलीट पांच ओलंपिक शॉटगन इवेंट्स में पांच गोल्ड मेडल्स के लिए होड़ में थे। इनमें मौजूदा वर्ल्ड और ओलंपिक चैंपियन भी शामिल थे, जो एक लंबे और अहम इंटरनेशनल सीजन से पहले अपनी तैयारियों को परखने के लिए उत्सुक थे।

20 सदस्यीय भारतीय टीम में कई जाने-माने एथलीट्स शामिल हैं, जिनमें ओलंपियन माहेश्वरी चौहान, कायन चेनाई और पृथ्वीराज टोंडाइमन प्रमुख हैं। ये सभी इंटरनेशनल सीजन की शुरुआत जोरदार तरीके से करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

भारतीय शॉटगन टीम ने आखिरी बार पिछले साल एथेंस में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक पूरी टीम के तौर पर इंटरनेशनल स्तर पर हिस्सा लिया था। उस प्रतियोगिता में सीनियर खिलाड़ी जोरावर सिंह संधू ने पुरुषों के ट्रैप इवेंट में एक ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था।

मोरक्को के टैंजियर शूटिंग क्लब में क्वालिफिकेशन राउंड के पहले दिन ओलंपियन माहेश्वरी चौहान ने 69 का स्कोर किया।

सब-जूनियर विमेंस चैंपियनशिप: दूसरे दिन गोवा, बंगाल, चंडीगढ़ और उत्तराखंड की जीत

रांची । 16वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर विमेंस नेशनल चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन गोवा हॉकी ने डिवीजन 'सी' में जीत हासिल की, जबकि हॉकी बंगाल, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड ने डिवीजन 'बी' में अपने-अपने मुकाबले जीते।

गुरुवार को झारखंड के रांची में दिन की शुरुआत पूल ए, डिवीजन 'सी' के मैच से हुई, जिसमें गोवा हॉकी ने मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा इंटरनेशनल एस्ट्रो-टर्फ स्टेडियम में तेलंगाना हॉकी को 6-3 से मात दी। गोवा की कप्तान डेलिना मेंडेस ने दो गोल (40', 41') किए। बर्टिला केरकेट्टा ने भी दो गोल (48', 52') किए। तेलंगाना हॉकी के लिए सीमा तिर्की (3') और विद्या कुमारी (16') ने गोल दागे, जबकि आनंदी महानंद (30', 36') और नव्याश्री अकुला (15') ने तेलंगाना के लिए गोल जोड़े।डिवीजन 'बी', पूल ए के मैच में, हॉकी बंगाल ने दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी के खिलाफ 1-0 से करीबी जीत हासिल की। ??कप्तान पूजा कुमारी शॉ ने दूसरे क्वार्टर (21वें मिनट) में विजयी गोल किया।

इसके बाद, डिवीजन 'बी', पूल बी के मैच में, हॉकी चंडीगढ़ ने हॉकी गुजरात के खिलाफ 12-1 से शानदार जीत हासिल की। ??हॉकी चंडीगढ़ के लिए कप्तान काफी (38', 46', 55', 60') ने चार गोल किए, जबकि अनु (9', 30'), आंचल (12', 14'), नैंसी कश्यप (13', 18') ने दो-दो गोल दागे। भावना (10') और यास्मीन शर्मा (20') ने एक-एक गोल किया। हॉकी गुजरात की कप्तान नियति परमार ने 23वें मिनट में एकमात्र गोल दागा।

अंत में, हॉकी उत्तराखंड ने अपने पूल बी, डिवीजन 'बी' के मैच में हॉकी कर्नाटक के खिलाफ 6-1 के स्कोर से जीत हासिल की। ??करीना ने 10वें, 12वें और 17वें मिनट में गोल करके शुरुआती हैट्रिक बनाई। कप्तान मीनाक्षी (7'), देवयानी जोशी (53') और दीया (60') ने भी हॉकी उत्तराखंड के लिए गोल किए।

हॉकी कर्नाटक की ओर से एकमात्र गोल प्रीति नीलारड्डी ने 31वें मिनट में किया।

चैंपियनशिप के शुरुआती दिन दिल्ली, दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव, चंडीगढ़, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर ने नेशनल सब-जूनियर चैंपियनशिप के अपने-अपने पूल मैचों में जीत दर्ज की।

एलएसजी प्रदर्शन में निरंतरता की कमी से जूझ रही है: अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में बुधवार को इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने 6 विकेट से हरा दिया।

मैच के बाद एलएसजी के निराशाजनक प्रदर्शन पर पूर्व क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने अपनी प्रतिक्रिया दी। ईएसपीएनक्रिकइंफो से बात करते हुए मुकुंद ने कहा, 'मैं एलएसजी को लेकर बहुत निश्चित नहीं हूं। वे आईपीएल में बहुत युवा हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) भी एलएसजी के साथ ही 2022 में बनी थी, जो धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रही है। वे सीजन का अपना पहला गेम हार गए हैं, लेकिन आप जानते हैं कि जीटी किसी खास दिन क्या करेगी। वे अपने गेंदबाजों पर भरोसा करते हैं। वे अपने स्पिनर्स के अनुभव पर भरोसा करते हैं। लखनऊ के साथ, आपको हमेशा ऐसा लगता है कि टीम के अंदर कोई पहचान नहीं है। अभिनव ने कहा कि एलएसजी के लिए शीर्ष में मिशेल मार्श और एडेन मार्करम बेहद शानदार हैं, लेकिन इसके बाद भरोसे की कमी है। टीम में हमेशा से खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। मार्क वुड कभी-कभी आकर पांच विकेट ले लेते हैं, लेकिन ये हमेशा नहीं होता, जो टीम की सबसे बड़ी दिक्कत है।

मुकुंद ने कहा, 'डीसी के खिलाफ मैच में मुझे टीम संतुलित नहीं लगी। टीम में सात बल्लेबाज और चार गेंदबाज थे। टीम ने दिग्वेश राठी पर भरोसा जताते हुए रवि बिश्नोई को रिलीज किया था, लेकिन राठी पहले ही मैच का हिस्सा नहीं थे। यह समझ से परे है।

एलएसजी 18.4 ओवर में सिर्फ 141 रन पर सिमट गई। दिल्ली कैपिटल्स ने 17.1 ओवर में 4 विकेट पर 145 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता लिया। लखनऊ का अगला मुकाबला 5 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप: आदित्य ने मूसा अलहौसौ को 5-0 से हराया

उलानबटार । भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के चौथे दिन (गुरुवार को) शानदार प्रदर्शन करते हुए अरब के मूसा अलहौसौ पर जीत हासिल की।

मौजूदा नेशनल चैंपियन आदित्य ने पुरुषों की 65 किग्रा वर्ग में सऊदी अरब के मूसा अलहौसौ को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। मुकाबले के दौरान आदित्य पूरी तरह से नियंत्रण में दिखे और अपने विरोधी के खिलाफ बेहतरीन तकनीक का इस्तेमाल किया।

इस जीत के साथ, आदित्य अगले राउंड में पहुंच गए, जहां उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के अब्दुल्लाह मदामिनोव से होगा।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में पूरे कॉन्टिनेंट से टॉप बॉक्सिंग टैलेंट शामिल हैं, और हर बाउट मेडल राउंड तक का रास्ता तय करने में अहम भूमिका निभाता है।

पहले दिन, भारत की प्रीति पवार और दीपक ने शानदार शुरुआत की।

महिलाओं की 54 किग्रा वर्ग में, विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा, जो पहले एशियन अंडर-22 चैंपियन (2025) रह चुकी हैं, पर 5-0 से एकमत से जीत हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

पुरुषों की 70 किग्रा वर्ग में, दीपक, जिन्होंने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में रजत पदक और एशियन यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2022 में कांस्य पदक जीता था, ने आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को 3-2 से हराया।

दूसरे दिन, भारत की प्रिया ने 5:0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि जदुमणि सिंह ने टॉप सीड को आखिर तक कड़ी टक्कर दी।

महिलाओं की 60 किग्रा श्रेणी में, प्रिया ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराया।

पुरुषों की 55 किग्रा श्रेणी में, जदुमणि ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला किया, और आखिर में 2-3 से हार गए। भारत का दबदबा तीसरे दिन भी जारी रहा।

जर्सी पहनने के बाद एकमात्र लक्ष्य देश के लिए जीत हासिल करना होता है: एश्ले गार्डनर

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलिया की ऑल-राउंडर एश्ले गार्डनर ने कहा है कि टीम की जर्सी पहनने के बाद उनका एकमात्र मकसद अपने देश के लिए 'ज्यादा से ज्यादा मैच' जीतना होता है।

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के दौरे पर है। टी20 सीरीज जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज में भी 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। तीसरा वनडे गुरुवार को खेला जाना है। ऑस्ट्रेलिया आखिरी वनडे जीत सीरीज में क्लीन स्वीप करना चाहती है और दौरे का समापन यादगार तरीके से करना चाहती है।

आखिरी वनडे से पहले गार्डनर ने कहा, 'आराम करने के बजाय आखिरी मैच में बेहतरीन प्रदर्शन पर फोकस कर रही है।

गार्डनर ने कहा, 'जब भी हम यह जर्सी पहनते हैं, हम अपने देश के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना चाहते हैं और मुझे लगता है कि सीजन के आखिरी हिस्सों में हम सभी बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि हम यह जानकर बहुत खुश होंगे कि आगे आने वाली गर्मियों की भागदौड़ से पहले हमारे पास एक बड़ा ब्रेक है।

उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान निश्चित रूप से यह पक्का करने पर है कि हम सीजन को जिस तरह से खत्म करते हैं, उसमें हम सुपर क्लिनिकल हों और फिर यह पक्का करें कि हम उन सफलताओं का जश्न मना रहे हैं जो हमें सीजन में मिली हैं, और आने वाले कुछ महीनों का इंतजार कर रहे हैं।

उपकप्तान गार्डनर ने कहा, 'पहली बार सोफ (सोफी मोएलिक्स, कप्तान) के नेतृत्व में काम करते हुए बहुत अच्छा रहा। यह बहुत मजेदार रहा। वह इस ग्रुप में बहुत मजा और बहुत एनर्जी लाती हैं, जिसे देखना वाकई बहुत अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि अगर आप सोफ को जानते हैं, तो आप जानते ही होंगे कि वह मैदान के बाहर कितना एन्जॉय करती हैं और उन्होंने निश्चित रूप से इसे अपनी नेतृत्व में दिखाया है और अपने टीममेट्स का भी बहुत ध्यान रखा है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415